राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, गुरुवार, 23 अप्रैल 2026
वर्ष 07, अंक 200, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

थाने के सामने से रातों-रात उखाड़ा गया महाराजा मलिहा पासी स्मृति द्वार, प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल...03

भारत के लिए अपने PM पर टूट पड़ा नेपाल! बालेन शाह के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता ही जा रहा...12

महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार ने कहा- मुझे भी अपने पति के प्लेन क्रैश हादसे पर शक

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने जनवरी 2026 में अपने पति अजित पवार के विमान हादसे पर गंभीर संदेह व्यक्त किया। बारामती उपचुनाव रैली में बोलते हुए उन्होंने जवाब मांगा और दोषी पाए जाने पर कड़ी से कड़ी सजा की मांग की।

ब्यूरो प्रयागराज। महाराष्ट्र की डिप्टी चीफ मिनिस्टर और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की नेता सुनेत्रा पवार ने अपने पति और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जनवरी में हुई हवाई दुर्घटना पर गंभीर संदेह जताया है। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना के बारे में सबको जवाब मिलना चाहिए और अगर किसी की गलती है तो उसे सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए। सुनेत्रा पवार ने यह बयान मंगलवार, 21 अप्रैल 2026 को बारामती में अपनी चुनावी रैली में दिया। यह रैली बारामती उपचुनाव के लिए आयोजित की गई थी, जिसका मतदान 23 अप्रैल को होना है। वहां इसी रैली के बाद चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है। अपने भाषण के दौरान सुनेत्रा पवार ने कहा, 'मुझे अजित पवार की हवाई दुर्घटना पर संदेह है। हर किसी को इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में जवाब मिलने चाहिए। अगर कोई दोषी है तो उसे सबसे सख्त सजा दी जानी चाहिए। '

जनवरी 2026 में हुई इस हवाई दुर्घटना में अजित पवार की मौत हो गई थी। सुनेत्रा पवार इस घटना पर अब खुलकर सवाल उठा रही हैं। हालांकि महायुति उम्मीदवार द्वारा की गई मांग पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उसी मंच से आश्वासन दिया कि सच्चाई सामने आने तक सरकार चुप नहीं बैठेगी।

यह बयान बारामती उपचुनाव के ठीक पहले आया है, जहां सुनेत्रा पवार चुनावी प्रचार में सक्रिय हैं। एनसीपी नेता के इस बयान से राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। सुनेत्रा पवार का इस तरह अब इस मामले को उठाना इसे चुनावी मुद्दा भी माना जा रहा है। क्योंकि अजित पवार के भतीजे रोहित पवार लगातार इस मामले को उठा रहे हैं तो उस समय सुनेत्रा ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। लेकिन अब वो चुनाव के दौरान खुलकर बोल रही हैं। अजित पवार के भतीजे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार विमान दुर्घटना मामले में महाराष्ट्र सरकार से एफआईआर दर्ज कराने का आग्रह कर रहे हैं और उन्होंने इस घटना पर कई सवाल उठाए हैं। हालांकि, महाराष्ट्र सरकार द्वारा एफआईआर दर्ज न किए जाने के कारण रोहित पवार कर्नाटक गए और 28 जनवरी की विमान दुर्घटना में शून्य एफआईआर दर्ज कराई, जिसे फडणवीस ने अवैध कदम बताया।

जनसभा को संबोधित करते हुए सुनेत्रा पवार ने अजीत पवार के जीवन और राजनीतिक सफर को समर्पित एक संग्रहालय स्थापित करने की योजना की घोषणा की, जिसका उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करना है। फडणवीस ने भी उपमुख्यमंत्री का जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि उनमें अजीत पवार की विरासत को आगे बढ़ाने की क्षमता और दृढ़ संकल्प है और उन्होंने मतदाताओं से दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि के रूप में 23 अप्रैल को उन्हें रिकॉर्ड जीत दिलाने का आग्रह किया। इसी बीच, अजित पवार की चचेरी बहन और राष्ट्रीय कम्युनिस्ट पार्टी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले भी बारामती में चुनाव प्रचार में शामिल हुई।

अपने भाषण में उन्होंने कहा कि बारामती हमेशा से पवार परिवार के साथ खड़ी रही है और मतदाताओं से अपील की कि वे इस परंपरा का पालन करें क्योंकि सुनेत्रा पवार उपचुनाव लड़ रही हैं। सुले ने आगे कहा, 'हमारा रिश्ता राजनीति से परे है। इसलिए, अजीत दादा के सपनों को साकार करने के लिए लोगों को सुनेत्रा पवार का समर्थन करना चाहिए।' महाराष्ट्र के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का 28 जनवरी को बारामती में एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया था।

आचार संहिता: ईसी ने पीएम के बयान की जाँच की बात कही तो बीजेपी खड़गे के पीछे पड़ी!

ब्यूरो प्रयागराज पीएम मोदी के देश के नाम संबोधन के बाद चुनावी आचार संहिता उल्लंघन के आरोपों की ईसीआई की जाँच की ख़बर आने के बीच ही बीजेपी ने अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ख़िलाफ़ मोर्चा खोल दिया है। मोदी सरकार के बड़े-बड़े मंत्री खड़गे के ख़िलाफ़ शिकायत करने ईसीआई पहुँच गए। इस बीच, ममता बनर्जी ने भी बंगाल में बीजेपी पर चुनावी आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया है।

कई राजनीतिक पार्टियां एक-दूसरे पर मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट यानी एमसीसी तोड़ने का आरोप लगा रही हैं। चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्ष की शिकायत की जांच करने का फैसला किया है। विपक्ष की शिकायत के बाद आयोग ने यह निर्णय लिया है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 अप्रैल को राष्ट्र के नाम संबोधन दिया था। विपक्षी पार्टियों का कहना है कि यह संबोधन चुनाव के बीच मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन है। विपक्षी नेताओं, वामपंथी पार्टियों और क़रीब 700 एक्टिविस्टों व आम नागरिकों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को चिट्ठी लिखी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने सरकारी प्रसारक दूरदर्शन और आकाशवाणी का इस्तेमाल करके चुनाव प्रभावित करने की कोशिश की।

सीपीआई (एम) के महासचिव एम ए बेबी ने लिखा कि प्रधानमंत्री का यह संबोधन चुनाव वाले राज्यों में जनमत प्रभावित करने वाला था। इससे चुनाव में

बराबरी का मौका नहीं मिलता और लोकतंत्र की नींव हिल जाती है। मीडिया रिपोर्टों में चुनाव आयोग के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इस शिकायत की जाँच मॉडल कोड ऑफ़ कंडक्ट डिवीजन करेगा। बता दें कि मॉडल कोड 15 मार्च से लागू है और 4 मई तक रहेगा, जब पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के वोटों की गिनती होगी।

दूसरी ओर, बीजेपी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर चुनाव आयोग से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। बुधवार को तीन केंद्रीय मंत्रियों समेत भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह शामिल थे। निर्मला सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने तमिलनाडु में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री को 'आतंकवादी' कहा, जो बहुत गलत और निंदनीय है। यह पूरे देश के लोगों के दिए गए जनादेश का अपमान है।

सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस हार के डर से निराश होकर ऐसा बोल रही है। बीजेपी ने मांग की कि खड़गे और कांग्रेस देश से माफी मांगें। किरेन रिजिजू ने इसे 'घृणित कृत्य' बताया और कहा कि चुनाव आयोग को इतनी सख्त कार्रवाई करनी चाहिए कि आगे कोई प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहने की हिम्मत न करे।

खड़गे ने चेन्नई में कहा था कि मोदी लोकतंत्र को आतंकित कर रहे हैं, एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहे हैं। बाद में उन्होंने सफाई दी थी कि उन्होंने शाब्दिक रूप से 'आतंकवादी' नहीं कहा, बल्कि उनका मतलब था कि वह 'आतंकित कर रहे हैं'। खड़गे ने कहा, 'वे लोगों और राजनीतिक पार्टियों को आतंकित (terrorise) कर रहे हैं। मैंने कभी यह नहीं कहा कि वे शाब्दिक रूप से आतंकवादी हैं।' उन्होंने जोड़ा कि मोदी सरकार सत्ता का दुरुपयोग कर विपक्ष को दबा रही है। बीजेपी ने मंगलवार को भी चुनाव आयोग को पत्र लिखकर खड़गे से सार्वजनिक माफी मांगने और उनके खिलाफ BNS की धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की थी।

संक्षिप्त ख़बरें

आज आएगा यूपी बोर्ड दसवीं, बारहवीं का परिणाम

प्रयागराज: माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश (UPMSP) ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के परिणामों की आधिकारिक तिथि घोषित कर दी है। सचिव भगवती सिंह द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 23 अप्रैल को शाम 4:00 बजे बोर्ड मुख्यालय, प्रयागराज से नतीजों का ऐलान किया जाएगा। विद्यार्थी अपना परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट https://upmsp.edu.in/inde&.html पर देख सकते हैं,

मुख्य जानकारियां एक नजर में:

रिजल्ट की तारीख 7 23 अप्रैल 2026।

समय 7 शाम 04:00 बजे

कक्षाएं हाईस्कूल (10वीं) एवं इंटरमीडिएट (12वीं)।

घोषणा स्थल माध्यमिक शिक्षा परिषद मुख्यालय, प्रयागराज

दिल्ली के नरेला में जूता फैक्ट्री में लगी आग, फायर ब्रिगेड की 19 गाड़ियां 7 घंटे में कर सकीं काबू

आग बुझाने में दमकल की 19 गाड़ियों को लगे सात घंटे

बाहरी दिल्ली। नरेला औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार को तीन मंजिला जूता फैक्ट्री में आग लग गई। दमकल को बुझाने में सात घंटे लगे और 19 गाड़ियां मौके पर बुलानी पड़ी। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। आग लगने का कारण अभी सामने नहीं आया है। बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे नरेला के ई-ब्लाक स्थित तीन मंजिला फैक्ट्री में आग लग गई। इसके बाद दमकल विभाग ने आग बुझाने का काम संभाला। आग की वजह से आसमान में काफी देर तक धुएं का गुबार रहा। आग की भयावहता को देखते हुए मौके पर दमकल की अतिरिक्त गाड़ियों बुलानी पड़ी। दमकल विभाग का कहना है कि आग को दोपहर ढाई बजे पूरी तरह से नियंत्रित कर लिया गया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

मालेगांव बम धमाके के 4 आरोपियों को बड़ी राहत, एच सी ने सबूतों के अभाव में रद्द किया केस

» मुंबई हाई कोर्ट ने 2006 मालेगांव बम धमाकों के मामले में चार आरोपियों को बड़ी राहत दी है. अदालत ने उनके खिलाफ दोषारोपण रद्द करते हुए उन्हें बरी कर दिया, योंकि सबूतों का अभाव पाया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

2006 में मालेगांव में हुए सिलसिलेवार मालेगांव बम विस्फोटों के मामले में मुंबई हाईकोर्ट ने बुधवार को चार आरोपियों को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ दोषारोपण तय करने का आदेश रद्द कर दिया है. इस फैसले के साथ ही इन आरोपियों के खिलाफ मुकदमे की प्रक्रिया प्रभावी रूप से खत्म हो गई है और उन्हें इस मामले में बरी कर दिया गया है. आरोपियों के खिलाफ दोष साबित करने के लिए सबूत पूरे नहीं मिले. अदालत ने यह फैसला इस आधार पर सुनाया कि आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोप तकनीकी दृष्टि से साबित नहीं हो रहे थे. साथ ही, उनके खिलाफ दाखिल आरोपपत्र को भी रद्द कर दिया गया है।

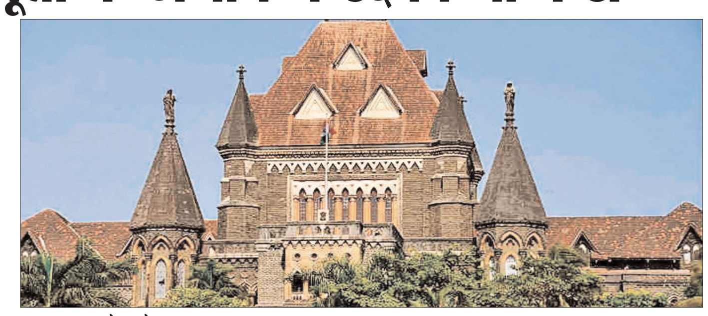

कौन हैं ये चार आरोपी?

मालेगांव बम धमाकों के आरोपियों में लोकेश शर्मा, धन सिंह, राजेंद्र चौधरी और मनोहर नरवारिया शामिल हैं. बता दें, 8 सितंबर 2006 को मालेगांव में एक मस्जिद के पास हुए बम विस्फोटों में 37 लोगों की मौत हो गई थी. इससे पहले इसी मामले में अदालत 11 लोगों को बरी कर चुकी है। इन 11 लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अदालत में आरोप लगाए थे. बाद में उपरोक्त चार आरोपियों के खिलाफ भी आरोप तय करने के लिए मामला अदालत में भेजा गया था, लेकिन अब हाईकोर्ट के फैसले के बाद ये चारों भी बरी होते नजर आ रहे हैं।

अब क्या होगा?

हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद सवाल उठ रहा है कि क्या एनआईए अब रद्द हुए आरोपपत्र के बाद इन चारों आरोपियों के खिलाफ फिर से अदालत का दरवाजा खटखटाएगी. यह सवाल मालेगांव 2006 मामले में ही एक अन्य आरोपी रहे नूरुल हुदा ने उठाया हैय फिलहाल, एजेंसी की ओर से इस पर कोई साफ प्रतिक्रिया नहीं आई है। 8 सितंबर 2006 को शब-ए-बारात के दिन हुए इस हमले में 37 लोग मारे गए थे और सैकड़ों घायल हुए थे. इस मामले में एटीएस ने मालेगांव से 9 लोगों को गिरफ्तार किया था और सीबीआई ने भी जांच को सही ठहराया था।

दिल्ली से रेवाड़ी, करनाल और अलवर का सफर होगा आसान, जल्द शुरू होगी नई इलेक्ट्रिक बस सेवा

नई दिल्ली। यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली के अंदर इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाई जा रही है। इसके साथ ही दूसरे राज्यों के शहरों के लिए भी दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) द्वारा इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा रही है। दिल्ली-बड़ौत, दिल्ली-सोनीपत, दिल्ली-धारूहेड़ा, दिल्ली-पानीपत और नानकसर-गाजियाबाद बस टर्मिनल के लिए बसों का संचालन शुरू कर दिया गया है। शीघ्र ही कुछ अन्य शहरों के लिए बसें शुरू करने की तैयारी है। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह का कहना है कि अंतरराज्यीय बस सेवा को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलव रही है। शीघ्र ही दिल्ली से रेवाड़ी, करनाल और अलवर के लिए भी बस सेवा शुरू की जाएगी। प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए बस सेवा शुरू करने की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को और ज्यादा मजबूत और बेहतर बनाने के आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। आईआईटी दिल्ली के साथ मिलकर देवी इलेक्ट्रिक बसों के लिए रूट निर्धारण किया जा रहा है। इसमें डीटीसी के अनुभवी चालकों, सहचालकों और बस डिपो प्रबंधकों के अनुभव को शामिल किया जाना आवश्यक है। उनसे भी सुझाव लिए जाएंगे। दिल्ली के पूर्वी जोन में 121 रूट, पश्चिमी जोन में 181 रूट, उत्तरी जोन में 194 रूट शामिल हैं। दक्षिणी जोन में रूट निर्धारण का काम जारी है।

पुलिस कर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग इलाहाबाद HC में खारिज, CJM का आदेश बरकरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गोरखपुर से जुड़े एक मामले में अधीनस्थ अदालत के आदेश को सही ठहराया है। अदालत ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि इसमें हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता। यह आदेश न्यायमूर्ति वीडी चौहान ने दिया है।

गोरखपुर के व्यक्ति ने थाना प्रभारी पर लगाया था आरोप

याचिका में गोरखपुर निवासी राम चंद्र जायसवाल ने आरोप लगाया था कि थाना प्रभारी (एसएचओ) ने दो सिपाहियों के साथ उनके घर आकर गाली-गलौज की। मोबाइल, 23 हजार रुपये नकद तथा सोने की चेन उठा ले गए। इस संबंध में उन्होंने धारा 156 (3) सीआरपीसी के तहत आवेदन दिया था।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने आवेदन खारिज किया था

मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, गोरखपुर ने 21 नवंबर 2024 को आवेदन खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ दाखिल आपराधिक पुनरीक्षण (क्रिमिनल रिवीजन) को भी 13 जनवरी 2026 को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, गोरखपुर ने खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने दलील दी कि पुलिस ने उनके घर से सामान जब्त किया और इसके फोटो भी प्रस्तुत किए गए।

कोर्ट ने कहा- निचली अदालतों के आदेश में त्रुटि नहीं

कोर्ट ने कहा कि प्रस्तुत फोटो घर के बाहर की स्थिति दर्शा रहे हैं। पुलिस पहले ही याचिकाकर्ता के बेटे के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में मामला दर्ज कर जांच पूरी कर चुकी है। इसमें चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। पुलिस टीम आरोपी बेटे को पकड़ने गई थी। इन तथ्यों को देखते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि निचली अदालतों के आदेश में कोई त्रुटि नहीं है। इसलिए याचिका खारिज कर दी गई।

तहसील से गायब वरासत की फाइल, किसान दर-दर भटकने को मजबूर

लालगंज (रायबरेली)। तहसील प्रशासन की लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां नायब तहसीलदार सरेनी न्यायालय से किसान की वरासत से जुड़ी पत्रावली पिछले छह महीनों से गायब है। पीड़ित किसान लगातार न्याय के लिए तहसील के चक्कर काट रहा है, लेकिन अब तक उसे कोई राहत नहीं मिल सकी है। क्षेत्र के मथूरपुर गांव निवासी सुनील कुमार ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि वरासत से संबंधित महत्वपूर्ण पत्रावली बिना किसी सूचना के अचानक गायब हो गई है। पीड़ित के अनुसार, कृष्णा देवी बनाम सुनील कुमार व सुशील कुमार बनाम सुनील कुमार से संबंधित फाइलों का कोई अता-पता नहीं है। कई बार शिकायत करने के बावजूद भी अब तक फाइल नहीं मिल पाई है, जिससे वरासत की प्रक्रिया पूरी तरह ठप हो गई है। फाइल गायब होने के कारण किसान को अपने ही अधिकार के लिए भटकना पड़ रहा है, जिससे उसे आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसान ने जिलाधिकारी मिथिलेश त्रिपाठी से मामले में हस्तक्षेप की मांग करते हुए जल्द से जल्द पत्रावली खोजवाकर वरासत प्रक्रिया पूरी कराने की अपील की है। वहीं, एसडीएम ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है और पीड़ित को तहसीलदार से मिलकर अपनी समस्या रखने के निर्देश दिए गए हैं।

डीएनए टेस्ट में पिता न होने पर भरण-पोषण नहीं: सुप्रीम कोर्ट ने मां की अपील खारिज की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने कहा है कि यदि डीएनए परीक्षण से यह साबित हो जाए कि कोई व्यक्ति बच्चे का जैविक पिता नहीं है, तो उसे भरण-पोषण देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, भले ही बच्चा वैवाहिक संबंध के दौरान जन्मा हो। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस नोंगमेइकापम कोटिस्वर सिंह की खंडपीठ ने मां द्वारा दायर अपील को खारिज करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। पक्षकारों की शादी 2016 में हुई थी। बाद में विवाद उत्पन्न होने पर महिला ने घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत अपने और बच्चे के लिए अंतरिम भरण-पोषण की मांग की।

सुनवाई के दौरान पति की मांग पर डीएनए परीक्षण कराया गया, जिसमें यह सामने आया कि वह बच्चे का जैविक पिता नहीं है। इसके आधार पर ट्रायल कोर्ट ने बच्चे के लिए भरण-पोषण देने से इनकार कर दिया, जिसे अपीलीय अदालत और हाईकोर्ट ने भी बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सामान्यतः कानून के तहत विवाह के दौरान जन्मे बच्चे को वैध माना जाता है, लेकिन जब डीएनए टेस्ट जैसी वैज्ञानिक जांच से पितृत्व स्पष्ट रूप से खारिज हो जाए और उस रिपोर्ट को चुनौती भी न दी गई हो, तो ऐसे साक्ष्य को प्राथमिकता दी जाएगी।

हालांकि, कोर्ट ने बच्चे के कल्याण को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिया कि वह बच्चे की स्थिति–जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण–का आकलन करे और आवश्यक होने पर सहायता सुनिश्चित करे। अदालत ने स्पष्ट किया कि भरण-पोषण के मामलों में जैविक संबंध महत्वपूर्ण है और वैज्ञानिक साक्ष्य के सामने पारंपरिक कानूनी धारणा टिक नहीं सकती।

श्रद्धालु चांदी समझ वैष्णो देवी में चढ़ाते हैं चढ़ावा, निकला कैंसर फैलाने वाला जहरीला धातु!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। वैष्णो देवी मंदिर में चढ़ाए गए चढ़ावे को लेकर चौंकाने वाली रिपोर्ट आई है। भगवान को खुश करने के लिए श्रद्धालु चांदी का चढ़ावा चढ़ाते हैं, लेकिन अब इनकी पुष्टि ख़तरनाक जहरीला कैडमियम के रूप में हुई है। यानी वैष्णो देवी मंदिर में चढ़ाए जाने वाले चांदी के चढ़ावे में बड़ा घोटाला सामने आया है। ईटी ने रिपोर्ट दी है कि देश की मिंट यानी सरकारी टकसाल ने जाँच में पाया है कि भक्तों द्वारा चढ़ाई गई चांदी में सिर्फ़ 5-6 प्रतिशत ही असली चांदी है। बाकी हिस्सा जहर जैसा जहरीला कैडमियम और सस्ता लोहा है।

हर साल लाखों भक्त जम्मू-कश्मीर की ठंडी त्रिकुटा पहाड़ियों पर माता वैष्णो देवी के दर्शन करने जाते हैं। वे चांदी के सिक्के, गहने या अन्य चीजें खरीदकर माता को चढ़ाते हैं। भक्त सोचते हैं कि वे शुद्ध चांदी चढ़ा रहे हैं। लेकिन वे दरअसल, ऐसी जहरीली चीज चढ़ा रहे होते हैं जिसका इस्तेमाल प्रतिबंधित है। दरअसल, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने हाल ही में लगभग 20 टन जमा हुई चांदी की ऑफरिंग्स को सरकारी मिंट को भेजा। मिंट के अधिकारियों ने इसे पिघलाने और स्टोर करने की प्रक्रिया शुरू की। लेकिन इसको टेस्ट करने वाले विशेषज्ञों ने चौंकाने वाली बात पाई। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक़, मिंट के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया है कि भक्तों द्वारा खरीदी और चढ़ाई गई इस धातु में सिर्फ 5-6 प्रतिशत ही असली चांदी है। बाक़ी कैडमियम और लोहा है।

चांदी का भाव आजकल लगभग 2 लाख 75 हजार रुपये प्रति किलो है। वहीं रंग में चांदी जैसा ही दिखने वाला कैडमियम सिर्फ 400-500 रुपये प्रति किलो का है। लोहा तो और भी सस्ता है। श्राइन बोर्ड को उम्मीद थी कि 20 टन चांदी से करीब 500-550 करोड़ रुपये मिलेंगे। लेकिन असली चांदी की क़ीमत मुश्किल से 30 करोड़ रुपये के आसपास ही निकली।

अंग्रेज़ी अख़बार की रिपोर्ट के अनुसार मिंट ने इस समस्या को पिछले एक साल में कई बार उठाया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के ऑफिस और श्राइन बोर्ड को चिट्ठी लिखी है। एक चिट्ठी में मिंट ने लिखा है, 'श्री माता वैष्णो देवी मंदिर के आसपास ऐसे अनैतिक काम हो रहे हैं जो भक्तों को धोखा दे रहे हैं। भक्त

चांदी के सामान खरीदते हैं लेकिन उन्हें पता नहीं कि उसमें कैडमियम मिला है, जो रंग से चांदी जैसा दिखता है।'

मिंट ने आगे लिखा है कि कैडमियम बहुत जहरीला है। इससे काम करने वालों को स्वास्थ्य खतरा है और हवा व पानी में प्रदूषण फैल सकता है। इसलिए तुरंत ऐसे नकली चांदी के सामान बनाना बंद करना चाहिए। एक हालिया बैच में चढ़ावे वाली क़रीब 70 किलो चांदी मिंट को दी गई। उसमें सिर्फ 3 किलो ही असली चांदी निकली। ईटी की रिपोर्ट के अनुसार मिंट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'हमें तीन महीने तक लोगों को लगाकर सामान अलग-अलग करना पड़ा। फिर भी सिर्फ छोटे-छोटे हिस्सों में ज्यादा चांदी मिली, जिसे 25 लाख रुपये की महंगी मशीन से चेक किया गया।'

संक्षिप्त खबरें

कलवारी में पीएम प्रणाम - किसान सभा' आयोजित, उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर जोर

बस्ती। बस्ती जिले के कलवारी थाना क्षेत्र है किसानों को जागरूक करने के लिए पीएमकेएसके कृषक भारती सेवा केंद्र, कलवारी पर 'पीएम प्रणाम किसान सभा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को आधुनिक खेती के साथ उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। सभा के मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान अगौना विजय यादव एवं कृभको बस्ती के क्षेत्रीय प्रतिनिधि सुदीप सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कृभको के उत्पाद रायजोसुपर, सिवारिका, जिंक तथा बायो-फर्टिलाइजर के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीएम प्रणाम योजना के तहत रासायनिक उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर लागत घटाई जा सकती है और मिट्टी की उर्वरता लंबे समय तक बनाए रखी जा सकती है। इस अवसर पर कृषक भारती सेवा केंद्र कलवारी के सचिव शिवम गुप्ता ने किसानों से अपील की कि भविष्य में खाद की संभावित समस्या से बचने के लिए सभी किसान शीघ्र अपनी फार्मर रजिस्ट्री कराएं, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक किसान मौजूद रहे और उन्होंने कृषि से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की गई।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर उतरा जगुआर-मिराज और सुखोई विमान, टेकऑफ और लैंडिंग की

सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर आज दोपहर 2 बजे लड़ाकू विमानों का एयर शो शुरू हुआ। करीब 3 घंटे चले एयर शो में सबसे पहले वायु सेना के ष्ट295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट ने एक्सप्रेस-वे पर बने रनवे पर लैंडिंग की।इसके बाद जगुआर ने उड़ान भरी। राफेल, सुखोई और मिराज फाइटर जेट्स ने भी टेकऑफ और लैंडिंग की। सेना के रू7 हेलीकॉप्टर से कमांडोज ने सैन्य ऑपरेशन की मॉक ड्रिल की। M 32 भीष्म एयर क्राफ्ट ने भी एयर स्ट्रिप पर 'टच एंड गो' का अभ्यास किया। अब शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक फिर से युद्धाभ्यास किया जाएगा। आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए एक्सप्रेस-वे पर 3.2 किमी लंबी इमरजेंसी एयरस्ट्रिप बनाई गई है। इस एयर शो को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटी है। 6 घंटे चलने वाले एयर शो के लिए 5 किलोमीटर का एरिया सील कर दिया गया है। इससे पहले जून 2023 में 4 घंटे यह अभ्यास चला था। 16 नवंबर 2021 को PM मोदी ने सुल्तानपुर से ही पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का इनॉगरेशन किया था। PM मोदी एयरफोर्स के हरक्युलिस जहाज से एयर स्ट्रिप पर उतरे थे। एयर शो देखने के लिए कैबिनेट मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री ओपी राजभर, विधायक राज प्रसाद उपाध्याय, विधायक राजेश गौतम, डीएम इंद्रजीत सिंह, एसपी चारू निगम, एएसपी अखंड प्रताप सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, सीओ जयसिंहपुर आरके चतुर्वेदी, सीओ कादीपुर विनय गौतम, एसडीएम कादीपुर उत्तम तिवारी समेत प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी व कई थानों की फोर्स मौजूद थी।

बोलेरो व स्कूटी में आमने-सामने की टक्कर, स्कूटी चालक घायल

सिद्धार्थनगर। जिले के ढेबरुआ थानाक्षेत्र के तुलसियापुर चौराहे पर स्थित एसबीआई बैंक के सामने एनएच पर स्कूटी व बोलेरो की आमने-सामने की टक्कर में स्कूटी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों ने उसे एंबुलेंस से सीएचसी शोहरतगढ़ पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर देख मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर के लिए रेफर कर दिया। बुधवार को लगभग दिन में साढ़े चार बजे एसबीआई तुलसियापुर के सामने पश्चिम दिशा से आ रही बोलेरो व पूरब से आ रही स्कूटी में आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें स्कूटी चालक राजेंद्र(34) पुत्र राम चन्दर निवासी शोहरतगढ़ नगर पंचायत के वार्ड नंबर 6 आर्य नगर गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मौजूद लोगों ने डायल 112 व 108 एंबुलेंस को फोन किया।घायल को एंबुलेंस से सीएचसी शोहरतगढ़ पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।घायल के सिर व पेट में अधिक चोट लगी है।

भूमि विवाद में महिला से मारपीट व लूट, पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से किया न्याय की मांग

●-बैनामाशुदा जमीन पर कब्जे और नींव भरने से शुरू हुआ पूरा विवाद-प्रशासनिक सुलहनामे में तय शर्तों के बावजूद दोनों पक्षों में टकराव जारी डायल 112 पर सूचना के बाद भी थाने से बिना कार्रवाई लौटने का आरोप, एसपी से गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले की पुलिस की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल पीड़ितों को न्याय देने के बजाय उनको थाने से भगाया जाता है नहीं लिखी जाती है उनकी शिकायत पर रिपोट ताजा मामला थाना लालगंज क्षेत्र के ग्राम चित्राखोर में भूमि विवाद को लेकर स्थानीय निवासी लक्ष्मी पत्नी काली चरन उर्फ पप्पू ने पुलिस अधीक्षक को पत्र सौंपकर गांव के

सोनू, मोनू व अमित पुत्रगण अम्बिका, मंजू पत्नी अम्बिका तथा कृष्ण कुमार उर्फ कचालू पुत्र चन्द्रभूषण पर मारपीट, अभद्रता, वस्त्र फाड़ने तथा जेवर व नकदी छीनने का आरोप लगाते हुए उनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की मांग किया है।

पीड़िता के मुताबिक उसकी बैनामाशुदा जमीन गाटा संख्या 62 पर आरोपितों द्वारा करीब तीन फुट ऊँच नींव भर दी गई थी, उस दौरान वह परिवार सहित दिल्ली में रह रही थी, सूचना मिलने पर उसने निर्माण कार्य रुकवाया, इसके बाद आरोपित पक्ष द्वारा गाटा संख्या 89 में बिना बंटवारे के निर्माण कार्य शुरू किया गया, जिसमें छत डालना शेष बताया गया। मामले को लेकर उपजिलाधिकारी बस्ती और थानाध्यक्ष लालगंज को प्रार्थना पत्र दिया गया, जिस पर 19 अप्रैल 2026 को सुलहनामा हुआ, सुलहनामे के अनुसार पीड़िता को अपनी जमीन गाटा संख्या 62 में भरी गई नींव हटाकर मलबा लेने के बाद ही दूसरे पक्ष को निर्माण आगे बढ़ाना था। पीड़िता का कहना है कि 20 अप्रैल 2026 को वह जेसीबी लेकर नींव हटवाने मौके पर पहुंची, तभी मोनू पुत्र अम्बिका, उनकी पत्नी मंजू, सोनू की पत्नी तथा कृष्ण कुमार उर्फ कचालू मौके पर पहुंचे और मारपीट करने लगे, आरोप है कि पीड़िता को लात-घूंसों से पीटा गया, बाल पकड़कर घसीटा गया तथा गले का मंगलसूत्र, कान की बाली और ब्लाउज में रखा पर्स छीन लिया गया, जिसमें पांच हजार रुपये भी रखे थे। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया, सूचना पर डायल 112 पुलिस पहुंची और पीड़िता को थाने ले जाया गया, जहां कुछ समय बैठाने के बाद उसे वापस भेज दिया गया। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से प्रकरण में आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा छीने गए जेवरात और नकदी वापस दिलाने की मांग किया है। पीड़िता ने कहा कि अगर न्याय ना मिला तो हम मूर्ख अधिकारियों के पास जाएंगे।

30 किलो मादक पदार्थ को कराया गया नष्ट

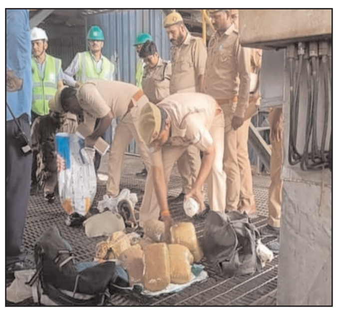

बलरामपुर। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 30 किलो 982 ग्राम ड्रग्स को नष्ट कराया गया। जब्त मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत करीब 67.89 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि ऑपरेशन दहन के तहत कोतवाली देहात, गौरा चौराहा, जरवा, गैसड़ी व पचपेड़वा थानों से जुड़े 21 अभियोगों में जब्त मादक पदार्थों को नष्ट किया गया है।इसमें चरस, गांजा व स्मैक जैसे अवैध मादक पदार्थों को न्यायालय के आदेश के बाद नष्ट किया गया। इस दौरान सभी सुरक्षा और पर्यावरण मानकों का पालन किया गया। बलरामपुर चीनी मिल्स स्थित पावर प्लांट में उच्च क्षमता वाले इंसीनरेटर के माध्यम से पदार्थों को नष्ट करने की प्रक्रिया पूरी की गई।

डाइग्नोसिस सेंटर की गलत रिपोर्ट देने पर नवजात शिशु के मौत में दो सदस्यी टीम करेगी जांच

● प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बगल का है मामला।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की मनमानी और प्राइवेट डाइग्नोसिस सेंटर की गलत रिपोर्ट देने पर नवजात शिशु के मौत में दो सदस्यी टीम करेगी जांच से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरहा के बगल संचालित लाइफ सिटी डाइग्नोसिस सेंटर की गलत रिपोर्ट से नवजात शिशु के मौत के मामले में सीएमओं ने दो सदस्यी टीम को जांच कर रिपोर्ट प्रेषित करने का निर्देश दिये है। बहादुरपुर ब्लाक के रामपुर गांव निवासी ओम प्रकाश यादव ने अल्ट्रासाउंड संचालक द्वारा गलत जांच रिपोर्ट देने का आरोप लगाया है। उहोंने कहा कि 16 अप्रैल की शाम को पीएचसी पर एएनएम विनोदा सिंह के पास ले गया। उहोंने अल्ट्रासांउड़ कराने की सलाह दी। जिसे लेकर लाइफ सिटी डाइग्नोसिस सेंटर पहुंचा और जांच हुआ। जिसे एएनएम को दिखाया तो मैडम बोली जांच रिपोर्ट के अनुसार सब सही है। फ़िर इंजेक्शन देकर घर भेज दी। बढते दर्द को देख कल रविवार की शाम को फिर लाया तो मैडम पुनः जांच के

लिए फिर इसी केंद्र पर भेजा। जिसकी रिपोर्ट हमें न देकर परचे के पीछे हायर सेंटर जाने की सलाह दिया। स्थिति बिगडती देख मैडम कैली भेज दी। वहां अल्ट्रासाउंड कराने के बाद पता चला कि दस दिन पूर्व बच्चे की मौत हो चुकी है। फिर आपरेशन करके बच्चे को बाहर निकाला गया और प्रसूता की जान बच पाया। वह अब सुरक्षित है जिसका उपचार अभी चल रहा है। स्वजनों ने अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर की जांच कर कार्रवाई की मांग की था। जिसे संज्ञान में लेते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी ने टीम गठित कर जांच कर रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिये है।इस संबंध में सीएमओ डा राजू निगम ने बताया कि लाइफ सिटी डाइग्नोसिस सेंटर की शिकायत मिली है। दो सदस्यी जांच टीम गठित कर रिपोर्ट मांगा है। जिसके आधार पर कार्यवाही की जायेगी।

आकांक्षात्मक विकास खंड जामों, जगदीशपुर एवं बाजार शुकुल में विकास मानकों को लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने की बैठक

●स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास तथा आधारभूत संरचना के विविध मानकों पर आकांक्षात्मक विकासखंडों के समग्र विकास के लिए शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण कर लिए जाए - सीडीओ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। नीति आयोग द्वारा चिन्हित आकांक्षात्मक विकासखण्ड जामो, जगदीशपुर एवं बाजार शुकुल में संचालित योजनाओं के प्रगति की समीक्षा हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने स्वास्थ्य एवं

पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास तथा बुनियादी अवसंरचना से जुड़े 48 संकेतकों पर तीनों विकास खंडों के प्रगति की बिन्दुवार समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारियों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक संकेतक में माहवार लक्ष्य निर्धारित कर शत-प्रतिशत संतृप्तिकरण सुनिश्चित किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आकांक्षात्मक ब्लॉक कार्यक्रम का उद्देश्य पिछड़े विकासखण्डों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग आंगनबाड़ी केंद्रों पर टीकाकरण एवं पोषण स्तर में सुधार लाए, शिक्षा विभाग नामांकन बढ़ाने के साथ-साथ लर्निंग आउटकम पर फोकस करे तथा कृषि विभाग किसान क्रेडिट कार्ड एवं सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करे। उन्होंने कहा कि चयनित इंडिकेटर पर ब्लाकवार अद्यतन सूचना वर्तमान माह के अंत तक एकत्र कर ली जाए। इसके उपरांत हर माह की 15 तारीख तक संबंधित विकासखंडों द्वारा अद्यतन विवरण पोर्टल पर फिर किया जाए तथा इसकी पुष्टि संबंधित विभागों द्वारा कराई जाए तथा विभागों द्वारा महत्वाकांक्षी जनपदों की भाँति आकांक्षात्मक विकासखंडों में कार्मिकों की शत-प्रतिशत तैनाती सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 अंशुमान सिंह, डीईएसटीओ पन्नालाल, परियोजना निदेशक डीआरडीए ऐश्वर्य यादव, जिला पंचायतराज अधिकारी मनोज बाजपेई कुमार त्यागी, उप कृषि निदेशक सत्येन्द्र कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी संतोष कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

मामूली विवाद में घर में घुसकर मारपीट

महिला के सिर पर लोहे की रॉड से हमला तीन नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चौबयाना में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां दबंगों ने घर में घुसकर मारपीट कर दी। इस दौरान एक महिला के सिर पर लोहे की रॉड से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त मोहल्ला चौबयाना निवासी वादी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 19 अप्रैल की रात करीब 11.30 बजे उसकी बेटी घर के बाहर खेल रही थी। तभी पड़ोस के युवक दिनेश ने बच्ची को चप्पल मारने की धमकी दी। बच्ची द्वारा जानकारी देने पर जब वादी ने इसका विरोध किया तो दिनेश गाली-गलौज करने लगा और जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि इसी दौरान दिनेश के साथ मौजूद रविन्द्र और विप्रंश ने मिलकर वादी के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर बीच-बचाव करने आई वादी की मां पर आरोपियों ने घर में घुसकर लोहे की रॉड से हमला कर दिया।

होमगार्ड परीक्षा सकुशल संपन्न कराने को लेकर पुलिस अधीक्षक व मुख्य विकास अधिकारी ने की बैठक

●पुलिस अधीक्षक अमेठी व मुख्य विकास अधिकारी अमेठी द्वारा होमगार्डस परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार गौरीगंज में गोष्ठी कर संबंधित को आवश्यक आदेश/निर्देश दिये गये

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी । जनपद में प्रस्तावित होमगार्डस पदों के लिए परीक्षा के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. व मुख्य विकास अधिकारी अमेठी द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार गौरीगंज में परीक्षा को नकल विहीन, शांतिपूर्ण माहौल में पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, पुलिस केन्द्र प्रभारी, सीसीटीवी कन्ट्रोल रूम प्रभारी, कार्यदायी संस्था आदि अधिकारी/कर्मचारी गण के साथ गोष्ठी की गयी । गोष्ठी में सभी परीक्षा केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चत करते हुए सीसीटीवी कैमरे, अनुक्रमांकवार बैठने की व्यवस्था आदि व्यवस्थापन कार्य पूर्ण करने तथा परीक्षा केन्द्रों पर पुलिस, फ्लाइंग स्क्वॉड, सीसीटीवी निगरानी, केन्द्र के अन्दर प्रतिबंधित वस्तुओं के प्रवेश को रोकने के लिये तलाशी लेने आदि के संबंध में एवं शासन व बोर्ड के दिशानिर्देशों का पालन करने के संबंध में उपस्थित अधिकारी/कर्मचारी गण को आवश्यक आदेश/निर्देश दिये गये । इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी श्री ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

चेकिंग के दौरान अवैध तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

तालबेहट। जनपद में अवैध शस्त्रों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पूराकलाँ पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी तालबेहट आशीष मिश्रा के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। थाना पूराकलाँ पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर गजेन्द्र पुत्र दलू उर्फ दलपत बुनकर (उम्र करीब 25 वर्ष), निवासी ग्राम एवनी को हिरासत में लेकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ थाना पूराकलाँ में आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक वीरेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल दिलीप कुमार और कांस्टेबल विष्णु प्रताप सिंह शामिल रहे।

चोरी की घटना का हर्रैया पुलिस ने किया सफल अनावरण, दो शातिर चोर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती पुलिस अधीक्षक डाक्टर यशवीर सिंह के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तहसीलदार सिंह, प्रभारी निरीक्षक हर्रैया के कुशल नेतृत्व में मुखविरी सूचना के आधार पर उपनिरीक्षक अजय कुमार मिश्रा मय हमराह पुलिस बल और उप निरीक्षक रितेश कुमार सिंह, प्रभारी एंटी थेफ्ट सेल द्वारा मु.अप.संख्याः 99/2026 धारा 305/331(3) BNS थाना हर्रैया से संबंधित वांछित अभियुक्त अंकित सिंह पुत्र रामाज्ञा सिंह निवासी ग्राम भदावल कला थाना हर्रैय उसके साथी अमित शर्मा पुत्र स्व. दाऊ शर्मा निवासी ग्राम भदावल कला को मुखविरी सूचना के आधार पर भदावल क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के कब्जे से चोरी गए कुल रु. 1,57000.00 नगद बरामद हुआ अभियुक्तों ने पुलिस के पूछताछ में कस्बा हर्रैया में भी एक मकान में चोरी किए जाने की बात कबूल किया।

उल्लेखनीय है सोलह अप्रैल को ग्राम भदावल कला निवासी योगेश कुमार सिंह, बस्ती शहर में अपने नए मकान में गृह प्रवेश के अवसर पर सपरिवार जब वहां गए हुए थे तो उनके भदावल वाले घर में चोरी हो गई तथा नगद रुपए और कुछ आभूषण चोरी कर लिए गए। इसके संबंध में उनके द्वारा थाना स्थानीय पर दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकरण किया था।

घटना का अनावरण करने हेतु उच्च अधिकारी गण के निर्देशानुसार टीमों का गठन किया गया।प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह ने बताया कि विवेचना से उपरोक्त अभियुक्तों के नाम प्रकाश में आए और उनके कब्जे से चोरी गए नगद रुपए बरामद हुए। जेवरात वह अन्य सामानों की बरामदगी के प्रयास किए गए लेकिन अभी उसकी बरामदगी नहीं हो पाई है। इस दिशा में अग्रेत्तर प्रयास किये जा रहे हैं। इनके अपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही हैं।

समाजसेवी मनीष मिश्रा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिएवितरित किया सिलाई मशीन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में महिला स्वावलंबन आस्था और रोजगार को एक साथ जोड़ने वाली अनूठी पहल देखने को मिली है राम जी का पेड़ा तैयार करने वाली महिलाओं को सम्मानित करते हुए उन्हें आईडी कार्ड प्रदान किया गया । साड़ी वितरित कार्यक्रम में महिलाओं के उत्साह और आत्मविश्वास ने इस पहल को विशेष बना दिया है इस अवसर पर जिले में बड़े स्तर पर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 1000 महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित की गई इन महिलाओं को साड़ी और पहचान पत्र भी दिया गया यह महिलाएं आगे चलकर राम जी का पेड़ा तैयार करने का कार्य करेगी वहीं दूसरी ओर 500 महिलाएं राम जी का पेड़ा बनाने के कार्य से पहले से जुड़ी हुई है इस प्रकार कुल 1500 महिलाएं कार्य कर रही है और पहले

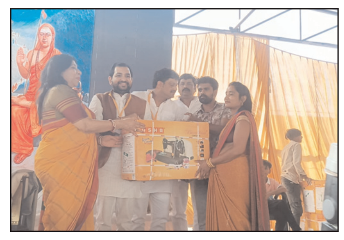

इस अभियान से जुड़कर स्वरोजगार प्राप्त करेगी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था के संस्थापक / समाजसेवी मनीष मिश्रा ने कहा की महिलाओं का सशक्त होना हर समाज की मजबूती का आधार है जब महिलाएं आत्मनिर्भर आत्मविश्वासी और आर्थिक रूप से सक्षम बनेगी तभी समाज और बस्ती का समग्र विकास संभव हो सकेगा उन्होंने कहा कि यह पहला महिलाओं को सम्मान स्वाभिमान और रोजगार से जोड़ने का एक छोटा सा महत्वपूर्ण प्रयास है जिसे भविष्य में और व्यापक रूप दिया जाएगा संस्था का उद्देश्य अधिक से अधिक महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है ताकि वह अपने परिवार और समाज की उन्नति में भागीदारी निभा सके कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही । महिलाओं ने संस्था द्वारा दिए गए सम्मान और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया इस पहल को अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला कदम बताया जनपद बस्ती में इस प्रकार की योजनाएं निश्चित रूप से महिला सशक्तिकरण रोजगार सृजन और सामाजिक उत्थान के दिशा में प्रेरणादायक साबित होगी इस अवसर पर मुख्य रूप से रश्मि चतुर्वेदी,घनश्याम मिश्रा जी डी , संजय मिश्रा, अश्वनी कुमार मिश्रा महेंद्र कुमार पांडे आलोक पांडे अमित चौबे सतीश तिवारी शशांक शुक्ला भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र सिंह भोलू नंदकिशोर दुबे राजू पांडेय आकाश एवं समूह की सभी महिलाएं उपस्थित रही ।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

●मृतक के बड़े भाई योग पर जनों द्वारा मांग किया गया है कि निष्पक्ष जांच की जाए मेरे भाई की हत्या हुई आत्महत्या नहीं किया 28 अप्रैल को होने वाली थी शादी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के परशुरामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत केशवपुर में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान महेश सिंह (24 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय बजरंग सिंह निवासी केशवपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि महेश अपने तीन भाइयों में सबसे बड़े थे और उनका विवाह अने वाले 28 अप्रैल को होना तय था।मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार की सुबह जब कुछ ग्रामीण शौच के लिए खेत की ओर गए, तो उन्होंने गांव के बाहर बांध के समीप स्थित सहतूत के पेड़ पर एक युवक को लटका देखा। पास जाकर पहचान करने पर पता चला कि शव महेश सिंह

का है। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए।मृतक के भाई जय सिंह ने आरोप लगाया कि महेश की हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया गया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, गांव में भी इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं और अधिकांश लोग इसे आत्महत्या न मानकर हत्या की आशंका जता रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

पंचायत भवन में पंचायत सहायिका ने फांसी लगाई, संदिग्ध मौत, फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी

सुल्तानपुर - गोसाईगंज थाना क्षेत्र के वैदहा गांव में बुधवार दोपहर एक पंचायत सहायिका की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला का शव पंचायत भवन के अंदर फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका की पहचान 27 वर्षीय रीता देवी के रूप में हुई है, जो वैदहा पंचायत भवन में पंचायत सहायक के पद पर कार्यरत थीं। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। पुलिस के अनुसार, महिला कुछ समय से तनाव में थी, हालांकि मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। रीता देवी जनवरी से अपने मायके में रह रही थीं। बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे उनका भाई उन्हें कुछ कागजात देने आया था, तब वह जीवित थीं। जब ढाई बजे तक वह घर नहीं लौटीं, तो उनकी मां ने बेटे शेषराम को भेजा। शेषराम ने कमरा खुला पाया और रीता को पंखे से लटका हुआ देखा। घटना की सूचना मिलने पर एसडीएम जयसिंहपुर प्रभात सिंह, सीओ जयसिंहपुर आरके चतुर्वेदी, तहसीलदार जयसिंहपुर मयंक मिश्रा सहित गोसाईगंज और जयसिंहपुर पुलिस भी मौके पर पहुंची।

बीआरसी उतरौला में सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान, भावपूर्ण विदाई में छलके जज्बात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उतरौला (बलरामपुर)- बीआरसी उतरौला परिसर में सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पूर्व माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षक संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें शिक्षकों के योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) सुनीता वर्मा तथा मुख्य आयोजक शिक्षक नेता ब्रजेश चौधरी रहे। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक मकसूद अहमद, तजम्मुल हसन, दिनेश श्रीवास्तव, सुप्यारी देवी, राधा गुप्ता, गिरजा शंकर गुप्ता, छेदीराम जायसवाल, रोबीन सिद्दीकी, राम रंग वर्मा, शेषराम, राम जियावन मिश्रा, राम कुबेर मिश्रा, आदित्यनाथ मिश्र, अली हैदर रिजवी सहित वर्तमान व पूर्व में सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों को अंगवस्त्र, छाता एवं धार्मिक ग्रंथ भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सुनीता वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षकों का जीवन समाज सेवा को समर्पित होता है। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों को

दीर्घकालीन सेवाओं के लिए बधाई देते हुए उनके सुखद एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि शिक्षक कभी वास्तव में सेवानिवृत्त नहीं होते, वे जीवनभर अपने ज्ञान और अनुभव से समाज को दिशा देते रहते हैं।

वहीं मुख्य आयोजक ब्रजेश चौधरी ने शिक्षकों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि गुरु ही समाज के निर्माण की आधारशिला होते हैं। उन्होंने द्रोणाचार्य और अर्जुन का उदाहरण देते हुए कहा कि महान गुरु वही होता है, जिसका शिष्य भी महान बने। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों के कार्यों को अनुकरणीय बताते हुए उनसे प्रेरणा लेने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान कई वक्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए और शिक्षकों के योगदान को याद करते हुए भावुक क्षण भी देखने को मिले। पूरे समारोह में सम्मान, अपनापन और कृतज्ञता का माहौल बना रहा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक रत्नदीप श्रीवास्तव एवं एआरपी जीतेन्द्र श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर निधि शर्मा, विक्रम सिंह, आमिर आमरी, शबीह अहमद, मुन्ना बाबू, विजय सोनकर, हामिद चौधरी, श्याम लाल, कृष्ण कुमार, आलोक श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सेवानिवृत्त शिक्षकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके द्वारा दिए गए योगदान को सदैव याद रखने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त खबरें

उचित दर विक्रेताओं ने खोला मोर्चाः जूट बोरा लाभांश न मिलने पर जताई नाराजगी

लखनऊः उत्तर प्रदेश के राशन डीलरों (उचित दर विक्रेताओं) ने सरकार द्वारा जूट बोरा लाभांश (Jute Bag Margin) का भुगतान न किए जाने पर गहरा रोष व्यक्त किया है। 'ऑल इण्डिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन, उ0प्र0' ने इस संबंध में प्रमुख सचिव, खाद्य एवं रसद विभाग को पत्र लिखकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया है।

भुगतान में देरीः एसोसिएशन का कहना है कि वर्तमान निर्देशों के अनुसार, विक्रेता मार्च और अप्रैल 2026 के खाली जूट बोरे ब्लॉक गोदामों में जमा कर रहे हैं। हालांकि, मार्च 2026 के जमा किए गए बोरों का भुगतान अभी तक नहीं हुआ है। विक्रेताओं में असंतोषः भुगतान न होने के कारण डीलरों में भारी नाराजगी है। उन्हें डर है कि पूर्व की भांति इस बार भी उनके लाभांश का भुगतान रोक दिया जाएगा।

कार्य पर प्रभावः लाभांश न मिलने के कारण डीलरों ने अप्रैल माह के खाली बोरे जमा करने में रुचि लेना कम कर दिया है, जिससे विभागीय प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। एसोसिएशन की मांगः संगठन ने प्रमुख सचिव से अनुरोध किया है कि मार्च 2026 के जूट बोरा लाभांश के तत्काल भुगतान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाए, ताकि भविष्य में विक्रेता सुचारू रूप से अपना कार्य जारी रख सकें। यह पत्र प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी और प्रदेश महासचिव अशोक सिंह के नेतृत्व में जारी किया गया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि यदि समय पर भुगतान नहीं हुआ तो विक्रेताओं का मनोबल गिरेगा।

जनगणना हेतु मोहनलालगंज में दी गई ट्रेनिंग

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में जनगणना 2027 के अंतर्गत गणना हेतु नगर पंचायत मोहनलालगंज कार्यालय के प्रांगण में प्रगणक एवं सुपरवाइजर प्रशिक्षण का कार्यक्रम विगत 21 अप्रैल से प्रारंभ हो चुका है जहां पर लगातार दो चरणों में 27 अप्रैल तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन दोनों चरणों में मोहनलालगंज क्षेत्र के विविध विभाग के कर्मचारी सम्मिलित हुए जिसमें महिला और पुरुष दोनों शामिल थे। यह कार्यक्रम लगातार 6 दिनों तक चलेगा, प्रशिक्षण के दौरान प्रथम चरण में मकान की गणना के बारे में बताया गया । हाउस लिस्टिंग ऐप (एचओएल) ऐप के माध्यम से मकान की गणना करने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान अध्यक्ष राजेश कुमार मोहनलालगंज, अधिशासी अधिकारी अंकिता देवी के साथ कार्यालय के समस्त स्टाफ मौके पर मौजूद थे। जिन्होंने प्रगणक एवं सुपरवाइजर की जनगणना समस्याओं को सुन उनका समाधान भी निकाला गया।

दगा दे गया दूल्हा, बारात का इंतज़ार करती रही दुल्हन

खुलासे ने तोड़ दिए सारे सपने,शहनाई की जगह पसरा सन्नाटा

लालगंज (रायबरेली)। सरेनी के रासीगांव में एक परिवार की खुशियां चंद घंटों में मातम में बदल गईं। जहां शहनाई गूंजनी थी, वहां अब सन्नाटा पसरा हुआ है। सजी-धजी दुल्हन चौखट पर बैठी पूरी रात बारात का इंतज़ार करती रही। उसकी नजरें बार-बार उस रास्ते पर टिक जातीं, हर आहट पर उसे लगता कि बारात आ गई... लेकिन रात गुजर गई और इंतजार अधूरा ही रह गया। गेस्ट हाउस में सजे मंडप, माला और खाली पड़ी कुर्सियां उस अधूरी शादी की खामोश गवाही दे रही हैं। मेहमानों के बीच सन्नाटा है और रिश्तेदारों के चेहरों पर कई सवाल तैर रहे हैं। जब सच्चाई सामने आई कि दूल्हा पहले ही किसी और से शादी कर चुका है, तो पूरे परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। दुल्हन की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे। भाई ने बताया कि उन्होंने अपनी हैसियत से बढ़कर शादी की तैयारी की थी और करीब 10 लाख रुपये खर्च कर दिए थे। परिवार का कहना है कि यह सिर्फ पैसों का नुकसान नहीं, बल्कि भरोसे के टूटने का गहरा घाव है। परिजन बार-बार बेटी को संभालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सदमे की स्थिति साफ झलक रही है। गांव के लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं और इसे बेटी के साथ बड़ा अन्याय बता रहे हैं। फिलहाल पीड़ित परिवार न्याय की आस में है। दुल्हन ने सरेनी कोतवाली में तहरीर दे दी है। प्रभारी निरीक्षक रमेश चंद्र यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

थाने के सामने से रातों-रात उखाड़ा गया महाराजा मलिहा पासी स्मृति द्वार, प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल, मलिहाबाद में दिनभर उबाल पर रहा माहौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊः मलिहाबाद क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जिसने न केवल स्थानीय लोगों बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। थाने से महज 10 मीटर की दूरी पर स्थापित महाराजा मलिहा पासी स्मृति द्वार को अज्ञात लोगों द्वारा रातों-रात उखाड़कर गायब कर दिया गया। यह घटना उस स्थान पर हुई जहां सुरक्षा के लिहाज से सबसे अधिक सतर्कता अपेक्षित होती है, लेकिन इसके बावजूद पुलिस प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी, जिससे लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। जानकारी के अनुसार यह स्मृति द्वार क्षेत्र की मौजूदा विधायक जयदेवी कौशल द्वारा लगवाया गया था, जो पासी समाज के लिए गर्व और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। जैसे ही सुबह लोगों को इस द्वार के गायब होने की जानकारी मिली, क्षेत्र में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। घटना से आहत पासी समाज के लोगों में गुस्सा साफ तौर पर दिखाई दिया और उन्होंने तत्काल विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

प्रदर्शन धीरे-धीरे व्यापक रूप लेता गया और पूरे दिन मलिहाबाद का माहौल गरमाया रहा। विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे और इस घटना की कड़ी निंदा की। सुहेलदेव आर्मी के चीफ योगेश पासी, लाखन आर्मी के चीफ सूरज पासी, रूकपार्टी के आर.के. आदर्श सहित कई प्रमुख लोग प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके अलावा बीजेपी के पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, आशु किशोर और ब्लॉक प्रमुख मीनू वर्मा ने भी मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत करने का प्रयास किया और प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की। प्रशासन की ओर से इस मामले में सफाई दी गई कि जिस कंपनी ने स्मृति द्वार का निर्माण कराया था, उसका भुगतान अभी तक पूरा नहीं किया गया था। इसी कारण कंपनी ने रात में आकर द्वार को उखाड़ लिया। हालांकि यह दलील लोगों के गले नहीं उतर रही है। लोगों का कहना है कि यदि भुगतान का मामला था तो इसे कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत सुलझाया जाना चाहिए था, न कि चोरी-छिपे इस तरह की कार्रवाई की जाती। साथ ही यह भी सवाल उठ रहा है कि इतनी संवेदनशील जगह पर बिना किसी अनुमति के इतनी बड़ी संरचना को कैसे हटाया जा सकता है।

घटना ने सामाजिक एकजुटता की भी एक मिसाल पेश की, जब ब्राह्मण समाज के शुभम पंडित ने खुलकर पासी समाज के समर्थन में आवाज उठाई। इससे यह स्पष्ट हुआ कि यह मामला केवल एक समाज तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि व्यापक स्तर पर लोगों की भावनाएं इससे जुड़ गई हैं। वहीं कुछ अन्य समाज के लोगों द्वारा पहले से इस स्मृति द्वार का विरोध किए जाने की बात भी सामने आई है, जिससे मामले ने और अधिक तूल पकड़ लिया है।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पासी समाज के संगठनों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक महाराजा मलिहा पासी स्मृति द्वार को पुनः स्थापित नहीं किया जाता और इस घटना के जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने लोगों को आश्वासन दिया है कि शाम तक स्मृति द्वार को दोबारा स्थापित कर दिया जाएगा और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। फिलहाल इलाके में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। यह घटना न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि संवेदनशील मुद्दों को समय रहते संभालना कितना आवश्यक है। अब सभी की निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं कि वह इस पूरे मामले को किस तरह सुलझाता है और लोगों का भरोसा दोबारा जीत पाता है या नहीं।

5 साल से केजीएमयू में सक्रिय था फर्जी डॉक्टर हस्साम, 2023 में हुई थी पिटाई; पूछताछ में हुए चौंकाने वाले खुलासे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

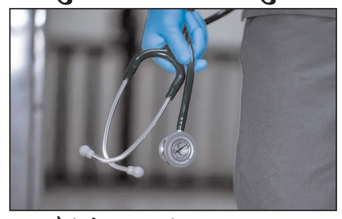

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) से पकड़े गए खुद को एमबीबीएस डॉक्टर बताने वाले हस्साम अहमद से पुलिस की पूछताछ में कई राजफाश हुए हैं। पूछताछ में उसने बताया कि वह 2021 से संस्थान परिसर में सक्रिय था। वह इसी बैच का एमबीबीएस पास आउट होने का दावा करता था। मरीजों को चिकित्सकों से ओपीडी में दिखाने के नाम पर दो हजार रुपये तक वसूल लेता था। 2023 में उसे कुछ लोगों ने पीटा था। उसके पास से पुलिस को एक मोबाइल फोन, एक आईपैड मिला है। पुलिस अब सीडीआर की मदद से जांच कर रही है। सिद्धार्थ नगर के मोहाना स्थित ककरावा निवासी मोहम्मद हस्साम मड़ियांव के अजीज नगर में अपनी चचेरी अप्पी के घर में रहता था। 13 अप्रैल 2026 को उसने सर्जरी विभाग के प्रोफेसर व डीन पैरामेडिकल डॉ. केके सिंह के फर्जी हस्ताक्षर से एक नोटिस जारी की थी। इसमें एमबीबीएस 2023 बैच के विद्यार्थियों को 29 अप्रैल को एम्स दिल्ली में होने वाली एक कान्फ्रेंस में शामिल होने का निर्देश दिया गया था। जांच में नोटिस फर्जी पाया गया तो उसकी गतिविधियों पर शक गया। इसी के बाद फर्जीवाड़ा सामने आया। बुधवार को चौक पुलिस ने लंबी पूछताछ के बाद आरोपित को जेल भेज दिया। पूछताछ में उसने बताया कि 2021 से वह संस्थान में डॉक्टर बनकर घूमता था। सफेद एप्रन, आला पहनकर वह संस्थान के किसी भी विभाग में पहुंचता फिर उन मरीजों को निशाना बनाता जो गंभीर होते थे। डॉक्टर को दिखाने के नाम पर वह प्रत्येक मरीज से पांच सौ से दो हजार रुपये तक वसूलता। 2023 में शक होने पर केजीएमयू परिसर में उसकी पिटाई हुई थी। उसे संस्थान से भगा दिया गया, लेकिन कुछ दिनों बाद दोबारा उसने वही काम शुरू कर दिया। लंबे समय से संस्थान में गैर कानूनी रूप से घूमने के बावजूद उसके बारे में किसी को कुछ पता नहीं चला, इससे संस्थान की आंतरिक सुरक्षा और चौकसी पर भी सवाल उठ रहा है। पुलिस को उसके पास से मिले मोबाइल और आईपैड से कई जानकारियां मिली हैं। जांच में कई चिकित्सकों से उसकी चैटिंग मिली है। हस्साम के मोबाइल नंबर की सीडीआर भी निकलवाई जा रही है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम कमलेश दीक्षित ने बताया कि आरोपित को जेल भेजा गया है। अन्य बिंदुओं पर जांच जारी है।

हस्साम ने कई एनजीओ बनाई थी और इन की आड़ में मरीजों से संपर्क साधता था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में उसकी चार एनजीओ होने की बात पता चली है। एनजीओ को विदेशी फंडिंग की भी आशंका है। केजीएमयू के हर विभाग में उसका दखल था। एक विभाग के तकनीशियन की मिलीभगत की आशंका भी जताई जा रही है। उधर, मंगलवार रात पुलिस ने उसे हिरासत में लिया था। बैरक में उसने खाना खाने से इंकार किया।

विश्व पृथ्वी दिवस पर भरवारा एसटीपी में पौधरोपणः हरियाली बढ़ाने को सुएज का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर भरवारा स्थित 345 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) में 'वन सिटी, वन ऑपरेटर' पहल के अंतर्गत कार्य कर रही संस्था सुएज ने आइवा के साथ मिलकर पौधरोपण किया। इस दौरान परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। विश्व पृथ्वी दिवस हर वर्ष 22 अप्रैल को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह दिन लोगों को यह संदेश देता है कि प्लास्टिक के उपयोग को कम करें और अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पृथ्वी को सुरक्षित बनाएं। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए सुएज द्वारा यह पहल की गई। सुएज लखनऊ में सस्टेनेबिलिटी को लेकर अत्यंत सजग है और भरवारा एसटीपी परिसर को हरा-भरा बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासरत है। कंपनी द्वारा समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जाता है। इस अवसर पर परियोजना निदेशक राजेश मठपाल ने कहा, 'पृथ्वी दिवस हमें पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराता है। सुएज सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। पौधरोपण जैसे छोटे प्रयास भी आने वाले समय में बड़े सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। हमारा उद्देश्य केवल संचालन तक सीमित नहीं, बल्कि प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी करना भी है। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि यदि प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण की दिशा में छोटे-छोटे कदम उठाए, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्वच्छ भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है।

पैदल मार्च कर पुलिस ने दिया सुरक्षा का भरोसा

लालगंज (रायबरेली)। नगर में बुधवार को पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पैदल मार्च निकाला। इंस्पेक्टर क्राइम अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिसकर्मी सड़कों पर उतरे। पुलिस ने लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। मार्च बेटा चौराहा से शुरू होकर आचार्य नगर रोड होते हुए नई बाजार तक पहुंचा। इस दौरान पुलिस टीम ने बाजार और प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया।पुलिसकर्मियों ने नागरिकों से संवाद किया। लोगों से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। इंस्पेक्टर ने कहा कि नगर की शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है। इसके लिए पुलिस हर समय सक्रिय है। मार्च के दौरान दुकानदारों और राहगीरों ने भी पुलिस से बातचीत की। लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संतोष जताया। इस मौके पर सब इंस्पेक्टर नितिन मलिक, रणजीत कुमार, वीरेंद्र यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

महमूदाबाद में ट्रैफिक सिस्टम फेल, जाम अतिक्रमण और डायवर्जन से शहर बेहाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर शहर की यातायात व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह चरमराई हुई है। महमूदाबाद बस स्टैंड, रामकुंड चौराहा और महिला अस्पताल के आसपास हालात इतने खराब हो चुके हैं कि लोगों का पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। आए दिन लगने वाले भीषण जाम ने स्थानीय नागरिकों, मरीजों और यात्रियों की परेशानी कई गुना बढ़ा दी है। हाल ही में रोडवेज बस स्टेशन के पास महिला अस्पताल के निकट घंटों लंबा जाम लगा रहा। स्थिति इतनी गंभीर थी कि वाहन तो दूर, पैदल निकलना भी चुनौती बन गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो पत्रकार अंजू सिंह द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किया गया, जिसमें प्रशासन की निष्क्रियता साफ नजर आई। बस स्टैंड और प्रमुख चौराहों पर अवैध ठेले और कब्जों ने सड़कें संकरी कर दी हैं।

रोडवेज के पास प्राइवेट बस और टैक्सी स्टैंड सड़क पर ही संचालित हो रहे हैं, जिससे ट्रैफिक बाधित होता है। पहले हटाए गए अतिक्रमण फिर से लौट आए हैं, जिससे हालात जस के तस बने हुए हैं। नगर पालिका और तहसील प्रशासन पर आरोप है कि वे केवल औपचारिक कार्रवाई तक सीमित हैं। अतिक्रमण हटाने के नाम पर दिखावटी कार्रवाई जाम नियंत्रित करने में नाकामी

पुलिस तैनाती के बावजूद ट्रैफिक कंट्रोल नहीं

यहां तक कि एक पूर्व EO का जाम को लेकर 'बेबसी' वाला बयान भी वायरल हो चुका है, जो व्यवस्था की पोल खोलता है। बाराबंकी-बहराइच हाईवे (NH-927) पर घाघरा नदी के संजय सेतु (रामनगर) की मरम्मत के चलते 16 अप्रैल 2026 से भारी वाहनों का रूट डायवर्ट किया गया है।

चहलारी घाट और अन्य मार्गों से गुजरते ट्रक अब महमूदाबाद की सड़कों पर आ रहे हैं संकरी सड़कों पर भारी वाहनों का दबाव कई गुना बढ़ गया है कई बार एंबुलेंस जाम में फंस रही हैं, जिससे मरीजों की जान खतरे में पड़ रही है

बाजार में खरीदारी और आवाजाही मुश्किल हो गई है

व्यापारियों और आम लोगों में भारी नाराजगी

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब तक प्रशासन, नगर पालिका और पुलिस मिलकर ठोस और स्थायी योजना नहीं बनाते, तब तक यह समस्या और विकराल होती जाएगी। अब बड़ा सवाल यही है- क्या जिम्मेदार अधिकारी जागेंगे या महमूदाबाद यूं ही जाम में जूझता रहेगा?

लखनऊ में चॉकलेट दिलाने के बहाने अधेड़ ने पांच साल की बच्ची से की छेड़छाड़, गिरफ्तार

लखनऊ। महानगर पुलिस ने पांच वर्षीय बच्ची को चाकलेट दिलाने के बहाने सुनसान जगह ले जाकर छेड़छाड़ करने वाले 56 वर्षीय आरोपित को गिरफ्तार किया है। बुधवार को पुलिस ने उसे जेल भेज दिया। एक कालोनी निवासी महिला ने मंगलवार को थाने में तहरीर देकर बताया कि अकबरनगर बंधा स्थित सचिवालय कालोनी निवासी छेदीलाल उनकी पांच वर्षीय बेटी को चाकलेट दिलाने के बहाने अपनी स्कूटी पर बैठा ले गया। तिकोनिया पार्क के पास एक झोपड़ी में बनी कपड़े प्रेस करने वाली दुकान के अंदर ले जाकर उसने बेटी के साथ अश्लीलता की और निजी अंगों को गलत नीयत से छुआ। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। बेटी ने रोना शुरू किया तो आरोपित उसे वापस घर के पास छोड़ गया। किसी तरह बेटी घर पहुंची। उसे गुमसुम देखा तो मां ने कारण पूछा। कई बार पूछने पर उसने पूरी घटना बताई। यह सुनकर परिवारजन के होश उड़ गए। उन्होंने महानगर थाने में आरोपित के खिलाफ पॉक्सो समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। अतिरिक्त निरीक्षक प्रदीप सिंह ने बताया कि छेदीलाल को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर जागरूकता शिविर का आयोजन संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेलीः- उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के निर्देशानुसार व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनिशा के दिशा-निर्देशन में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर राजकीय इण्टर कालेज रायबरेली में विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर मे डिप्टी लीगल एड डिफेन्स काउंसिल जय सिंह यादव के द्वारा उपस्थित छात्रों को निःशुल्क विधिक सहायता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यो के सम्बन्ध में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया गया कि पृथ्वी दिवस पर हम लोगों को ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए जिससे पर्यावरण संतुलित रहे यह हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। उक्त अवसर पर पराविधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि पर्यावरण को कैसे बचाया जाए उपस्थित छात्र-छात्राओं को बताया गया पृथ्वी दिवस हर साल 22 अप्रैल को मनाए जाने वाला एक वैश्विक आयोजन है जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है इसकी शुरुआत 1970 में हुई थी पृथ्वी दिवस 2026 की थीम है हमारी शक्ति हमारा ग्रह यह थीम स्वच्छ ऊर्जा को तेज करने और सामुदायिक स्तर पर समाधानों को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है जो जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक कार्रवाई पर जोर देती है।

इस कार्यक्रम में राजकीय इंटर कॉलेज के उप प्रधानाचार्य प्रत्यूष श्रीवास्तव, अध्यापक गण डॉ हरिओम त्रिपाठी, प्रीतम कुमार, दिव्य प्रकाश श्रीवास्तव, धर्मेंद्र शुक्ला द्वारा भी उपस्थित छात्र-छात्राओं को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जानकारी प्रदान की गयी। उक्त जागरुकता कार्यक्रम में पराविधिक स्वयंसेवक मनोज कुमार प्रजापति व भारी संख्या में स्कूली छात्र-छात्रा मौजूद रहे। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जनपद रायबरेली की तहसील महाराजगंज, लालगंज, सलोन, डलमऊ, ऊंचाहार वह जनपद अमेठी की तहसील तिलोई में भी विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यूपी में सात मई से शुरू होगी स्वगणना, 22 से फील्ड में उतरेंगे 5.27 लाख कर्मी

- 7 मई से 21 मई तक स्वगणना की सुविधा रहेगी।

22 मई से 5.27 लाख कर्मी फील्ड में उतरेंगे।

एचएलबीसी पोर्टल पर जिलों की मैपिंग जारी है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। जनगणना 2027 के लिए प्रदेश में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सात मई से 21 मई तक लोगों को स्वगणना की सुविधा रहेगी। इसके बाद 22 मई से 20 जून के बीच पहले चरण में घरों की गणना व सीमांकन के लिए करीब 5.27 लाख प्रगणक और सुपरवाइजर फील्ड में उतरेंगे। इससे पहले एचएलबीसी (हाउस लिस्टिंग ब्लाक क्रिएटर) पोर्टल पर जिलों की मैपिंग पूरी होने वाली है।

इस पोर्टल के जरिये घर- घर की गणना के लिए मकानों के डिजिटल ब्लाक बनाए जा रहे हैं, उनकी सीमाएं तय की जा रही हैं और नक्शे तैयार किए जा रहे हैं। शेष मैपिंग कार्य अगले दो दिनों में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने बुधवार को मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर जनगणना की निगरानी के लिए जनगणना प्रबंधन और निगरानी (सीएमएमएस) पोर्टल के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया।

उन्होंने स्वगणना को बढ़ावा देने, जिलों में वाट्सएप समूह बनाकर समस्याओं का तुरंत समाधान करने और संसाधनों के बेहतर उपयोग के निर्देश दिए। साथ ही प्रशिक्षण, फील्ड विजिट और बैठकों की जानकारी सार्वजनिक करने और हैशटैग के उपयोग की भी बात कही। जिला जनगणना सेल को एनआईसी और डीईएसटीओ के साथ मिलकर कंट्रोल रूम के रूप में सक्रिय करने के निर्देश दिए गए हैं। शहरी क्षेत्रों में स्वगणना बढ़ाने और कम भागीदारी वाले क्षेत्रों में हेल्पलाइन शुरू करने को कहा गया है।

निदेशक जनगणना शीतल वर्मा के अनुसार, 31 जिलों में मैपिंग का काम पूरी तरह पूरा हो चुका है। 33 जिलों में यह 98 से 99.99 प्रतिशत तक, सात जिलों में 90 से 98 प्रतिशत, दो जिलों में 80 से 90 प्रतिशत और दो जिलों में 80 प्रतिशत से कम पूरा हुआ है। नेशनल, मास्टर और फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। अब लगभग 5.27 लाख प्रगणक और सुपरवाइजर्स का प्रशिक्षण पांच मई तक चलेगा। पहले चरण में नियुक्ति, प्रशिक्षण और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी एसडीएम को दी गई है, जबकि स्वगणना की रणनीति सीडीओ और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट की देखरेख में तैयार की जा रही है।

देवरिया में जिला कार्यक्रम प्रबंधक की रहस्यमयी मौत, सड़क किनारे खड़ी कार में अचेत मिले

देवरिया। डीपीआरओ कार्यालय में जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) की बुधवार की देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। वह चीनी मिल मैदान के समीप कार में अचेत पड़े थे। शीशा तोड़कर बाहर निकालकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बरहज थाना क्षेत्र के दुबौली गांव के रहने वाले 40 वर्षीय जितेंद्र दुबे शहर के उमा नगर मोहल्ले में परिवार के साथ किराये के मकान में रहते थे। शाम करीब छह बजे वह कार्यालय से घर जाने के लिए कार से निकले।

चीनी मिल मैदान के पास उन्होंने सड़क किनारे कार खड़ी कर दी और काफी देर तक उसी में बैठे रहे। लंबे समय तक कोई गतिविधि न दिखने पर आसपास के दुकानदारों को संदेह हुआ व उन्होंने रात करीब साढ़े आठ बजे पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। कार का शीशा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला गया व तत्काल मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। क्षेत्राधिकारी सदर संजय कुमार रेड्डी ने आसपास के लोगों से पूछताछ की व घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। उधर, सूचना मिलते ही स्वजन भी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। सीओ ने बताया कि मृत्यु के कारणों का स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

यूपी RTE में 1.95 लाख में सिर्फ 56 प्रतिशत हुआ एडमिशन, DM को 25 अप्रैल तक प्रवेश कराने का निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में गरीब और वंचित बच्चों को निजी स्कूलों तक पहुंच दिलाने वाली आरटीई एक्ट (निश्शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम) की प्रगति धीमी नजर आ रही है। 1.95 लाख से अधिक सीटें आवंटित होने के बावजूद अब तक सिर्फ 56 फीसदी बच्चों का ही दाखिला हो पाया है। इस पर शासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी जिलाधिकारियों को 25 अप्रैल तक हर हाल में 100 प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित कराने का अल्टीमेटम दे दिया है।

इस शैक्षणिक सत्र में अलाभित समूह और दुर्बल वर्ग के कुल 1,95,740 बच्चों को गैर सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों की कक्षा एक और पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं में दाखिले के लिए सीटें आवंटित की गई थीं। 20 अप्रैल तक प्रवेश की अंतिम तिथि निर्धारित होने के बावजूद अब तक केवल 1,08,866 बच्चों (56 प्रतिशत) का ही दाखिला हो सका है। यह आंकड़ा शासन के लक्ष्य से काफी पीछे है, जिससे विभाग में चिंता बढ़ गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बुधवार को सभी जिलाधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने कहा है कि जिलाधिकारी व्यक्तिगत स्तर पर इस प्रक्रिया की निगरानी करें और संबंधित अधिकारियों के माध्यम से सुनिश्चित करें कि 25 अप्रैल तक सभी आवंटित बच्चों का प्रवेश हर हाल में पूरा हो जाए। वहीं, दाखिले की प्रगति पर लगातार नजर रखी जा रही है। मुख्य सचिव स्तर से भी इसकी नियमित समीक्षा की जा रही है, ताकि किसी भी तरह की बाधा को तुरंत दूर कर प्रवेश प्रक्रिया को तेज किया जा सके।

पुस्तकें: भीतर की दुनिया को समझने और बदलने का माध्यम

पुस्तकें: जो अकेलेपन को भी अपना बना लेती हैं

शब्दों से परे एक दुनिया: जहाँ विचार जीवंत हो उठते हैं

ज्ञान की सबसे प्रखर रोशनी दीपक से नहीं, खुले पन्नों से निकलती है। विचारों के शोर में भटकता मन जब ठहराव चाहता है, तब पुस्तक भीतर नई दुनिया का द्वार खोल देती है। 23 अप्रैल इसी अद्भुत संसार को समर्पित दिन है, जब पुस्तकें केवल वस्तु नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली शक्ति के रूप में सम्मानित होती हैं। यह स्मरण कराता है कि शब्द केवल भाषा नहीं, बल्कि सभ्यता की धड़कन और युगों का अनुभव हैं। हर पुस्तक अनुभव, संघर्ष और कल्पना का दस्तावेज है, जो समय से परे जाकर पीढ़ियों से संवाद करती रहती है। इसी कारण यूनेस्को ने 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस घोषित किया, क्योंकि इसी दिन शेक्सपियर और सर्वेंटेस का निधन हुआ था।

पठन केवल आँखों से किया जाने वाला क्रिया नहीं, बल्कि मन और मस्तिष्क की गहराइयों में उतरती एक निरंतर यात्रा है। जैसे-जैसे कोई व्यक्ति पन्नों को पलटता है, वैसे-वैसे वह अपने भीतर भी नई परतों को खोजता चलता है। साहित्य, विज्ञान, इतिहास या दर्शन–प्रत्येक विधा अपने भीतर एक संपूर्ण ब्रह्मांड समेटे होती है। पुस्तकें हमें उन स्थानों तक पहुँचा देती हैं जहाँ हमारा भौतिक अनुभव सीमित होता है, और उन विचारों से परिचित कराती हैं जिनकी कल्पना तक पहले संभव नहीं होती। इसी कारण पठन केवल ज्ञान का विस्तार नहीं करता, बल्कि सोचने की क्षमता को व्यापक बनाता है और दृष्टिकोण को गहराई एवं परिपक्वता प्रदान करता है।

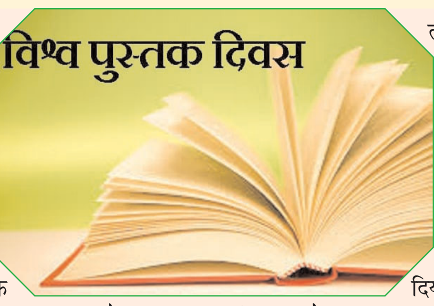

पुस्तकें अकेलेपन को भी भीतर से भर देती हैं और मौन को भी एक जीवंत संवाद में बदल देती हैं। जब बाहरी दुनिया थम जाती है, तब उनके शब्द मन के भीतर एक नई, तीव्र और स्पष्ट आवाज़ रचते हैं। वे कभी हमारी ही अनुभूतियों को पहचान देती हैं और कभी उन अनकहे प्रश्नों के उत्तर बन जाती हैं, जिन्हें हम स्वयं भी ठीक से नहीं कह पाते। किसी कथा का पात्र अचानक प्रेरणा का स्रोत बन जाता है, तो कोई विचार जीवन की दिशा ही मोड़ देता है। इसी कारण पढ़ना केवल आदत नहीं रह जाता, वह भीतर उतरने और स्वयं को नए रूप में देखने की यात्रा बन जाता है। पुस्तकों के साथ बीता हर क्षण आत्म-खोज का अवसर होता है। मुंशी प्रेमचंद की 'गोदान' में ग्रामीण भारत के किसान होरी के संघर्ष का ऐसा सजीव चित्रण मिलता है कि वह केवल कहानी नहीं रह जाती, बल्कि सामाजिक यथार्थ और अन्याय के प्रति पाठक के भीतर गहरी संवेदना जगा देती है।

आज का युग पठन को एक नए विस्तार तक ले गया है। ज्ञान अब केवल पुस्तकालयों की सीमाओं में बंद नहीं रहा, बल्कि डिजिटल माध्यमों ने उसे हर व्यक्ति की पहुँच तक पहुँचा दिया है। मोबाइल स्क्रीन, ई-पुस्तकें और श्रव्य पुस्तकें ज्ञान के सहज और आधुनिक स्रोत बन गई हैं। इस बदलाव ने पढ़ने को अधिक सरल, लचीला और समय के अनुकूल बना दिया है। अब व्यक्ति यात्रा में, विश्राम के क्षणों में या रात्रि की शांति में भी अध्ययन कर सकता है। तकनीक ने पुस्तकों को समाप्त नहीं किया, बल्कि उन्हें नए रूपों में फिर से जीवंत कर दिया है, जिससे पठन और अधिक व्यापक व प्रभावी हो गया है।पठन का प्रभाव व्यक्ति की सीमाओं से आगे बढ़कर पूरे समाज की चेतना को आकार देता है। जैसे-जैसे लोग पढ़ते हैं, वैसे-वैसे उनकी समझ गहरी होती जाती है और वे अधिक संवेदनशील, विवेकशील तथा विचारशील बनते हैं। पुस्तकों के माध्यम से विविध संस्कृतियों, विचारधाराओं और जीवनशैलियों को समझने का अवसर मिलता है, जिससे समाज में सहिष्णुता और स्वीकार्यता की भावना मजबूत होती है। एक पढ़ा-लिखा समाज जल्दबाज़ी में निर्णय नहीं लेता, बल्कि तर्क, अनुभव और समझ के आधार पर आगे बढ़ता है। इस प्रकार पुस्तकें केवल ज्ञान का विस्तार नहीं करतीं, बल्कि एक संतुलित, जागरूक और प्रगतिशील समाज की आधारशिला भी रखती हैं।

शब्दों की शक्ति जब विचारों का रूप लेकर समाज की दिशा बदलने लगती है, तब रचनाकारों का योगदान और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह दिवस उन सृजनशील लेखकों के सम्मान का अवसर है, जो अपने अनुभव, कल्पना और संवेदना को शब्दों में ढालकर नई दृष्टि प्रदान करते हैं। कॉपीराइट जैसी व्यवस्थाएँ उनकी रचनात्मकता की रक्षा करती हैं और उन्हें उनके कार्य का उचित एवं न्यायसंगत सम्मान सुनिश्चित करती हैं। डिजिटल युग में, जहाँ सामग्री का प्रसार अत्यंत तीव्र गति से होता है, वहाँ ऐसी सुरक्षा और भी आवश्यक हो जाती है। यह केवल एक कानूनी व्यवस्था नहीं, बल्कि रचनात्मकता के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी और सम्मान का प्रतीक है।

पुस्तकें जीवन के हर चरण में समान रूप से साथ निभाने वाली सच्ची मार्गदर्शक होती हैं। बाल्यावस्था में वे कल्पना को पंख देती हैं, युवावस्था में लक्ष्य और दिशा प्रदान करती हैं, और वृद्धावस्था में स्मृतियों एवं अनुभवों को फिर से जीवंत कर देती हैं। गाँव हो या शहर, समृद्ध परिवेश हो या साधारण जीवन–पुस्तकों की पहुँच सभी के लिए समान अवसर का द्वार खोलती है। वे यह बोध कराती हैं कि जीवन केवल जीने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि उसे समझने, जानने और निरंतर सीखते रहने की यात्रा है। पठन मनुष्य को भीतर से सशक्त बनाता है और कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, आत्मबल तथा आशा बनाए रखने की क्षमता प्रदान करता है।

पुस्तकों का महत्व किसी सीमा में नहीं बाँधा जा सकता, क्योंकि वे समय से परे जाकर मनुष्य के भीतर ज्ञान और चेतना का निरंतर विस्तार करती रहती हैं। हर पृष्ठ एक नई दृष्टि और नया विचार देता है, जो जीवन को अधिक अर्थपूर्ण और संतुलित बनाता है। पठन व्यक्ति को केवल सूचनाएँ नहीं देता, बल्कि उसे भीतर से अधिक जागरूक, विचारशील और संवेदनशील बनाता है। 23 अप्रैल का यह दिन हमें स्मरण कराता है कि पुस्तकें जीवन की सच्ची मार्गदर्शक हैं, जो हमारी सोच को विस्तार देती हैं और अस्तित्व को समृद्ध करती हैं। इसलिए पठन को केवल एक आदत नहीं, बल्कि जीवन का अनिवार्य और सतत हिस्सा बनाना चाहिए।

कृति आरके जैन

इलाज का बोझ

किसी लोक कल्याणकारी सरकार का पहला दायित्व बनता है कि वो अपने नागरिकों के लिए सस्ती व प्रभावी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये। दुनिया के तमाम देशों में सरकारों के स्तर पर ऐसी नीतियां बनी हैं कि लोगों को स्वास्थ्य संकट आने पर उपचार खर्च के तनाव का रोग अलग से नहीं लेना पड़ता है। विशेषकर बुजुर्ग आबादी का विशेष ख्याल रखा जाता है। जिस उम्र में उनका शरीर क्षीण हो रहा होता है और आय के साधन न के बराबर होते हैं, सरकारी चिकित्सा का सुरक्षा कवच बड़ा संबल होता है। विडंबना यह है कि भारत में स्वास्थ्य सेवाएं गहरे विरोधाभास से जूझ रही हैं। हमारी सरकारी चिकित्सा व्यवस्था खुद बीमार है। देश में कम स्वास्थ्य बजट, राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार के चलते सरकारी अस्पतालों में सब कुछ होते हुए भी गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को गुणवत्ता का उपचार नहीं मिल पाता है। हाल ही में सामने आए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के एक नये सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश की लगभग आधी आबादी के पास किसी न किसी प्रकार का स्वास्थ्य बीमा कवर है। लेकिन विडंबना यह है कि स्वास्थ्य बीमा कवर होने के बावजूद उनकी जेब से खर्च होने वाला चिकित्सा व्यय अधिक बना हुआ है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं ने बीमा कवरेज के विस्तार को गति दी है। उल्लेखनीय है कि देश के ग्रामीण इलाकों में अब शहरी क्षेत्रों के मुकाबले बीमा कवरेज अधिक है। इसके बावजूद दुखद स्थिति यह है कि देश के करोड़ों परिवारों के लिए आज भी बीमार पड़ना गंभीर आर्थिक संकट पैदा कर देता है। वहीं दूसरी ओर, इस सर्वेक्षण ने एक स्पष्ट खामी को भी उजागर किया है कि आज भी अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक मामले के लिए मरीज के जेब से होने वाले खर्च के औसत बिल 34,000 रुपये से अधिक हैं। यह हकीकत है कि बीमा कवरेज के बाद भी मरीजों के उपचार पर होने वाला खर्च भारत के अधिकांश आम परिवारों की वहन क्षमता से कहीं अधिक है।

आखिर देश में बीमा दायरा बढ़ने के बावजूद, मरीजों पर चिकित्सा उपचार का आर्थिक बोझ लगातार क्यों बढ़ रहा है? क्या बीमा कवरेज कारोबार के लिए उत्साहित रहने वाली बीमा कंपनियों और बड़े अस्पतालों की कमाई का ही जरिया बनकर रह गया? हाल के वर्षों में इस अपवित्र गठबंधन के कई मामलों का खुलासा भी हुआ है। लेकिन नियामक तंत्र की सख्ती के अभाव में मरीजों के दोहन का यह खेल बदस्तूर जारी है। जानकार बताते हैं कि चिकित्सा उपचार की बढ़ती दर अक्सर मुद्रास्फीति से भी अधिक होती है। निस्संदेह, यह अपवित्र कारोबार मरीजों से मुनाफा कमाने वालों के मानवीय सरोकारों पर सवालिया निशान लगाता है। वैसे चिकित्सा सेवा में मुनाफा बढ़ते देख निजी स्वास्थ्य सेवाओं का दबदबा भी बढ़ा है। हाल के वर्षों में सरकारी अस्पतालों की बदहाली के चलते ज्यादातर भारतीय निजी अस्पतालों की ओर ही रुख कर रहे हैं। लेकिन वहां सरकारी अस्पतालों से कई गुना अधिक उपचार लागत होती है। कोरोना संकट में हमने देखा कि महंगे उपचार के चलते तमाम लोग गरीबी के दलदल में चले गए। दरअसल, आज हालातवश सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं वाले अस्पतालों में भर्ती होने की हिस्सेदारी घटने के साथ ही मरीजों को अनिवार्य रूप से अधिक महंगे विकल्पों की ओर धकेला जा रहा है, जिससे बीमा सुरक्षा के लाभ कम हो रहे हैं। आयुष्मान भारत जैसी प्रमुख योजनाओं का त्रुटिपूर्ण कार्यान्वयन भी एक और बाधा बनी है। वहीं देर से मिलने वाली सरकारी चिकित्सा बीमा राशि भी मरीजों के लिए किफायती सेवाओं को बाधित कर रही है। यदि इन सरकारी योजनाओं में सूचीबद्ध अस्पताल मरीजों के उपचार से पीछे हट जाते हैं तो सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित बीमा की अवधारणा खतरे में पड़ जाती है, जिससे वंचित होने से नागरिकों का उपचार अधर में लटक जाएगा। निस्संदेह, बीमा कवरेज ही काफी नहीं है, देश को अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को भी मजबूत करना होगा। साथ ही सरकारी योजनाओं के तहत समय पर भुगतान सुनिश्चित करना होगा। अन्यथा अस्पताल के बिल मजबूर लोगों की आय व बचत को पलीता लगाते रहेंगे।

संपादकीय

अधिकारों की तुलना में कर्तव्य और जिम्मेदारियां के प्रति हम ज्यादा अनभिज्ञ

(विमर्श) स्त्रियां कर्तव्यों के प्रति अधिक संवेदनशील।

महात्मा गांधी ने कहा था कि 'अधिकारों का वास्तविक स्रोत कर्तव्य है, यदि हम अपने कर्तव्यों का पालन करें, तो अधिकार अपने आप मिल जाएंगे, '

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में अधिकार और कर्तव्य के बीच संतुलन का प्रश्न केवल संवैधानिक बहस का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का आईना भी है। इसी प्रकार भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान निर्माण के समय यह स्पष्ट किया था कि 'संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे, तो वह असफल हो जाएगा,' यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है क्योंकि कानून और नियम केवल कागज़ पर नहीं, बल्कि नागरिकों की चेतना और कार्यों में जीवित रहते हैं। आज हम जिस दौर में खड़े हैं, वहाँ एक ओर जनसंख्या का विस्तार, स्त्री-पुरुष अनुपात की जटिलता और शिक्षा का असमान वितरण दिखाई देता है, वहीं दूसरी ओर अधिकारों के प्रति तीव्र आग्रह और जिम्मेदारियों के प्रति अपेक्षाकृत शिथिल उदासीनता भी स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होती है। यह विडंबना ही है कि जिस देश ने विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम् और कर्तव्य ही धर्म है जैसे विचार दिए, उसी समाज में आज अधिकारों की माँग तो प्रमुखता से अंगीकार और स्वीकार करने की चाहत रखता है, परंतु कर्तव्यों और जिम्मेदारियां के निर्वहन में परिपक्वता का अभाव एवं दुराग्रह दिखाई देता है। भारत की जनसंख्या, जो अब विश्व में शीर्षतम जनसंख्या वाले देशों में शामिल है, यहां केवल संख्या का विषय नहीं बल्कि गुणवत्ता का प्रश्न भी है यह गुणवत्ता शिक्षा, सामाजिक समझ और संवैधानिक चेतना, जागरूकता पर आधारित होती है। जब हम स्त्री-पुरुष अनुपात की बात करते हैं, तो यह केवल आंकड़ों का संतुलन नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और अवसरों की समानता का संकेतक है। किंतु जब तक दोनों ही वर्ग अपने अधिकारों के साथ- साथ अपने कर्तव्यों को समान रूप से नहीं समझेंगे, तब तक वास्तविक प्रगति अधूरी और दिवा- स्वप्न ही रहेगी। शिक्षा इस पूरे विमर्श का केंद्र बिंदु है, क्योंकि शिक्षित समाज ही अधिकार और जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित कर सकता है, परंतु भारत में शिक्षा का प्रसार अभी भी समरूप नहीं है।ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच, स्त्री और पुरुष के बीच, तथा विभिन्न आर्थिक वर्गों के बीच एक गहरी और बड़ी खाई मौजूद है। परिणामस्वरूप, एक बड़ा वर्ग अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक हो रहा है, परंतु कर्तव्यों के प्रति उसकी समझ अभी भी सीमित संकुचित है। भारतीय संविधान, जो नागरिकों को मौलिक अधिकार प्रदान करता है, उसी के साथ मौलिक कर्तव्यों की भी स्पष्ट व्याख्या करता है, किंतु व्यवहारिक जीवन में अधिकारों की चर्चा अधिक होती है और कर्तव्यों की उपेक्षा। महात्मा गांधी ने कहा था कि 'अधिकारों का वास्तविक स्रोत कर्तव्य है, यदि हम अपने कर्तव्यों का पालन करें, तो अधिकार अपने आप मिल जाएंगे,' परंतु आधुनिक समाज में यह विचार धीरे-धीरे पृष्ठभूमि में चला गया है।

इसी प्रकार डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान निर्माण के समय यह स्पष्ट किया था कि 'संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे, तो वह असफल हो जाएगा,' यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है क्योंकि कानून और नियम केवल कागज़ पर नहीं, बल्कि नागरिकों की चेतना में जीवित रहते हैं। भारत में कानूनों की कमी नहीं है सड़क सुरक्षा से लेकर महिला संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण से लेकर शिक्षा के अधिकार तक हर क्षेत्र में स्पष्ट नियम बनाए गए हैं, लेकिन उनका पालन तभी संभव है जब नागरिक स्वयं जिम्मेदारी का परिचय दें। उदाहरण के लिए, सड़क पर यातायात नियमों का उल्लंघन केवल एक व्यक्ति की गलती नहीं, बल्कि सामाजिक अनुशासन की कमी का संकेत है।इसी प्रकार, महिला सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून तब तक प्रभावी नहीं हो सकते जब तक समाज में लैंगिक संवेदनशीलता और सम्मान की भावना विकसित न हो। स्त्री-पुरुष समानता के संदर्भ में भी यह स्पष्ट है कि अधिकारों की माँग के साथ-साथ कर्तव्यों का निर्वहन भी उतना ही आवश्यक है।जहाँ महिलाएँ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रही हैं, वहीं समाज के सभी वर्गों को उनके प्रति सम्मान और सहयोग का कर्तव्य निभाना होगा। शिक्षा का स्तर बढ़ने के बावजूद यदि नैतिक शिक्षा और नागरिकता के मूल्यों का समावेश नहीं होगा, तो केवल डिग्रीधारी नागरिक तैयार होंगे, जागरूक और जिम्मेदार कर्तव्य निस्ट नागरिक नहीं। आज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने अधिकारों की आवाज़ को मजबूत किया है, लेकिन कई बार यह जागरूकता एकतरफा हो जाती है, जहाँ केवल अधिकारों की बात होती है और जिम्मेदारियों की चर्चा गौण हो जाती है।

यही असंतुलन समाज में तनाव और गहरे हरेअसंतोष को जन्म देता है। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा प्रणाली में प्रारंभ से ही नागरिक कर्तव्यों पर बल दिया जाए, परिवार और समाज में जिम्मेदारी की भावना को विकसित किया जाए, और शासन स्तर पर भी जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को यह समझाया जाए कि अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जब तक आम नागरिक स्वयं कानूनों का सम्मान नहीं करेंगे, तब तक कोई भी व्यवस्था पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में नागरिक ही सर्वोच्च शक्ति हैं, और उनकी परिपक्वता ही राष्ट्र की दिशा और दशा तय करती है। इसलिए यह सही समय आत्ममंथन का है क्या हम केवल अपने अधिकारों के लिए सजग हैं, या अपने कर्तव्यों के प्रति भी उतने ही प्रतिबद्ध हैं? यदि इस प्रश्न का उत्तर पूर्ण ईमानदारी और सजगता से खोजा जाए, तो स्पष्ट होगा कि हमें अभी लंबा सफर तय करना है। जागरूकता, शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी के समन्वय से ही वह दिन आएगा जब भारत केवल अधिकारों के प्रति नहीं, बल्कि कर्तव्यों के प्रति भी समान रूप से परिपक्व राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा जिससे विकास की गति को सदैव सशक्त बल मिलेगा और विकास की संभावना चारों दिशाओं में व्याप्त होगी।

कविता

संजीव-नी।

फिर से मासूम नन्हे हो जाएँ।
जैसे पहली बार ओस को
हथेली पर रखा ,
वह मुस्कुरा उठी
फिर उतने ही छोटे हो जाएँ
आकाश हमें अनंत लगे,
उसकी नीली चुप्पी में
सपनों की पतंग लहरा दें।

जहाँ कोई छल न हो,
बस मिट्टी में उगती
सोंधी-सी सच्चाई हो,
आँखें पानी सी निर्मल हों
हृदय शिवालय की घंटी-सा
शिव शिव बोल उठे।

फिर से वैसे ही हो जाएँ
पहली बार 'राम' नाम सुना
किसी लोरी की तरह नहीं,
शीतल कोमल हवा की तरह
भीतर गुंजा।

ईश्वर किताबों में नहीं,
पेड़ों की छाँव में निहारता
जहां माँ की उँगलियों में
पूजा अर्चना का
सात्विक मायने छिपा।

फिर से मासूम नन्हे हो जाएं
जीतने की जल्दी न हो,
गिरकर भी
खिलखिलाने का हौसला हो,
जहाँ किसी के आँसू देखकर
द्रवित सी निर्झरणी बहने लगे।

इतने छोटे हो जाएँ
कि दुनिया की सारी ईर्ष्या
ओठों तक पहुँच ही न पाए,
हम अपनी जेब में
शीतल छांव के बादल
रखकर सबको भीतर
समेट लें।
फिर से मासूम नन्हे हो जाएँ
एक शुभ प्रार्थना बन जाए
और हम
प्रार्थना के सबसे भोले शब्द।

संजीव ठाकुर

परिसीमन बिल गिरने से देश को तो लाभ हुआ

देश की आधी आबादी यानी महिलाओं को 33 फीसदी राजनीतिक आरक्षण देने वाला ऐतिहासिक बिल लोकसभा में भले ही गिर गया हो किंतु भाजपा को जो लाभ मिलना था, वह मिल या। इस बिल के माध्यम से वह यह संदेश देने में कामयाब रही कि हम तो महिलाओं को संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण देना चाहते है, कितु विपक्ष नही चाहता। विपक्ष भी इस बिल के गिरने को अपनी विजय मानता है। इस बिल के गिरने से भाजपा को लाभ मिले या विपक्ष को किंतु सबसे बड़ा लाभ देश को हुआ है। इस बिल के पास होने से बढ़ने वाली लोकसभा और विधान सभा सीट के सांसदों के वेतन और भत्तों का खर्च बच गया। नए सांसदों और विधायकों की पेंशन की राशि का बोझ अब देश को नही उठाना पड़ेगा।

मोदी सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में वर्तमान सीटों की संख्या एकमुश्त बढ़ाकर डेढ़ गुना करने का जो प्रस्ताव इस बिल में किया था, उसका लाभ कुल मिलाकर 2250 सीटों का होता। लोकसभा में वर्तमान 545 सीटों के हिसाब से की महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण के हिसाब से 205 सीटें बढ़तीं, जबकि सभी 28 राज्यों और दो केन्द्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में 2045 सीटों का इजाफा होता। यानी 70 करोड़ महिलाओं में से मात्र 2250 महिलाएं चुनकर विधानमंडलों में पहुंचतीं। इसमें राज्यसभा और विधानपरिषदों की सीटें शामिल नहीं हैं, क्योंकि उनकी संख्या बाद में तय होगी। तर्क दिया जा सकता है कि इस आरक्षण को महिलाओं की संख्या की बजाए उनके राजनीतिक-सामाजिक सशक्तिकरण, लैंगिक समता और राजनीतिक नैतिकता की पवित्र मंशा के आईने में देखा जाना चाहिए। सही है। लेकिन अगर बिल पास हो जाता। सासंदों और विधायकों के क्षेत्र और सीट बढ़ जाती तो वढ़े सासदों , विधायकों के वेतन, भत्ते, सुविधाओं और पेंशन का बोझ तो देश पर ही पड़ता।

12 साल के कार्यकाल में यह पहला अवसर था, जब मोदी सरकार की संसद में विधायी हार हुई। संसदीय इतिहास में 1990 में पंचायत सशक्तिकरण संशोधन बिल के राज्यसभा में गिरने के बाद यह पहला बिल है, जो लोकसभा में ही ढ़ह गया। वैसे मोदी सरकार चाहती तो यह अत्यंत महत्वपूर्ण बिल अपने दूसरे कार्यकाल में ला सकती थी, जब एनडीए के अपने 353 सांसद थे और कोई भी संशाधन बिल आसानी से पारित हो सकता था। लेकिन उसने तब ऐसा नहीं किया। भारतीय राजव्यवस्था में पिछले कुछ वर्षों से वित्तीय प्रबंधन और संसाधनों के आवंटन को लेकर एक व्यापक बहस छिड़ी हुई है। एक तरफ सरकार राजकोषीय घाटे को कम करने और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के नाम पर पुरानी पेंशन योजनाओं और सैन्य भर्ती की पारंपरिक प्रक्रियाओं में आमूलचूल परिवर्तन कर रही है, वहीं दूसरी ओर लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के विस्तार के नाम पर विधायी निकायों के आकार को बढ़ाने की योजनाएं भी चर्चा के केंद्र में हैं। इन निर्णयों का भारतीय अर्थव्यवस्था और आम नागरिक के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। सरकार के इन कदमों के पीछे तर्क दिया जाता है कि आधुनिक समय की चुनौतियों से निपटने के लिए संसाधनों का कुशल उपयोग अनिवार्य है, लेकिन जब बात सांसदों और जनप्रतिनिधियों की सुविधाओं की आती है, तो जनता के बीच विरोधाभास की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

पेंशन के मुद्दे पर सरकारी कर्मचारियों में व्यापक असंतोष देखा जा रहा है। केंद्र सरकार ने वित्तीय बोझ को कम करने के लिए लंबे समय से पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के स्थान पर नई पेंशन योजना (एनपीएस) को प्राथमिकता दी है। हालिया वर्षों में महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में वृद्धि तो की गई है, जैसे कि 2026 के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार इसे 60 प्रतिशत तक पहुँचाया गया फिर भी यह वृद्धि कर्मचारियों की उन मांगों को शांत करने में विफल रही है। वे तो सेवानिवृत्ति के बाद एक सुनिश्चित आय की गारंटी चाहते हैं। सरकार का तर्क है कि पेंशन पर होने वाला खर्च भविष्य में विकास कार्यों के लिए उपलब्ध बजट को कम कर सकता है, इसलिए निवेश-आधारित पेंशन प्रणाली अधिक व्यावहारिक है। हालांकि, सरकारी कर्मचारी इसे अपनी सामाजिक सुरक्षा में कटौती के रूप में देखते हैं, जिससे उनके भविष्य की स्थिरता पर सवालिया निशान लग जाते हैं। अर्थशास्त्री दावा करते हैं कि यदि पुरानी पेंशन दी गई तो कुछ राज्य आर्थिक रूप से दिवालिया हो जाएगें,किंतु सासदों और विधायकों की संख्या उनके वेतन भत्तों और पेंशन से देश के सामने आने वाली आर्थिक चुनौतियों की और ध्यान नही दिया जाता। यह कहीं गणना नही होती कि इससे देश पर कितना बोझ पड़ेगा।

सैनिकों की भर्ती के लिए लाई गई अग्निपथ योजना इसी वित्तीय पुनर्गठन की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जाती है। अग्निवीर योजना के तहत युवाओं को चार साल के लिए सेना में भर्ती किया जाता है, जिसके बाद केवल 25 प्रतिशत को ही स्थायी सेवा में रखा जाता है। शेष 75 प्रतिशत युवाओं को एकमुश्त सेवा निधि पैकेज देकर सेवामुक्त कर दिया जाता है, और उन्हें आजीवन पेंशन या अन्य चिकित्सा सुविधाएं नहीं दी जातीं। सरकार का उद्देश्य रक्षा बजट के एक बड़े हिस्से को, जो वर्तमान में वेतन और पेंशन में चला जाता है, आधुनिक हथियारों और तकनीक की खरीद में लगाना है। लेकिन इस योजना ने सुरक्षा विशेषज्ञों और युवाओं के बीच चिंता पैदा कर दी है। आलोचकों का कहना है कि पेंशन के अभाव में सैनिकों का मनोबल प्रभावित हो सकता है और चार साल बाद बेरोजगार होने का डर युवाओं को इस गौरवशाली पेशे से दूर कर सकता है।

एक तरफ जहां देश की सुरक्षा और प्रशासनिक सेवा में लगे लोगों के लाभों को सीमित किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर 131वें संविधान संशोधन विधेयक के माध्यम से लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया गया है। वर्तमान में लोकसभा की 543 सीटों को बढ़ाकर लगभग 815 से 850 तक करने का प्रस्ताव है।इसी के साथ नए परीसीमन से विधायकों की भी 2045 सीट बढ़ने की व्यवस्था है। यह वृद्धि परिसीमन की प्रक्रिया के तहत की जा रही है, जिसका उद्देश्य बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व को संतुलित करना है। हालांकि यह कदम लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से तर्कसंगत लग सकता है, पर इसके आर्थिक निहितार्थ अत्यधिक गंभीर हैं। सांसदों की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि का अर्थ है उनके वेतन, भत्तों, आवास, सुरक्षा और कार्यालय खर्चों में भी उसी अनुपात में बढ़ोतरी होना।

यदि हम वर्तमान वित्तीय आंकड़ों का विश्लेषण करें, तो एक सांसद का वेतन और विभिन्न भत्ते मिलाकर प्रतिमाह एक बड़ी राशि बनती है। वर्ष 2025-26 के संशोधित आंकड़ों के अनुसार, एक सांसद का मूल वेतन लगभग 1.24 लाख रुपये है। इसके अतिरिक्त, उन्हें निर्वाचन क्षेत्र भत्ता (लगभग 70,000 रुपये), कार्यालय भत्ता (लगभग 60,000 रुपये) और संसद सत्र के दौरान प्रतिदिन का दैनिक भत्ता (2,500 रुपये) मिलता है। यदि इन सबको जोड़ दिया जाए, तो एक सांसद पर सीधे तौर पर प्रतिमाह लगभग 2.7 लाख से 3 लाख रुपये का खर्च आता है। इसमें उनके लिए उपलब्ध मुफ्त बिजली (50,000 यूनिट), पानी (4,000 किलोलीटर), 34 मुफ्त हवाई यात्राएं, रेल यात्राएं और दिल्ली में मिलने वाले महंगे बंगलों का रखरखाव शामिल नहीं है। यदि लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो जाती है, तो केवल इन सीधे खर्चों के कारण देश पर प्रतिमाह करोड़ों रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।विधायकों की सीट बढ़ने से होने वाला आर्थिक बोझ इसमें शामिल नही किया गया। इस अतिरिक्त वित्तीय बोझ का अनुमान लगाने के लिए यदि हम 273 नए सांसदों (816 - 543) को आधार मानें, तो केवल उनके वेतन और नियमित भत्तों पर ही प्रतिमाह लगभग 7.5 करोड़ से 8 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च होगा। वार्षिक आधार पर यह आंकड़ा 90 करोड़ से 100 करोड़ रुपये तक पहुंच जाता है। लेकिन यह तो केवल हिमशैल का सिरा है। प्रत्येक नए सांसद के लिए लुटियंस दिल्ली जैसे महंगे इलाकों में आवास की व्यवस्था करना, उनके कार्यालयों का निर्माण और उनके साथ तैनात होने वाले सुरक्षा कर्मियों व सहायक कर्मचारियों का वेतन इस खर्च को कई गुना बढ़ा देगा। इसके अलावा, सांसदों को मिलने वाली आजीवन पेंशन का खर्च भी भविष्य के बजटों पर एक स्थायी बोझ बन जाएगा।

विवाद का मुख्य बिंदु यही है कि जब देश के सैनिकों और आम कर्मचारियों के लिए 'राजकोषीय अनुशासन' और 'पेंशन सुधार' की बात की जाती है, तो वही मापदंड जनप्रतिनिधियों पर लागू क्यों नहीं होते? अग्निवीर योजना के माध्यम से करोड़ों रुपये बचाने की कोशिश करने वाली सरकार जब सांसदों की फौज बढ़ाने की तैयारी करती है, तो आम नागरिक के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या देश की प्राथमिकताएं सही दिशा में हैं। एक तरफ एक जवान है जो अपनी जवानी के चार साल देश को देता है और बिना पेंशन के घर लौट आता है, और दूसरी तरफ एक सांसद है जो केवल पांच साल के कार्यकाल के बाद आजीवन पेंशन और सुविधाओं का हकदार बन जाता है। एक बात और जहां कर्मचारी को पेंशन का हकदार बनने के लिए 20 से 25 साल की सेवा अनिवार्य है, वहां सांसद या विधायक के लिए ऐसा नही है। एक दिन के लिए सांसद या विधायक बनने पर उन्हें पूरी पेंशन मिलती है। सांसद या विधायक जितनी बार चुना जाता है, उसकी उ पेंशन में बढ़े कार्यकाल के हिसाब से वृद्धि मिलती है।कोई व्यक्ति यदि चार बार सांसद और तीन बार विधायक बने तो उसे सांसद काल की चार और विधायक काल की तीन वृद्धि पेंशन में जुड़कर मिलती है। वर्तमान पंजाब सरकार ने एक आदेश करने विधायक के लिए सिर्फ एक पेंशन की व्यवस्था रखी है। ऐसा पूरे देश में क्यों नही हो सकता। सांसद और विधायकों के साथ भी ऐसा ही किया जाना चाहिए।

भारत जैसे विकासशील देश में जहां शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के लिए संसाधनों की भारी कमी है, वहां विधायी विस्तार के खर्चों को बहुत सावधानी से तौलने की आवश्यकता है। लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे इस तरह से लागू किया जाना चाहिए कि यह आम जनता के त्याग और सैनिकों के समर्पण के साथ न्याय करे। यदि सरकार को वास्तव में राजकोषीय घाटे की चिंता है, तो उसे सांसदों के वेतन-भत्तों में भी कटौती करने और 'एक राष्ट्र, एक पेंशन' जैसी व्यवस्था पर विचार करना चाहिए, ताकि देश का पैसा सांसदों की सुख-सुविधाओं के बजाय उन लोगों पर खर्च हो जो वास्तव में देश की नींव को मजबूत करते हैं।

अशोक मधुप

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया जागरूक

देवरिया। जिले में मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में सभी थानों की टीमों ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए। कोतवाली, मदनपुर और रुद्रपुर सहित कई थाना क्षेत्रों में महिलाओं, छात्राओं और बच्चियों को पंपलेट वितरित कर सुरक्षा से जुड़ी जानकारी दी गई। इस दौरान डायल-112, महिला हेल्पलाइन-181, वुमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 समेत अन्य नंबरों की जानकारी दी गई। पुलिस टीमों ने सार्वजनिक स्थानों और धार्मिक स्थलों पर भी जागरूकता अभियान चलाया। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और किसी भी समस्या में तुरंत हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बाल अपचारी गिरफ्तार, चोरी की बाइक बरामद

देवरिया। थाना मईल पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने उसे मुखबिर की सूचना पर बरेजी पुल के पास से पकड़ा। बरामद बाइक हीरो स्प्लेंडर प्लस है, जो बिना नंबर प्लेट के थी। जांच में इसका नंबर यूपी 52 बीएम 2179 पाया गया। यह बाइक थाना कोतवाली में दर्ज चोरी के मामले से संबंधित है। पुलिस के अनुसार इस मामले में दो अन्य आरोपितों को पहले ही 10 अप्रैल को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार बाल अपचारी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में कई मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर नया मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तारी टीम में थाना मईल के उपनिरीक्षक व अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

झोपड़ी में लगी आग से दो गायें झुलसीं एक की मौत

रूद्रपुर ,देवरिया। रुद्रपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत मिश्रौलिया ग्राम सभा में बुधवार को अज्ञात कारणों से झोपड़ी में अचानक आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई।आग इतनी तेजी से फैली कि झोपड़ी में बंधी दो गायें इसकी चपेट में आ गई। दोनों गायें बुरी तरह झुलस गई, जिनमें से एक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। रुद्रपुर तहसील क्षेत्र के मिश्रौलिया गांव निवासी रामेश्वर गुप्ता पुत्र ज्ञान साहू गुप्ता ने अपनी दो गायों को झोपड़ी में बांधा था। दोपहर में हुई अगलगी में एक साइकिल भी जलकर राख हो गई। ग्रामीण प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग कर रहे हैं।

11 सड़कों का लोकार्पण

रूद्रपुर,देवरिया। रुद्रपुर विधानसभा के पचलड़ी चौराहे पर विधायक निधि से 11 सड़कों का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम को मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री बांसगांव के लोकप्रिय सांसद माननीय कमलेश पासवान,स्थानीय विधायक जय प्रकाश निषाद ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट संजय सिंह,किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष बन्धु उपेंद्रनाथ सिंह, छोटे सिंह, रमेश सिंह, महेश मणि, मंडल अध्यक्ष विशाल द्विवेदी ,राणा राव चंदेल,राम सुधारे पासवान ,जनार्दन राव, रविंद्र पासवान, संगम धर द्विवेदी,अजय शंकर सिंह ,अमित सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मेजर वेदांश शर्मा का दिल्ली में सम्मान

आर्मी कमांडर ने ऑन द स्पॉट साइटेशन और बैज से किया गौरवान्वित उत्कृष्ट कार्य, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का मिला बड़ा सम्मान, क्षेत्र में खुशी की लहर

ललितपुर। जिले के प्रतिष्ठित परिवार से संबंध रखने वाले डा.राजेश शर्मा के सुपुत्र मेजर वेदांश शर्मा ने अपने उत्कृष्ट कार्य, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा से न केवल परिवार बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। दिल्ली में आयोजित एक विशेष सैन्य अवसर पर उन्हें आर्मी कमांडर दिलीप जैन द्वारा ऑन द स्पॉट साइटेशन एवं बैज प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान मेजर वेदांश शर्मा को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुकरणीय सेवा और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा के लिए दिया गया। सेना में इस प्रकार का तत्काल सम्मान बेहद गौरवपूर्ण माना जाता है, जो किसी अधिकारी की असाधारण कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है। इस उपलब्धि से ललितपुर सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है। परिजनों, शुभचिंतकों और नागरिकों ने मेजर वेदांश शर्मा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सिकरीगंज में स्थित शुभम अस्पताल में मौत पर बवाल, लापरवाही का आरोप... समझौते से थमा विवाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर जनपद के सिकरीगंज क्षेत्र स्थित शुभम हॉस्पिटल में एक मरीज की मौत के बाद बुधवार को जमकर हंगामा हो गया। परिजनों ने डॉक्टर पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश जताया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौके पर जुट गए। मिली जानकारी के अनुसार, संत कबीर नगर जनपद के धनघटा थाना क्षेत्र निवासी फूला देवी अपने पुत्र पंकज को इलाज के लिए मंगलवार सुबह करीब 9 बजे बनकटी बुजुर्ग स्थित शुभम हॉस्पिटल लेकर आई थीं। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान डॉक्टरों ने सही तरीके से ध्यान नहीं दिया, जिससे दोपहर करीब 3 बजे पंकज की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजन आक्रोशित हो उठे और अस्पताल में हंगामा

शुरू कर दिया। परिजनों का कहना था कि यदि समय रहते सही इलाज मिलता तो पंकज की जान बच सकती थी। उन्होंने अस्पताल की कार्यप्रणाली और डॉक्टर की योग्यता पर भी सवाल उठाए। कुछ देर के लिए हालात तनावपूर्ण हो गए, हालांकि स्थानीय लोगों और प्रशासन के हस्तक्षेप से स्थिति को नियंत्रित किया गया।

इस बीच अस्पताल की वैधता को लेकर भी सवाल खड़े होने लगे। लोगों में चर्चा रही कि आखिर निजी अस्पताल किस आधार पर संचालित हो रहा है और क्या सभी मानकों का पालन किया जा रहा है। हालांकि इस मामले में जिम्मेदार अधिकारी शुरू में कुछ भी बोलने से बचते नजर आए। वहीं, मामले को लेकर जब एसडीएम खजनी से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया है। मृतक के परिजनों ने आपसी सहमति से विवाद समाप्त कर दिया है और किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई की मांग नहीं की है। दूसरी ओर, सीएमओ डॉ. राजेश झा ने स्पष्ट किया कि शुभम हॉस्पिटल विधिक रूप से संचालित है और वहां तैनात डॉक्टर योग्य हैं। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच कराई जा रही है और यदि किसी प्रकार की लापरवाही पाई जाती है तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल समझौते के बाद मामला शांत जरूर हो गया है, लेकिन इस घटना ने निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली और स्वास्थ्य व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भूसा केन्द्र में भीषण आग, लाखों की संपत्ति राख, दमकल की देरी से बढ़ा नुकसान

लाखों के नुकसान की आशंका, 2 घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड, ग्रामीणों में आक्रोश

ललितपुर। जिले के खितवांस चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चढ़रऊ में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब मूलचंद निरंजन के भूसा केन्द्र में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और भूसे के बड़े-बड़े ढेर जलकर पूरी तरह राख हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि उसे काबू करना ग्रामीणों के बस में नहीं रहा। घटना में लाखों रुपये का भारी नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आग लगने की सूचना देने के बावजूद दमकल विभाग की गाड़ी करीब 2 घंटे की देरी से मौके पर पहुंची, जिससे नुकसान और अधिक बढ़ गया। यदि समय रहते दमकल पहुंच जाती, तो काफी हद तक आग पर काबू पाया जा सकता था। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि आग लगने के कारणों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और पीड़ित को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

ग़ोला में सनसनी: किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप, परिजनों में दहशत - पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला गोरखपुर के गोला थाना क्षेत्र में एक नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने का गंभीर मामला सामने आने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना के बाद से पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है और बेटी की सकुशल बरामदगी के लिए पुलिस से गुहार लगा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता की मां ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बीते 10 अप्रैल को गांव के ही एक युवक ने उनकी नाबालिग बेटी को अपने झांसे में लेकर फरार कर दिया। घटना के बाद से किशोरी का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। परिवार के सदस्य लगातार उसकी तलाश में जुटे हैं, लेकिन अब तक उन्हें कोई सफलता नहीं मिली है, जिससे उनकी चिंता और बढ़ती जा रही है। परिजनों ने आशंका जताई है कि आरोपी किशोरी के साथ कोई अनहोनी कर सकता है या उसे गलत हाथों में सौंप सकता है। इस डर ने परिवार को मानसिक रूप से तोड़कर रख दिया है। पीड़िता की मां का यह भी आरोप है कि जब वे आरोपी के घर जानकारी लेने पहुंचे, तो वहां मौजूद लोगों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया, गाली-गलौज की और मारपीट के लिए दौड़ा लिया। इतना ही नहीं, उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 87, 352, 351(3) और 131 के तहत नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया है। थाना प्रभारी राकेश रोशन सिंह ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और किशोरी की तलाश के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है और आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही किशोरी को सुरक्षित बरामद कर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर ग़ोला में विवाहिता की संदिग्ध मौत, मासूम की दुनिया उजड़ी,मायके पक्ष ने लगाए गंभीर आरोप, पुलिस जांच में जुटी

●ककरही गांव में 28 वर्षीय सुप्रिया शुक्ला की मौत से मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला गोरखपुर। जनपद के गोला क्षेत्र के ककरही गांव में मंगलवार देर रात हुई एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। 28 वर्षीय सुप्रिया शुक्ला, पत्नी अजय शुक्ला, की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है, जिसके बाद से गांव में सन्नाटा और परिवार में कोहराम पसरा हुआ है।

चार साल पहले हुई थी शादी

सुप्रिया मूल रूप से देवरिया जिले के जगरनाथपुर की रहने वाली थी। करीब चार वर्ष पूर्व उसकी शादी अजय शुक्ला के साथ हुई थी। इस दंपत्ति की डेढ़ वर्ष की एक मासूम बेटी है, जो अब अपनी मां की ममता से वंचित हो गई। घटना के बाद बच्ची की हालत देख हर कोई भावुक हो उठा।

रात 11 बजे की घटना, उठ रहे कई सवाल

परिजनों के अनुसार घटना रात करीब 11 बजे की है। हालांकि मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। ससुराल पक्ष इस मामले में खुलकर कुछ भी कहने से बच रहा है, जिससे संदेह और गहरा गया है।

पुलिस ने शव भेजा पोस्टमार्टम के लिए

सूचना मिलते ही गोला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल हर पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

मायके पक्ष का हंगामा, न्याय की मांग

बुधवार सुबह जैसे ही घटना की सूचना मायके पक्ष को मिली, वे ककरही गांव पहुंच गए। बेटी की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए जोरदार विरोध जताया और न्याय की मांग की। गांव में लोगों की भीड़ जमा हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

सवालों के घेरे में घटना

सुप्रिया की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं—आखिर उस रात क्या हुआ? क्या यह एक हादसा है या इसके पीछे कोई साजिश? इन सवालों के जवाब अब पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हैं।

एक परिवार बिखरा, मासूम की दुनिया उजड़ी

इस घटना ने एक हंसते-खेलते परिवार को पलभर में बिखेर दिया। सबसे ज्यादा मार उस मासूम बच्ची पर पड़ी है, जिसने अभी दुनिया को समझना भी शुरू नहीं किया था। पूरे गांव में शोक का माहौल है और हर किसी की जुबान पर बस एक ही मांग है—सुप्रिया को न्याय मिले।

न्यू एंजिल्स स्कूल में पृथ्वी दिवस का हुआ आयोजन

प्रतापगढ़। न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्राइमरी और जूनियर विंग में मंगलवार को विश्व पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पौधे बनकर, चार्ट, स्लोगन और भाषण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम की शुरुआत में अक्षत मौर्या, ओम सिंह, शाश्वत मिश्रा, ओबैद, अर्नव त्रिपाठी और आदर्श सिंह ने पेड़-पौधों का रूप धारण कर 'धरती बचाओ' का अनूठा संदेश प्रस्तुत किया।मानस डूबे, नैतिक सिंह, स्वरा पांडे, अनमोल सरोज, शिवांश पटेल और आयशा बानो सहित कई छात्र-छात्राओं ने आकर्षक चार्ट बनाए।बच्चों ने चार्ट पर धरती हमें सब कुछ देती है, बदले में हमें इसे बचाना चाहिये।पृथ्वी बचाओ - आने वाली पीढ़ी बचाओ और धरती माता करे पुकार, हरा-भरा कर दो संसार जैसे प्रभावशाली स्लोगन लिखे।इज़ना, वेदांश, शिवांश, अंश, तर्श, उबैर्दु रहमान, कौस्तुभ, आकृति, आराध्या, दिव्या, अंशुमान, आसिया बानो आदि विद्यार्थियों ने हिंदी और अंग्रेजी में पृथ्वी बचाने पर सारगर्भित भाषण प्रस्तुत किए। बच्चों ने प्लास्टिक का उपयोग बंद करने, जल संरक्षण और पौधारोपण जैसी नई योजनाएं भी सुझायी।कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुमन सिंह ने किया।

कहीं पेट्रोल नदारद तो कहीं डीजल गायब, बढ़ी राहगीरों की बेबसी

●घंटों इंतजार और कोसों का सफर फिर भी हाथ लगी मायूसी, तेल के इस खेल में पंगु हुई जनता की रफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। ईंधन आपूर्ति को लेकर प्रशासन और तेल कंपनियों के दावों की जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। एक तरफ जहां जिम्मेदार अधिकारी जिले में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता का दम भर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जनपद भर के तमाम पेट्रोल पंप सूखे पड़े हैं। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक के फिलिंग स्टेशनों पर नो स्टॉक का बोर्ड लटकने से राहगीरों व उपभोक्ताओं में हाहाकार मचा हुआ है। हैरानी की बात यह है कि जिले में ईंधन का संकट असमानी रूप से छाया हुआ है। कहीं डीजल उपलब्ध है तो पेट्रोल के लिए हाहाकार मचा है, तो कहीं पेट्रोल मिल रहा है लेकिन डीजल का स्टॉक पूरी तरह नदारद है। इस विसंगति के कारण वाहन चालक एक पंप से दूसरे पंप के चक्कर काट रहे हैं। मुख्यालय के साथ-साथ सिसवा, निचलौल, नौतनवा और फरेंदा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में घंटों इंतजार के बाद जब लोग नोजल मशीन तक पहुंच रहे हैं तो उन्हें खाली हाथ लौटा दिया जा रहा है। जनता का आरोप है कि आपूर्ति की इस लुका-छिपी के बीच कुछ संचालक जानबूझकर कृत्रिम अभाव पैदा कर रहे हैं। वहीं पंप संचालकों का तर्क है कि डिपो से मांग के अनुरूप खेप नहीं मिल रही है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि प्रशासन द्वारा आपूर्ति सामान्य करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन धरातल पर दावों और हकीकत के बीच गहरी खाई नजर आ रही है। इस अव्यवस्था ने दैनिक गतिविधियों पर ब्रेक लगा दिया है। क्षेत्रीय निवासी मोहन यादव, सुरेश चौधरी, कुलदीप यादव, राघव सिंह, किशोरी, रामदेव यादव, जलालुद्दीन , रहमत अली, मनोज सिंह, राजेंद्र उर्फ राजू प्रसाद, संतोष अग्रहरी, सोनू भारती आदि का कहना है कि शहर से लेकर देहात डीजल-पेट्रोल को लेकर हाहाकार है लेकिन ऐसे में प्रशासन सिर्फ आदेश जारी कर रहा है, लेकिन पंपों पर जाकर कोई हकीकत नहीं देख रहा। लोगों का कहना है कि घंटों लाइन में लगने के बाद जब बारी आती है तो सेल्समैन कहता है कि तेल खत्म हो गया। यह जनता के साथ सरासर मजाक है।

दक्षिणांचल में पेट्रोल-डीजल संकट गहराया, आम जनता बेहाल

●अधिकारियों के दावों पर उठे सवाल, जमीनी हकीकत कुछ और बयां कर रही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी गोरखपुर। खजनी तहसील क्षेत्र के खजनी महादेवा,सिकरीगंज,गोला, उरुवा और बड़हलगंज में इन दिनों पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत से आम जनता परेशान नजर आ रही है। हालात ऐसे हैं कि लोग कई दिनों से पेट्रोल पंपों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है। इस संकट ने न सिर्फ आम जनजीवन को प्रभावित किया है, बल्कि परिवहन और दैनिक कामकाज भी बुरी तरह बाधित हो गए हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, कई पेट्रोल पंपों पर या तो ईंधन पूरी तरह खत्म हो चुका है या फिर सीमित मात्रा में ही उपलब्ध है। सुबह से लंबी कतारों में खड़े रहने के बावजूद लोगों को पेट्रोल-डीजल नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनमें आक्रोश और चिंता दोनों बढ़ती जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी गंभीर बताई जा रही है, जहां लोग आवश्यक कार्यों के लिए भी ईंधन के अभाव में जूझ रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर, जिम्मेदार अधिकारियों के बयान जमीनी सच्चाई से मेल नहीं खाते दिख रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है और लोग अफवाहों पर ध्यान न दें तथा जरूरत के अनुसार ही ईंधन का उपयोग करें। लेकिन स्थानीय जनता इन दावों को पूरी तरह खारिज कर रही है और इसे वास्तविक स्थिति से आंख मूंदने जैसा बता रही है।

जनता का कहना है कि यदि वास्तव में ईंधन की कोई कमी नहीं है, तो फिर पंपों पर यह संकट क्यों बना हुआ है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द स्थिति स्पष्ट की जाए और ईंधन की आपूर्ति सुचारू रूप से सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनजीवन सामान्य हो सके।

विधायक ने किया बर्डपुर नंबर 5 में 7 परियोजनाओं का लोकार्पण

सिद्धार्थनगर । जिले के बर्डपुर विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत बर्डपुर नंबर 5 के विभिन्न टोलों में ग्राम निधि द्वारा वित्तीय वर्ष 2024 2025 के अन्तर्गत कराए गए 7 परियोजनाओं का फीताकाट कर सदर विधायक श्यामधनी राही ने लोकार्पण किया। इस अवसर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि जनता की जो भी समस्याएं हैं उन्हें अधिकारी गंभीरता से ले और तत्काल निस्तारित कराएं। कहा कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है । जनता की समस्याओं का निस्तारण त्वरित होना चाहिए,उन्होंने ने कहा की ग्राम पंचायतों में विकास कार्यो को और गति मिलेगी। जिससे हर टोलों में विकास कार्य होगा। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी ओम प्रकाश सिंह यादव, भाजपा नेता एवं मनोनीत सभासद नीतेश पांडेय, ग्राम प्रधान मीना कुमारी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पूर्व प्रधान विजय कुमार चौरसिया,पंचायत सचिव मोहम्मद अजहरुद्दीन, अमन सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, फिर वीडियो वायरल: आरोपी हिरासत में, पुलिस की त्वरित कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा गोरखपुर – सहजनवा थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और उसका आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, सहजनवा क्षेत्र की रहने वाली युवती के भाई के साथ पीपीगंज थाना क्षेत्र का एक युवक मजदूरी करता था। इसी दौरान युवक का युवती के घर आना-जाना शुरू हुआ और धीरे-धीरे उसने परिवार का विश्वास जीत लिया। करीब दो वर्षों तक यह

संपर्क बना रहा। इस दौरान युवक ने युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने युवती के साथ बनाए गए संबंधों का वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया। वह लगातार युवती से फोन पर संपर्क में रहता और शादी का भरोसा देता रहा। जब दोनों परिवारों को इस रिश्ते की जानकारी हुई तो उन्होंने सहमति जताते हुए 6 जुलाई 2026 को शादी की तारीख भी तय कर दी।

लेकिन शादी की तारीख नजदीक आते ही आरोपी ने अचानक शादी से इनकार कर दिया और युवती के निजी वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस घटना से पीड़िता और उसके परिवार को गहरा मानसिक आघात पहुंचा। पीड़िता ने साहस दिखाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। इस संबंध में थाना प्रभारी महेश कुमार चौबे ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई है और आगे की जांच जारी है। यह घटना न केवल महिलाओं की सुरक्षा बल्कि सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। स्थानीय लोगों ने आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

हाथी-घोड़े-ऊंट के साथ निकली भव्य 2100 कलश यात्रा

●पुष्पवर्षा व जय श्रीराम के नारे से गूंजा माहौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जनपद के मधपुर पकड़ी गांव में आयोजित दस दिवसीय श्रीराम कथा के शुभारंभ पर मंगलवार को आस्था, उत्साह और भव्यता का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर 2100 कलशों के साथ विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। सुबह करीब 10 बजे कथा स्थल से शुरू हुई यह यात्रा सेमरी, बेलवा और बिस्कोहर बस स्टॉप होते हुए बूढ़ी राप्ती नदी के परसोहन घाट तक पहुंची। लगभग दो किलोमीटर लंबी शोभायात्रा में श्रद्धालुओं ने करीब सात किलोमीटर की पैदल दूरी तय की। कलश यात्रा में महिलाओं और बालिकाओं की भागीदारी विशेष आकर्षण रही। सिर पर कलश धारण कर वे भक्ति भाव से यात्रा में शामिल हुईं। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया, जिससे वातावरण पूरी तरह राममय हो उठा।

यात्रा में हाथी, घोड़े और ऊंट के साथ सुसज्जित रथों पर भगवान श्रीराम की मनोहारी झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। वहीं, हेलीकॉप्टर से की गई पुष्पवर्षा ने आयोजन को और भी भव्य बना दिया। आयोजक धनीराम प्रजापति ने बताया कि श्रीराम कथा का आयोजन 30 अप्रैल तक चलेगा। कथा में अवधपुरी से पधारे जगतगुरु दिनेशाचार्य जी महाराज श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए जलपान की भी समुचित व्यवस्था की गई थी।

कार्यक्रम में पंडित दुर्गेश शुक्ला, पूर्व विधायक शैलेन्द्र प्रताप सिंह, बिस्कोहर चेयरमैन अजय गुप्ता, फतेह बहादुर सिंह उर्फ पप्पू सिंह, नृपेन्द्र सिंह, रामनरेश पासवान, रक्षा राम प्रजापति, पंकज कुमार प्रजापति, धर्मेन्द्र शुक्ला, मनीराम प्रजापति, सियाराम प्रजापति सहित हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम में विशेष रूप से विजय पाल प्रजापति (जिला मुख्य महासचिव, राष्ट्रीय प्रजापति महासभा) एवं दयाराम प्रजापति (जिला उपाध्यक्ष, भाजपा) की सक्रिय उपस्थिति चर्चा का विषय रही। इसके अलावा जानकी पाल (मंडल उपाध्यक्ष) एवं रामवेलास विश्वकर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों को स्वरोजगार दुकान निर्माण व संचालन हेतु ऋण व अनुदान का अवसर

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अभय कुमार श्रीवास्तव ने बताया है कि दिव्यांगजनों को दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना के तहत पात्र आवेदकों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत इच्छुक दिव्यांगजन को दुकान निर्माण के लिए कुल 20,000 रुपये की सहायता दी जाती है, जिसमें 15,000 रुपये ऋण तथा 5,000 रुपये अनुदान के रूप में शामिल हैं। वहीं दुकान संचालन के लिए 10,000 रुपये ऋण एवं 2,500 रुपये अनुदान दिया जाता है। इस ऋण पर मात्र 4 प्रतिशत की सामान्य वार्षिक ब्याज दर निर्धारित की गई है। इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का जनपद का निवासी होना आवश्यक है। साथ ही उसकी दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिए। आवेदक उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी हो अथवा कम से कम पांच वर्षों से निवास कर रहा हो। इसके अलावा आवेदक किसी आपराधिक मामले में दोषी न हो और उस पर पूर्व का कोई ऋण बकाया न हो। आयु सीमा 18 से 60 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है और आवेदक आयकरदाता की श्रेणी में नहीं आना चाहिए। साथ ही उसके पास राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित खाता एवं बैंक पासबुक होना अनिवार्य है। आवेदन के साथ नवीनतम दिव्यांगता प्रमाणित फोटो भी प्रस्तुत करना होगा। इच्छुक एवं पात्र दिव्यांगजन विभागीय पोर्टल http://divyangjandukan.up.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

ओडीओपी वित्त पोषण सहायता योजना का लाभ लेने हेतु 9 मई तक करें आवेदन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग एसएस रावत ने बताया है कि उत्तर प्रदेश शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) वित्त पोषण सहायता योजना को पुनः संचालित करने की अनुमति प्रदान कर दी गई है। इस योजना के तहत उद्योग, सेवा एवं व्यवसाय क्षेत्र में रूपये 150 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं को भी स्वीकृति दी जा सकेगी। योजना के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों की परियोजनाओं के लिए आकर्षक मार्जिन मनी (सब्सिडी) का प्रावधान किया गया है। रूपये 25 लाख तक की परियोजनाओं पर 25 प्रतिशत अधिकतम रूपये 6.25 लाख), रूपये 25 से रूपये 50 लाख तक की परियोजनाओं पर रूपये 6.25 लाख अथवा 20 प्रतिशत तथा रूपये 50 लाख से रूपये 150 लाख तक की परियोजनाओं पर रूपये 10 लाख अथवा 10 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाएगी। वहीं रूपये 150 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं के लिए 10 प्रतिशत अधिकतम रूपये 20 लाख तक की सब्सिडी अनुमन्य होगी। योजना में सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को 10 प्रतिशत तथा विशेष श्रेणी (अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला एवं दिव्यांग) के लाभार्थियों को 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान करना होगा।

उन्होने बताया है कि इस योजना का लाभ जनपद में चिन्हित आंवला एवं खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को ही दिया जाएगा। आवेदन करने वाले अभ्यर्थी की आयु न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिए तथा किसी बैंक का डिफाल्टर नहीं हो। इच्छुक अभ्यर्थी 9 मई 2026 से ऑनलाइन पोर्टल http://www.odopup.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन में किसी प्रकार की कठिनाई होने पर कार्य दिवसों में मोबाइल नंबर 8564042475 पर संपर्क किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

हैदराबाद पुलिस ने शान्तिभंग मे दो अभियुक्तो को किया गिरफ्तार

गोला गोकर्णनाथ खीरी, थानाध्यक्ष थाना हैदराबाद सुनील मलिक के नेतृत्व में थाना हैदराबाद पुलिस टीम द्वारा दिनांक 22.04.2026 को शान्ति व्यवस्था भंग करने वाले 02 अभियुक्तो 1.शिवम कुमार पुत्र राजाराम उम्र करीब 26 वर्ष निवासी ग्राम रोशननगर 2. आलोक मिश्रा उर्फ अमित पुत्र राकेश कुमार मिश्रा उर्फ पप्पू उम्र करीब 31 वर्ष निवासी ग्राम अहमदनगर थाना हैदराबाद जिला खीरी को गिरफ्तार कर अन्तर्गत धारा 170/135/126 बीएन्एसएस की धारा मे कार्यवाही हेतु न्यायालय गोला के समक्ष भेजा गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने बाली पुलिस टीम मे उ0 नि0 अशोक कुमार सिंह व का0 आकाश यादव व कन्हैया तेजयान मुख्य रूप से सामिल रहे।

बेदखली आदेश पारित होने के बाद भी नहीं हटा तालाब पर से अवैध कब्ज़ा

लखीमपुर खीरी मामला तहसील गोला परगना कुकरा के ग्राम हरदुआ का है जहां पर तालाब गाटा संख्या 196 पर गांव के ही दबंग व्यक्ति ने दबंगई की दम पर अवैध कब्जा करने की नीयत से तालाब के आशिक भाग को पाटकर उस पर पक्का मकान खड़ा कर लिया गया और तहसील प्रशासन आराम की नींद में सोता रहा। तालाब पटने से कई घरों के जल की निकासी बंद हो गई और लोग अपने-अपने घरों में गड्ढा खोदकर पानी भरने और उसके बाद उसे बाहर फेंकने को विवश हैं। जिससे तंग हाल शिकायतकर्ता संजय कुमार के अथक प्रयासों के बाद विपक्षी अवैध कब्जा धारक के विरुद्ध धारा 67 उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 के अंतर्गत कार्रवाई की गई। शिकायतकर्ता ने उच्च न्यायालय खंडपीठ लखनऊ तक का दरवाजा खटखटाया काफी संघर्ष के बाद उक्त वाद में न्यायालय तहसीलदार गोला ने बेदखली आदेश पारित किया। इसके बाद भी तालाब पर बने पक्के मकान को हटवा कर तालाब को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने आदेश की प्रति एवं शपथ पत्र के साथ शिकायती प्रार्थना पत्र देते हुए जिला अधिकारी से शिकायत की है शिकायत में तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराते हुए तालाब को उसके मूल स्वरूप में वापस ले जाने की मांग की है। अहम सवाल यह है कि क्या प्रशासन तालाब पर बने अवैध मकान का ध्वस्तीकरण कराकर तालाब को उसके मूल स्वरूप में वापस ला पाएगा या फिर अपने चहेते अवैध कब्जा धारक को संरक्षण देने की नीयत से मामले को फाइलों में दफन कर दिया जाएगा। क्या सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों का यूं ही मखौल उड़ाया जाता रहेगा।

भदपुरा ब्लॉक की आशाओं ने सीएचसी प्रभारी को सौंपा ज्ञापन, भुगतान की मांग

बरेली/भदपुरा ब्लॉक की आशा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को सीएचसी क्योलड़िया के प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर लंबित भुगतान की मांग की। आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि वे आर्थिक तंगी से जूझ रही हैं और कई परिवारों की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है आशाओं का कहना है कि वे दूसरों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं देने का कार्य करती हैं, लेकिन अपने ही बच्चों का भविष्य सुरक्षित नहीं कर पा रही हैं।

कई आशाओं के पास बच्चों की पढ़ाई तक के लिए पैसे नहीं हैं, जिसके कारण उनके बच्चे घर पर ही रहने को मजबूर हैं ज्ञापन में आशाओं ने अनुरोध किया कि जब तक उनका भुगतान नहीं किया जाता, तब तक उन पर कार्य का दबाव न बनाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी आशाएं काम करने के लिए तैयार हैं, लेकिन बिना भुगतान के काम करना संभव नहीं है इसके अलावा आशा कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक प्रमुख को भी ज्ञापन सौंपकर शीघ्र भुगतान की मांग की।

इस बाबत सीएचसी प्रभारी डॉ. मुगीश ने बताया कि जल्द से जल्द आशाओं की समस्या का समाधान किया जाएगा तो बहीआशाओं ने चेतावनी दी है कि यदि 15 मई तक भुगतान नहीं हुआ तो वे सीएचसी पर धरना-प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगी इस दौरान आशा मंडल अध्यक्ष मंजू पटेल, ओमवती, सूरजा, कामिनी, किरन, गौरी, राजेश्वरी, हरप्यारी, माया समेत कई आशा

ना खाता न वही, जो कानूनगो करे वहीं सही

● ग्राम पंचायत पलहनापुर में दो दर्जन अवैध कब्जा धारक, लकिन ध्वस्तीकरण कार्रवाई मात्र चार लोगों पर क्यों?

मरघट, 04 खलिहान, नवीन परती, सामुदायिक भवन की भूमि पर बन गए 7-8 मकान- कार्रवाई सिर्फ चार पर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी मामला तहसील गोला के गाव पलहनापुर का है जहां पर लेखपाल और परगना भूड के राजस्व निरीक्षक पर पैसा लेकर सैकड़ो एकड़ सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कराये जाने के आरोप लगाये गये हैं।इस अवैध कब्जा वाली जमीन में ,मरघट, और 04 खलिहानों की जमीन, नवीन परती की जमीन शामिल हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जब से कानूनगो अरुणेश मिश्रा ने परगना भूड का चार्ज संभाला है तब से ही सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा की बाढ़ सी आ गई है। सूत्रों की माने तो सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा की जानकारी तहसील प्रशासन गोला को होने के बावजूद भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। सूत्र बताते हैं कि इन्हीं कानूनगो द्वारा जिनसे पैसा मिल जाता है उस पर कार्रवाई नहीं की जाती हैं और जो पैसा नहीं दे पाता है उसके ऊपर बेदखली की कार्रवाई की जाती है। उक्त आरोप लगाते हुए लोगों ने सभी अवैध कबजेदारों के विरुद्ध समान कार्यवाही किए जाने तथा सरकारी जमीनों से अवैध कब्ज़ा हटाए जाने की मांग की है।ताजा मामला तहसील गोला के परगना भूड अंतर्गत ग्राम पहलनापुर का बताया जाता है जहाँ पर तहसील प्रशासन के संरक्षण में सैकड़ो बीघा जमीन पर अवैध कब्जा कर लिए जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है। सूत्र बताते हैं एक दर्जन लोगों ने इस पर अपनी आलीशान इमारतें खड़ी कर ली हैं वहीं कुछ लोगों की खड़ी फैसले अवैध कब्जा की चीख चीख कर पुष्टि करती हैं। उपरोक्त अवैध कब्जा के मामले में तत्कालीन क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा पक्षपात पूर्ण ढंग से केवल 04 लोगों के विरुद्ध धारा 67 की कार्रवाई की थी।और शेष एक दर्जन लोगों से लाखों वसूल कर अभयदान दे दिए जाने के आरोप लगाये जा रहे हैं।सूत्र बताते हैं उक्त में बेदखली आदेश भी हो चुके हैं।

ध्वस्तीकरण आदेश के बावजूद नहीं हटवाया गया अवैध कब्जा – ग्राम प्रधान ने बताया कि राजेंद्र सिंह, बृजेंद्र सिंह, शिव बालक सिंह, गजेंद्र सिंह पुत्रगण हरदयाल सिंह के विरुद्ध बेदखली/ध्वस्तीकरण के आदेश पारित हुए सालों बीतने के बाद भी बेदखली की कार्रवाई नहीं की जा रही है।कानूनगो और लेखपाल की साठ गांठ के चलते आज तक सरकारी जमीनों पर बने मकानों का ध्वस्तीकरण नहीं कराया गया। सरकारी जमीनों आज भी अवैध कब्जा बरकार देखा जा सकता है।

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि का आरोप है कि राजस्व निरीक्षक और लेखपाल मोहन कश्यप पैसा लेकर मामले की लीपापोती में लगे हुए हैं।विपक्षी लोगों के खिलाफ हुए बेदखली आदेश में वर्तमान लेखपाल अवैध कबजेदारों के पक्ष में रिपोर्ट लगाकर पुनः बहस करने का प्रयास कर रहे हैं पारित आदेश के विरुद्ध एसडीएम न्यायिक के न्यायालय में लेखपाल पर पुनः जिरह करने का दबाव कानूनगो द्वारा बनाए जाने के आरोप ग्राम प्रधान ने लगाये हैं ।प्रधान ने बताया कानूनगो द्वारा कबजेदारों से मोटी रकम वसूलकर पारित बेदखली आदेश को अपास्त करने का कुचक्र चल रहा है। पूरे प्रकरण की लिखित शिकायत मंडलायुक्त लखनऊ मंडल और नवागत जिलाधिकारी से कर उच्च स्तरीय जांच कमेटी गठित कर जांच कराए जाने की मांग किए जाने की बात प्रधान द्वारा कही गई है।

नाली मरम्मत कार्य में भ्रष्टाचार के आरोप

लखीमपुर खीरी विकास खण्ड लखीमपुर सदर क्षेत्र के अंतर्गत सिंचाई विभाग द्वारा ग्राम पंचायत मुसेपुरखुर्द ट्यूबल नंबर 99 पर कराए गए नाली मरम्मत कार्य में किया गया भारी भ्रष्टाचार। ठेकेदार द्वारा एक्सपायरी सीमेंट घटिया खाली बालू से किया नाली मरम्मत कार्य जगह जगह नाली में पानी भरा रहता है ईट उखड़ रही मरम्मत हुए अभी मात्र दो महीने में ही खराब होने लगी नाली अधूरा कार्य कराया और पैसा पूरा निकाला जबकि लगभग 100 मीटर नाली अभी भी टूटी हुई है। सिंचाई विभाग में कई बार की गई शिकायतों के बाद भी ठेकेदार ने किया मनमानी ठेकेदार द्वारा बताया गया कि सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने 40 प्रतिशत कमीशन लिया गया जल्द ही मामला नवागत जिलाधिकारी के पास पहुंच सकता है जल्द। ऐसा एक जगह नहीं जहां जहां इस संबंधित ठेकेदार ने नाली मरम्मत का कार्य कराया है सभी जगहों पर हुआ भारी भ्रष्टाचार।

गेहूं खरीद में घूसखोरी: 9 हजार लेते केंद्र प्रभारी रंगे हाथ गिरफ्तार

● स्स्ककी गारंटी कागजों में, जमीन पर किसानों से वसूली का खेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर। सरकार की न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) व्यवस्था पर तिलहर में भ्रष्टाचार का साया गहराता दिखा। मंडी समिति परिसर स्थित गेहूं क्रय केंद्र पर एक किसान से 9,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए केंद्र प्रभारी/क्षेत्रीय विपणन अधिकारी मुनेंद्र नाथ पटेल को भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने रंगे हाथों दबोच लिया। इस कार्रवाई से पूरे क्षेत्र के क्रय केंद्रों पर हड़कंप मच गया है। आरोप है कि किसानों को उनका हक दिलाने के लिए बने इन केंद्रों पर बिना 'सुविधा शुल्क' के गेहूं तौलना मुश्किल हो गया है। नतीजतन, किसान औने-पौने दाम पर अपनी उपज बिचौलियों के हाथ बेचने को मजबूर हैं। ग्राम चाहरपुर के किसान सौरभ सिंह ने बताया कि वे कई दिनों से गेहूं तौलवाने के लिए चक्कर काट रहे थे, लेकिन हर बार उन्हें टाल दिया जाता था। आरोप है कि प्रभारी ने 100 रुपये प्रति कुंतल की दर से रिश्वत मांगी।

तंग आकर किसान ने बरेली स्थित भ्रष्टाचार निवारण संगठन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की पुष्टि के बाद टीम ने जाल बिछाया। तथा नौ हजार रुपये के नोटों पर विशेष केमिकल लगाकर किसान को सौंपे गए। बुधवार को जैसे ही किसान ने रकम आरोपी अधिकारी को दी तभी निरीक्षक प्रवीण सान्याल के नेतृत्व में पहुंची टीम ने मौके पर दबिश देकर उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कटरा थाने ले जाया गया, जहां उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। इस कार्रवाई ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है–क्या MSP का लाभ सच में किसानों तक पहुंच रहा है, या बीच रास्ते ही 'रिश्वत तंत्र' में फंसकर दम तोड़ रहा है?

विपणन अधिकारी मुनेंद्र नाथ पटेल

गरीब बिटिया की शादी में 'सारथी' बने समाजसेवी डॉ. कौशल वर्मा, उपहार व नकदी भेंट कर बढ़ाया मदद का हाथ

'बेटी का विवाह सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि विश्वास, सम्मान और संस्कारों का उत्सव है। जब समाज ऐसे परिवारों के साथ खड़ा होता है, तो हर बेटी का भविष्य उज्ज्वल हो जाता है। उस भावुक शाम में एक बेटी के नए जीवन की शुरुआत में सहभागी बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।
– डॉ. कौशल वर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है, इस कथन को एक बार फिर चरितार्थ किया है गोला के जाने-माने समाजसेवी और भाजपा नेता डॉ. कौशल वर्मा ने। गोला विधानसभा के कुंभी ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कोटनाथ निवासी अर्कवंशी समाज की एक आर्थिक रूप से कमजोर और बीमार विधवा माँ की मदद के लिए डॉ. वर्मा ने हाथ बढ़ाकर समाज के सामने एक मिसाल पेश की है।

संघर्षों के बीच उठी बिटिया की डोली...

ग्राम कोटनाथ निवासी स्वर्गीय रामनरेश की पुत्री रोली का विवाह मंगलवार को हरदोई जनपद के रध्दहे पुरवा से आई बारात के साथ संपन्न हुआ। रोली की माँ, माकुल देवी, जो स्वयं बीमारी से ग्रस्त हैं, अत्यंत विषम परिस्थितियों और आर्थिक तंगी के बावजूद अपनी बेटी के हाथ पीले करने का संघर्ष कर रही थीं। जब इस बात की जानकारी सनशाइन हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर के संचालक डॉ. कौशल वर्मा को हुई, तो वे तत्काल अपनी टीम के साथ कोटनाथ पहुँचे।

उपहार और नकदी देकर दिया संबल...!!

डॉ. कौशल वर्मा ने विवाह समारोह में पहुँचकर बिटिया को आशीर्वाद दिया और गृहस्थी की शुरुआत के लिए आवश्यक सामान जैसे- एक सेफ अलमारी, श्रृंगार दान, कुर्सी सेट व डिनर सेट, नगद धनराशि आदि सामान दिया। डॉक्टर के इस उदार कदम को देखकर परिवारजनों और उपस्थित मेहमानों की आँखें भर आई और सभी ने उनके इस परोपकारी कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति...!!

इस पुनीत कार्य के दौरान पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अनुज प्रताप सिंह, आनंद अर्कवंशी एडवोकेट, अविनाश गुप्ता, धनपत राम अर्कवंशी, लालाराम, आदर्श, प्रेम राज, राहुल, शिवकुमार, खुशी राम, राम सेवक और सुमित्रा सहित तमाम गणमान्य नागरिकि मौजूद रहे।

चोरी का माल खरीदने वालों पर मेहरबान क्यों पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी मैगलगंज में अब कानून पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं।जहां एक ओर पुलिस चोरी के मामले का खुलासा करने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर चोरी का सोना-चांदी खरीदने वालों को खुली छूट दिए जाने के आरोप ने पूरे सिस्टम की नीयत पर शक पैदा कर दिया है।बताते चलें कि उचौलिया थाना क्षेत्र के सुनौआ गांव में हुई चोरी अब एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करती दिख रही है। पुलिस की जांच में मैगलगंज स्थित मानस ज्वेलर्स पर छापा पड़ा, जहां से कई लाख रुपये का कथित चोरी/लूटा हुआ सोना-चांदी बरामद होने की बात सामने आ रही है।

लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही– जब माल बरामद हो गया, तो खरीदने वाला अब तक आज़ाद क्यों?क्या पैसे और पहुंच के दम पर कानून को मोड़ा जा रहा है?सूत्रों के मुताबिक, उचौलिया और मैगलगंज पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह बड़ा खुलासा हुआ, लेकिन आरोपियों पर कार्रवाई की रफ्तार सवालों के घेरे में है।

पुलिस खुद आरोपी को लेकर सर्राफा दुकान तक पहुंची, कड़ियां जोड़ीं...फिर भी मुख्य खरीददार पर हाथ हल्का क्यों?- इधर, सर्राफा व्यापारी खुद को बचाने के लिए हर दांव-पेच आजमाते नजर आ रहे हैंऔर उधर आम जनता पूछ रही हैः 'क्या कानून सिर्फ गरीब के लिए है? ' सूत्र ये भी बता रहे हैं कि जांच अभी जारी है और कई अन्य दुकानों से भी बरामदगी हो सकती है... यानी यह खेल और भी बड़ा हो सकता है। अब देखना होगा क्या पुलिस इस पूरे सिंडिकेट पर कड़ी कार्रवाई करती है,या फिर मामला दबा दिया जाएगा?

पृथ्वी दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई

बरेली। पूर्व माध्यमिक विद्यालय नवीनगर में बुधवार को पृथ्वी दिवस कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधानाचार्या रेनू गुप्ता ने पृथ्वी संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाश डालते हुए, छात्र- छात्राओं को शपथ दिलाई। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने पेंटिंग, निबंध प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छात्र- छात्राओं एवं शिक्षकों ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र- छात्राओं को पुरस्कार दिए गये।इस दौरान मनोहर लाल सागर, ऋचा सक्सेना, इफ़्फ़त महमूद समेत तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव ने काग़ज़ों पर स्ट्रीट लाइट लगवाकर किया फर्जीवाड़ा

● ग्राम पंचायत पलहनापुर में चक रोड पर मिटटी कार्य कराए बगैर कार्य पूर्ण दिखा सरकारी धन की लूट के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी विकासखंड विजुआ के अंतर्गत ग्राम पंचायत पलहनापुर में प्रधान और पंचायत सचिव की मिली भगत से कागजों पर विकास की गंगा बहाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किए जाने का मामला प्रकाश में आया है।भ्रष्टाचार का सनसनी खेज खुलासा करते हुए वन टांगिया के दर्जनों ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव पर गांव में स्ट्रीट लाइट लगवाए बिना ही फर्जी बिल वाउचर लगाकर 30 स्ट्रीट लाइटों का भुगतान निकाल कर हजम कर लिए जाने के गंभीर आरोप लगाए हैं ।ग्रामीणों का कहना है गांव में जो भी लाइट लगाई गई है वह बैंक के तरफ / सौजन्य से लगाई गई है। जो प्रधान और पंचायत सचिव के भ्रष्टाचार की पोल खोल रही हैं ।इतना ही नहीं पूर्व माध्यमिक विद्यालय पलहनापुर में बच्चों के लिए खेल मैदान का निर्माण कार्य नहीं कराया गया और कागजों में निर्माण कार्य दिखाकर भुगतान निकालकर बंदर बांट कर लिए जाने के आरोप प्रधान और पंचायत सचिव पर लगाए गए हैं। तथा मामले की जांच टीम गठित कर निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है।सूत्र बताते हैं गांव में एक चक रोड को पटवाए बगैर ही कागजों पर काम दिखाकर भुगतान निकाले जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है। ग्राम पंचायत पलहनापुर के दर्जनों नागरिकों ने ऑन कैमरा बताया कि ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव की मिली भगत से ग्राम पंचायत के विकास को आए सरकारी धन की लूट घसोंटकर खुद का विकास किया जा रहा है और निर्माण कार्य कागजों पर दर्शाया जा रहा है। हकीकत की जमीन पर कोई काम नहीं कराया गया है पलहनापुर में जो भी स्ट्रीट लाइट लगवाई गई है वह मानकों के विपरीत और घटिया किस्म की

लगवाई गई है। जो बंद पड़ी है। ग्रामीणों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर फर्जीवाड़ा कर सरकारी धन हडपने वाले मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग के साथ-साथ जांच में आरोप सिद्ध होने पर दोषी लोगों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने और सरकारी धन की रिकवरी कराए जाने की मांग की है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत अधिकारी ने बताया कि वन टांगिया में 30 स्ट्रीट लाइट लगवाई गई है। वही प्रधान जी दुध ही पी गए मट्ठा होने ही नहीं दिया बताया कि मुझे जानकारी नहीं है मैं पंचायत सचिव से बात करने के बाद ही कुछ बता पाऊंगा।

हाईवे हादसे में बुजुर्ग की मौत, परिवार के सिर से उठ गया साया, परिजनों में मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर-शाहजहांपुर। एक दर्दनाक सड़क हादसे में 73 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई, जिससे परिवार के सिर से उनका साया उठ गया और घर में कोहराम मच गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई। थाना क्षेत्र के गांव पुरायूं निवासी अधिवक्ता निर्दोष के पिता ओमकार रविवार की शाम पैदल घर लौट रहे थे। शायद उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि यह उनका आखिरी सफर साबित होगा। हाईवे पर गांव कपसेड़ा के पास पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए और बेहोश हो गए।घटना के बाद आसपास के लोगों ने मानवता का परिचय देते हुए उन्हें तुरंत बंथरा स्थित रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां कई दिन तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद बुधवार सुबह करीब 7 बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में सूचना पहुंचते ही पत्नी मोरकली का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बेटे निर्दोष और संतोष तथा बेटी ममता समेत पूरे परिवार का दर्द शब्दों में बयां करना मुश्किल है। जिस बुजुर्ग की मौजूदगी घर की सबसे बड़ी ताकत थी, उनके यूं अचानक चले जाने से हर आंख नम हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक जुगल किशोर पाल ने बताया कि तहरीर और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उधर, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश्वर सिंह यादव, महामंत्री राहुल देव सागर, संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रवण कुमार सिंह और महामंत्री संजीव कुमार सहित दोनों बार एसोसिएशनों के पदाधिकारियों ने अधिवक्ता निर्दोष के पिता के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

फिरोजाबाद के फॉर्म हाउस में चौकीदार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

(फिरोजाबाद)। गांव मुईनुद्दीनपुर के समीप स्थित फॉर्म हाउस में मंगलवार सुबह चौकीदार का शव पड़ा मिला। उसके चेहरे को फॉर्म हाउस में ही रहने वाले पालतू कुत्तों ने नोच कर खा लिया। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर जाकर जांच पड़ताल की। फिरोजाबाद के हनुमानगंज निवासी चूड़ी कारोबारी लकी वर्मा के फॉर्म हाउस पर मुईनुद्दीनपुर निवासी 50 वर्षीय शशिकपूर चौकीदारी करते थे। वह यहीं कमरे में रहते थे। वहां एक पालतू कुत्ता भी रहता है। सुबह सात बजे तक फार्म हाउस का गेट नहीं खुलने और शशिकपूर के दिखाई नहीं देने पर कुछ लोगों को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो गेट बंद था। किसी तरह पुलिस अंदर पहुंची तो शव चारपाई के नीचे पड़ा था। कुत्ते ने चेहरे को खा लिया था। पंजे के निशान भी पाए गए हैं। कुत्ता फॉर्म हाउस परिसर में मिला। उसके मुंह पर खून लगा था। घटना से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की भीड़ भी लग गई। शशिकपूर की पत्नी राजकुमारी अपने दोनों बच्चों के साथ पांच दिन पहले शुक्रवार को वाराणसी स्थित मायके गई थी।

डॉक्टर बी आर अम्बेडकर की प्रतिमा को कुछ अराजक व्यक्तियों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के कारण क्षेत्र में तनाव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ। जिला लखीमपुर खीरी (उ.प्र.) तहसील गोला के थाना मैलानी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मोतीपुर (बॉकेगंज) ग्रांट नं0 10 में 14 अप्रैल 2026 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान एक गंभीर विवाद उत्पन्न हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम स्थल पर स्थापित डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को कथित रूप से कुछ व्यक्तियों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। ग्रामीणों का आरोप है कि एक महिला चन्दा देवी द्वारा भूमि पर स्वामित्व का दावा करते हुए, पुलिस चौकी बॉकेगंज के इंचार्ज संतोष तिवारी के साथ मिलकर प्रतिमा को उखाड़कर फेंक दिया गया, जिससे वह पूरी तरह खंडित हो गई। इस घटना के बाद मौके पर उपस्थित लोगों में आक्रोश फैल गया और विरोध शुरू हो गया। आरोप यह भी है कि विरोध कर रहे ग्रामीणों पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया गया, जिसमें लाठीचार्ज की बात सामने आई है। कई लोगों के घायल होने तथा घरों में घुसकर मारपीट व तोड़फोड़ किए जाने के भी आरोप लगाए गए हैं। घटना के बाद से गांव में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस भूमि को लेकर विवाद बताया जा रहा है, उस पर वर्षों से अम्बेडकर जयंती सहित सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते रहे हैं और चन्दा देवी का उस भूमि से कोई संबंध नहीं है। पीड़ित पक्ष ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बहाल हो सके और पीड़ित परिवारों को न्याय मिल सके। प्रार्थिनी गणः निम्नबत हैं, सीमा देवी, कुसुमा देवी, अर्चना देवी, शशी देवी सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

फिरोजाबाद में बिजली टीम पर हमला: जेई को दौड़ाकर पीटा, 16 पर केस और एक गिरफ्तार

जसराना। गांव नगला गाज में मंगलवार दोपहर 12.30 बजे चेकिंग करने गई विद्युत विभाग की टीम को कुछ लोगों ने घेर लिया। इसके बाद दौड़ाकर उनकी पिटाई की। साथ ही पथराव और चाकू से हमला किया। अवर अभियंता की शिकायत पर पुलिस ने चार नामजद, 12 अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज कर एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। बझेरा बुजुर्ग सबस्टेशन पर तैनात अवर अभियंता महेंद्र प्रताप सिंह, प्रभारी जेई राजू गौड़, लाइनमैन नरेंद्र कुमार, वीरेश कुमार, समोद और लाल सिंह दोपहर में नगला गाज में चेकिंग करने पहुंचे थे। बड़े बकाएदारों के कनेक्शन काटने और बिजली चोरी करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू होते ही अफरातफरी मच गई। संविदा कर्मचारी ने 15 हजार से अधिक बिल बकाए पर चंद्रपाल का खंभे से कनेक्शन काट दिया। आरोप है कि इससे आक्रोशित चंद्रपाल ने स्वजन और मोहनलाल, मुकेश, अनिल और 10 अन्य ग्रामीणों के साथ मिलकर टीम को घेर कर अभद्रता, गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर लाठी, डंडों और सरिया से हमला करा दिया। पुलिस ने घायल जेई महेंद्र प्रताप सिंह और तकनीशियन राजू कुमार गौड़ को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

ए.पी.ओ.पर लग रहे फाइल पास करने के नाम पर रिश्वत खोरी के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी सबका साथ सबका विकास सरकार का नारा है मगर योजनाओं को पहुंचाना काम हमारा है। फाइल पास तभी होगी जब जेब हमारी गरम होगी ए.पी ओ.नकहा।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बिना चढ़ावा के विकास खंड नकहा में तैनात एपीओ प्रधानों की फाइलों को पास नहीं करते हैं द्य उक्त आरोप कई प्रधानों ने लगाये हैं। मामला विकास खंड नकहा का है जहां सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को ग्राम प्रधानों के द्वारा धरातल पर निर्माण कार्य कराने का कार्य कराया जाता है जिसके बाद कुछ कार्य ऐसे भी हो जाते हैं जिसमें अनिमियताएं भी बरती जाती हैं और घटिया सामग्री का भी प्रयोग किया जाता है ।मगर ऐसे में अगर बात की जाए ग्राम पंचायत अधिकारियों की तो उनकी अहम भूमिका रहती है। ग्राम पंचायत अधिकारी का ग्राम पंचायत में हर एक कार्य का विजिट करना होता है जिसके बाद ही प्रधान और सचिव के द्वारा कराए गए कार्यों का भुगतान किया जाता है।

क्या भ्रष्टाचार के मामले में और भी अधिकारी होते हैं शामिल? वही अगर बात की जाए विकासखंड नकहा मे तैनात ए.पी. ओ . की तो विकासखंड के अंतर्गत आने वाली सभी ग्राम पंचायतो के ग्राम प्रधानों की निर्माण कार्य किए जाने की फाइलों को पास करने के नाम पर मोटी रकम वसूली जाती है। यह जानकारी कुछ प्रधानों के द्वारा प्राप्त हुई है ऐसे में अगर देखा जाए तो ग्राम पंचायत में अगर भ्रष्टाचार भी हो रहा है तो वह पैसा देकर आसानी से फाइल पास हो सकती है ।लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब प्रधानों को फाइल पास करवाने के नाम पर मोटी रकम देनी ही है तो प्रधान करें भी तो करें क्या? आखिरकार विकासखंड नकहा में तैनात एपीओ साहब को किस अधिकारी का संरक्षण प्राप्त है आखिरकार साफ सुथरी छवि के मुख्य विकास अधिकारी की क्यों छवि खराब में करने में जुटे हैं ए.पी . ओ. नकहा चर्चा का विषय बना है। यदि मामले की हो निष्पक्ष जांच तो भ्रस्टाचार के इस खेल का पर्दाफाश होना तय होगा। मामला जांच का विषय बना है।

संक्षिप्त खबरें

आज शाम 4 बजे जारी होगा यूपी बोर्ड रिजल्ट

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

भदोही। माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के परिणाम घोषित करने की तिथि तय कर दी है। परिषद के सचिव भगवती सिंह द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, रिजल्ट 23 अप्रैल 2026 को शाम 4:00 बजे घोषित किया जाएगा। परीक्षार्थी अपना परिणाम परिषद की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन देख सकेंगे। परिणाम प्रयागराज स्थित परिषद मुख्यालय से जारी किया जाएगा। रिजल्ट को लेकर छात्रों और अभिभावकों में उत्सुकता चरम पर है।

लू से बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी, 21 से 26 अप्रैल तक हीटवेव की चेतावनी

भदोही। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भदोही ने भीषण गर्मी और लू के खतरे को देखते हुए जनपदवासियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) कुंवर वीरेन्द्र मौर्य ने लोगों से अपील की है कि वे लू से बचाव के उपाय अपनाकर सुरक्षित रहें। भारत मौसम विज्ञान विभाग, लखनऊ के अनुसार 21 से 26 अप्रैल तक जनपद में उष्ण लहर चलने की संभावना है। प्राधिकरण ने लोगों को दोपहर 12 से 4 बजे तक धूप में बाहर न निकलने, हल्के व ढीले कपड़े पहनने और सिर को गमछा, टोपी या छाते से ढककर रखने की सलाह दी है। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी, नींबू पानी, छाछ, लस्सी, बेल का शर्बत व ओआरएस का सेवन करने को कहा गया है। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं। एडवाइजरी में कहा गया है कि घर की खिड़कियों पर पर्दे या रिफ्लेक्टर लगाकर गर्म हवा को रोका जाए और अधिक गर्मी में निचली मंजिल पर रहें। धूप में खड़े वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोड़ने की हिदायत दी गई है। साथ ही नशीले पदार्थों व बासी भोजन से परहेज करने की सलाह दी गई है। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि हीट स्ट्रोक के लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी अस्पताल में संपर्क करें। किसी भी आपात स्थिति में सहायता के लिए 108 और 112 पर कॉल करने की अपील की गई है।

उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरियावा द्वारा अधिशासी अधिकारी को सड़क के बगल मिट्टी व पटरी हेतु दिया पत्रक

सुरियावा 22 अप्रैल 2026 बुधवार को सूर्यवान नगर के उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष अवधेश कुमार द्वारा नगर स्थित बघेल कटरा त्रिमुहानी से अटल चौराहा तक लोकनिर्माण विभाग द्वारा बनवाए गए सीसी रोड के दोनों साइड मिट्टी डालकर पटरी बनवाने नगर पंचायतअधिशासी अधिकारी सुरियावा को पत्रक दिया उन्होंने कहा कि इससे लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है बन जाने से लोगों को काफी राहत प्रदान होगी।

मीरजापुर मेडिकल कॉलेज में 30 करोड़ से बनेगा 300 बेड का हॉस्टल, पहली किस्त जारी

मीरजापुर। मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय पिपराडाड़ में शिक्षारत एमबीबीएस के छात्र- छात्राओं को जल्द ही हॉस्टल में रहने की सुविधा मिलने वाली है। लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से 300 बेड के बनने वाले हॉस्टल के भवन के लिए शासन की ओर से तीन करोड़ रुपये का बजट पहली किस्त के रूप में जारी कर दिए गए है। आठ मंजिला हॉस्टल के भवन निर्माण की जिम्मेदारी यूपीपीएल नामक कार्यदायी संस्था को सौंपी गई है। जो मई महीने से भवन का निर्माण करेगी। मेडिकल कॉलेज में इस समय पांच वर्ष तक के छात्र- छात्राएं एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे है। जिनको रहने के लिए परिसर में हॉस्टल की सुविधा प्रदान की गई है। वर्तमान में 240 बेड का हॉस्टल है। लगभग 260 छात्र -छात्राओं को अन्य आवासों में रहने की सुविधा प्रदान की गई है। इस समय एक से पांच वर्ष तक के छात्र - छात्राओं के आने के कारण इस समय 500 छात्र छात्राएं है। जिनको रहने के लिए 300 बेड का एक और हॉस्टल बनाया जाना है।इसके लिए कॉलेज प्रशासन की ओर से प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया था। जिसपर मंजूरी मिल चुकी है। हॉस्टल को लगभग 30 करोड़ रुपये से मनाया जाएगा। मेडिकल कॉलेज परिसर में 160 बेड का हॉस्टल 15 करोड़ 82 लाख 82 हजार से बनाया जाएगा। वहीं 12 करोड़ 98 लाख 11 हजार रुपये की लागत से छात्राओं के लिए 140 बेड का हॉस्टल बनेगा। इसमें छात्राओं के रहने के लिए कमरे व कपड़े आदि रखने के लिए आलमारी की सुविधा प्रदान की जाएगी।

सांसदों के 'अपमान' पर पीएम के खिलाफ़ प्रिविलेज नोटिस- 'सत्ता का खुला दुरुपयोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रिविलेज नोटिस यानी विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। विशेषाधिकार हनन का मतलब है कि संसद के सदस्य के अधिकारों का अपमान किया गया या गलत आरोप लगाया गया। कांग्रेस का आरोप है कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन में सांसदों की स्वतंत्रता और ईमानदारी पर उंगली उठाई और उनकी वोटिंग पर गलत मंशा बताई, जो संसद के नियमों का साफ़-साफ़ उल्लंघन है।

कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने मंगलवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को यह नोटिस भेजा। नोटिस में कहा गया है कि प्रधानमंत्री का 18 अप्रैल को राष्ट्र के नाम 29 मिनट का संबोधन 'सत्ता का खुला दुरुपयोग' है और यह संसद की गरिमा को ठेस पहुँचाता है। लोकसभा में 17 अप्रैल को संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026 पर वोटिंग हुई। यह विधेयक महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33% आरक्षण जल्द लागू करने और लोकसभा की सीटें बढ़ाकर 850 करने से जुड़ा था। लेकिन इसे दो-तिहाई बहुमत नहीं मिला। 528 सांसदों में से 298 ने पक्ष में और 230 ने विपक्ष में वोट किया। संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत ज़रूरी दो-तिहाई बहुमत न मिलने से विधेयक पास नहीं हो सका।

इसके अगले दिन यानी 18 अप्रैल की रात प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, समाजवादी पार्टी जैसे विपक्षी दलों पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने महिलाओं के अधिकारों की 'भ्रूण हत्या' कर दी है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि उन्होंने संकीर्ण राजनीति के कारण महिलाओं के सपनों को कुचल दिया।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस प्रिविलेज नोटिस को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है, 'मेरे लोकसभा में वरिष्ठ सहयोगी के.सी. वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। प्रधानमंत्री ने लोकसभा में अपनी बुरी योजना के विफल होने के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन दिया था। उन्हें इस हार की बिल्कुल उम्मीद नहीं थी। हार की वजह थी- पूरे विपक्ष का एकजुट होकर साथ खड़ा होना। प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को संबोधन हमेशा सिर्फ देश की एकता और लोगों में विश्वास बढ़ाने के लिए ही दिया जाता रहा है। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में खुलेआम पक्षपातपूर्ण और भड़काऊ भाषण दिया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर 59 बार अलग-अलग हमले किए। यह उनके प्रधानमंत्री काल पर एक और स्थायी दाग होगा।'

के.सी. वेणुगोपाल ने नोटिस में लिखा, 'प्रधानमंत्री ने विपक्षी सांसदों के वोटिंग पैटर्न पर सीधा टिप्पणी की और उनकी मंशा पर सवाल उठाया। सांसदों पर यह कहना कि उन्होंने संविधान की रक्षा नहीं की, बल्कि महिलाओं के साथ अन्याय किया- यह सांसदों की स्वतंत्रता और ईमानदारी पर अस्पष्ट टिप्पणी है।' उन्होंने आगे कहा, 'संसद की पुरानी परंपरा और अनुच्छेद 105 के तहत किसी भी सदस्य के आचरण या वोटिंग पर बाहर से टिप्पणी नहीं की जा सकती है, खासकर प्रधानमंत्री जैसे उच्च पद वाले व्यक्ति द्वारा। यह संसद की गरिमा और सांसदों के स्वतंत्र रूप से काम करने के अधिकार का उल्लंघन है।

मीरजापुर में विवाहिता की मौत के मामले में आरोपित पति और जेठ गिरफ्तार, भेजे गए जेल

चुनार (मीरजापुर)। चुनार कोतवाली क्षेत्र के रामगढ़ गांव में गुरुवार को वंदनी विश्वकर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटककर हुई मौत के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया। इस संबंध में कोतवाल विजयशंकर सिंह पटेल ने बताया कि वाराणसी के राजातालाब थाना क्षेत्र के बभनियाव निवासी मृतका के भाई मनीष विश्वकर्मा की तहरीर पर हत्या समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान रविवार को कोतवाल, अपराध निरीक्षक सत्येंद्र यादव, एसआई सरोज चौबे व शिवप्रकाश सिंह ने पुलिस टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर आरोपित पति सिंटू विश्वकर्मा और जेठ पुनवासी विश्वकर्मा पुत्र माता प्रसाद विश्वकर्मा निवासी रामगढ़ को सीखड़ ऑटो स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर छुपा कर रखा गया डंडा भी बरामद किया गया जिसका हत्या में प्रयोग किया गया था। आरोपित पति के विरुद्ध राजातालाब थाने में पहले भी मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

लिटिल फ्लावर स्कूल में हीट वेव व संचारी रोगों पर जागरूकता संगोष्ठी, 350 छात्र-छात्राएं हुए लाभान्वित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी उत्तर प्रदेश राज्य शाखा के निर्देशानुसार हीट वेव (लू) एवं संचारी रोगों को लेकर जागरूकता अभियान के तहत भदोही शाखा द्वारा खमरिया स्थित लिटिल फ्लावर स्कूल में स्वास्थ्य जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 350 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। मुख्य वक्ता के रूप में जिला संचारी रोग एवं मलेरिया अधिकारी डॉ. राम आसरे ने बच्चों को लू से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि अत्यधिक जरूरत होने पर ही घर से बाहर निकलें, बाहर निकलते समय चेहरे को ढकें, पर्याप्त पानी पिएं और लंबे समय तक धूप में रहने से बचें।

वहीं डिप्टी सीएमओ डॉ. रामपाल यादव ने संचारी रोगों से बचाव, टीकाकरण एवं मच्छरों से सुरक्षा के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने साफ-सफाई को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक बताते हुए आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने पर जोर दिया। कार्यक्रम में रेड क्रॉस सोसायटी के कार्यकारिणी सदस्य अरविंद भट्टाचार्य ने सभी का स्वागत किया, जबकि कोषाध्यक्ष हरेंद्र प्रताप सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रदेश स्तर पर चल रहे अभियानों की जानकारी दी। इस दौरान एम.आई. खान, सौरभ जायसवाल, अभय श्रीवास्तव, सरफराज आलम सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

आईजी आर.पी. सिंह ने किया पुलिस लाइन ज्ञानपुर का वार्षिक निरीक्षण, अपराध नियंत्रण पर दिए सख्त निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। विंध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर के पुलिस महानिरीक्षक आर.पी. सिंह ने दो दिवसीय दौरे के दौरान पुलिस लाइन ज्ञानपुर का वार्षिक निरीक्षण किया। आगमन पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद उन्होंने पुलिस लाइन परिसर की विभिन्न शाखाओं, कार्यालयों, शस्त्रागार, कैश कार्यालय, परिवहन शाखा, बैरक, मेस व अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आईजी ने अभिलेखों के सही रखरखाव, वाहनों के नियमित मेंटेनेंस, स्टोर सामग्री के सुव्यवस्थित संरक्षण तथा पुलिसकर्मियों के बैरक व आवास की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात सभागार में पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल समेत सभी क्षेत्राधिकारियों व थाना प्रभारियों के साथ अपराध व कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। उन्होंने प्रभावी गश्त, सघन चेकिंग और जीरो टॉलरेंस नीति के तहत एनडीपीएस, अवैध शराब, गो तस्करी, अवैध धर्मांतरण व महिला संबंधी अपराधों में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

आईजी ने टॉप-10 अपराधियों की निगरानी, लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा यूपी-112 के रिस्पांस टाइम को और कम करने पर जोर दिया। साथ ही बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों की सघन जांच और जनसुनवाई से जुड़े प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन के साथ शालीन व्यवहार बनाए रखते हुए छोटी से छोटी घटनाओं को भी गंभीरता से लिया जाए। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए कड़े निर्देश दिए गए।

महजूदा में कल होगी ग्रामीण सत्ता पंचायतीराज संगठन के प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। ग्रामीण सत्ता पंचायतीराज संगठन, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस के अवसर पर जनपद भदोही के विकासखंड सुरियावां स्थित ग्राम पंचायत सचिवालय महजूदा में प्रदेश कार्यकारिणी की प्रथम बैठक, शपथ ग्रहण एवं स्वागत समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में प्रदेश के करीब 50 से अधिक जनपदों से प्रदेश व मंडल स्तर के पदाधिकारी सहभागिता करेंगे।

आयोजन का मुख्य उद्देश्य संगठन की भावी कार्ययोजना तैयार करना तथा पंचायतीराज व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ठोस रणनीति बनाना है। कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त पदाधिकारी अपने दायित्वों के प्रति निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करने की शपथ लेंगे। साथ ही संगठन की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने और ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

संगठन के संस्थापक एवं अध्यक्ष विवेक चन्द्र अवस्थी ने बताया कि यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर सशक्त नेतृत्व तैयार करना और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देना संगठन का मुख्य लक्ष्य है

प्रदेश महासचिव राजमणि पांडेय ने जानकारी दी कि बैठक की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 51 जनपदों से इतने ही पदाधिकारियों की उपस्थिति प्रस्तावित है, जिससे यह आयोजन संगठन के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक कार्यक्रम साबित होगा। कार्यक्रम में संगठन विस्तार, आगामी अभियानों और पंचायत स्तर पर जनसमस्याओं के समाधान को लेकर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा।

मीरजापुर में ट्रक से कुचलकर मध्य प्रदेश के दो बरातियों की मौत, एक की हालत गंभीर

मीरजापुर। ड्रमंडगज के लहुरियादह गांव में ट्रक से कुचलकर बाइक सवार दो बतारियों की मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पीएचसी हलिया ले जाया गया। प्रारंभिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कालेज के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है। बाइक सवार तीनों युवक मध्य प्रदेश के चरैया व कचनार गांव में आयोजित शादी में शामिल होकर कोराव प्रयागराज के रास्ते मध्य प्रदेश जा रहे थे। मध्यप्रदेश के जिला रीवा स्थित थाना सोहगी क्षेत्र के बुदामा गांव के रहने वाले 57 वर्षीय लक्ष्मी नारायण पाल, अपने साथी 55 वर्षीय हरिशंकर पाल व रीवां के नेवढ़िया गांव के रहने वाले 18 वर्षीय अंकित कुमार पाल के साथ एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मध्य प्रदेश के कचनार व चरैया गांव में सोमवार रात आए थे। बताया गया कि वहां से शामिल होकर सुबह सभी अपने घर की ओर जा रहे थे। ड्रमंडगंज के लहुरियादह गांव के पास ट्रक की चपेट में आ गए। जहां लक्ष्मी नारायण व हरिशंकर पाल को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं अंकित घायल हो गया। हादसे के बाद पुलिस ने परिजनों को सूचित किया है।

मीरजापुर में भीषण हादसा, ट्रक की टक्कर से बोलेरो में लगी आग से सात लोग जिंदा जले; कार सवार की भी मौत

- ट्रक का ब्रेक फेल होने से भीषण टक्कर।

बोलेरो में आग लगने से आठ लोग जिंदा जले।

घटनास्थल पर देर से पहुंची फायर ब्रिगेड।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। वाराणसी-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग 135 ड्रमंडगंज बड़का मोड़ के पास बुधवार की रात लगभग नौ बजे चना लदे ट्रक का ब्रेक फेल होने पर कटेंनर को टक्कर मारते हुए बोलेरो व शिफ्ट डिजायर में टक्कर दिया। घटना के दौरान बोलेरो में डिवायडर से टकराने के कारण आग लग गई। इससे उसमें आठ लोग जिंदा जल गए।

वहीं दूसरी कार में भी एक दो लोगों की मौत हो गई। घटना के एक घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची और आग को बुझाई। जानकारी पर एसपी अपर्णा रजत कौशिक, सीओ लालगंज अमर बहादुर व लालगंज तथा हलिया थाने की फोर्स पहुंच गई।

बताया गया कि मध्य प्रदेश से बोलेरो सवार मीरजापुर की ओर आ रही थी। उसमें सवार सभी लोग बुरी तरह से जल गए है। कार भी पूरी तरह से जल गई। जिससे उनकी पहचान करने में दिक्कत आ रही है।

भारतीय रेलवे ने 2025-26 में 81 लाख 59 हजार पेड़ लगाए

- 2014 से अब तक 3.66 लाख बायो टॉयलेट 99.6% ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण एशिया संकट के बीच डीजल की खपत कम की।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। रेलवे की ज़मीन पर 109 तालाब, जलाशय और आर्द्रभूमि का जीर्णोद्धार 909 मेगावाट सौर ऊर्जा और 103 मेगावाट अतिरिक्त 3,300 मेगावाट परियोजनाओं के लिए समझौता किया गया। इसके अतिरिक्त, रेलवे पटरियों के किनारे वृक्षारोपण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को बांधने में मदद करती हैं, जिससे कटाव कम होता है और भूस्खलन को रोका जा सकता है, खासकर पहाड़ी और अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में। वनस्पति आवरण सतही अपवाह को नियंत्रित करता है और जल अवशोषण को बढ़ाता है, जिससे पटरियों के अस्थिर होने का खतरा कम होता है। प्रकृति-आधारित ये उपाय न केवल रेलवे संपत्तियों की रक्षा करते हैं बल्कि यात्रियों के लिए सुरक्षित और अधिक विश्वसनीय यात्राएं भी सुनिश्चित करते हैं।

जल: संचयन, पुनर्चक्रण, लेखापरीक्षा, पुनर्स्थापन

जल संकट हमारी सदी के सबसे बड़े संकटों में से एक है। भारतीय रेलवे, जो सैकड़ों धुलाई लाइनें, रखरखाव डिपो, खानपान सुविधाएं और यात्री सुविधाएं संचालित करता है और प्रतिदिन लाखों लीटर जल की खपत करता है, ने अपने सभी क्षेत्रों में जल उपयोग को कम करने के लिए सुनियोजित और ठोस कदम उठाए हैं। यह दृष्टिकोण व्यापक है: अपवाह में बह जाने से पहले वर्षा जल का संचयन करना, अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण करके उसे गैर-पेय उपयोग में लाना, जल खपत की लेखापरीक्षा करके अपशिष्ट की पहचान करना और रेलवे भूमि के भीतर दूषित जल निकायों का पुनर्स्थापन करना।

छतों पर वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच): जहां बारिश हो रही है, वहीं उसे इकट्ठा करना

2016-17 से भारतीय रेलवे ने सभी रेलवे जोन में कुल 8,313 छतों पर वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) संरचनाएं स्थापित की हैं। अकेले पिछले दो वर्षों में 2,915 नई संरचनाएं चालू की गई, जिनमें 2024-25 में जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) अभियान के तहत स्थापित 1,215 इकाइयां शामिल हैं, जो राष्ट्रीय जल संरक्षण मिशनों के साथ सक्रिय समन्वय को रेखांकित करती हैं। दक्षिण मध्य रेलवे 3,128 आरडब्ल्यूएच संरचनाएं स्थापित करके इस पहल में सबसे आगे है।

भारतीय रेलवे का वर्षा जल संचयन अवसंरचना दोहरे उद्देश्य की पूर्ति करता है, जो विशेष रूप से भीषण मौसम की घटनाओं के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। स्टेशनों और यार्डों पर स्थापित छत पर लगे जल संचयन तंत्र मानसूनी जल को एकत्रित और प्रवाहित करते हैं, जिससे एक ओर प्लेटफार्मों और आस-पास की पटरियों पर जलभराव को रोका जा सकता है, वहीं दूसरी ओर भूमिगत जलभंडारों का पुनर्भरण होता है। राजस्थान के जल संकटग्रस्त क्षेत्रों या दक्कन के वर्षा-छाया क्षेत्रों में, ये प्रणालियाँ परिचालन के लिए जीवन रेखा हैं। एकत्रित जल स्टेशनों की सुविधाओं जैसे शौचालयों, सफाई और बागवानी में उपयोग किया जाता है, जिससे टैंकर आपूर्ति और नगरपालिका जल कनेक्शनों पर निर्भरता कम हो जाती है, जो अक्सर दूरस्थ स्टेशनों पर अनुपलब्ध या अविश्वसनीय होते हैं।

जल पुनर्चक्रण संयंत्र

सभी ज़ोन में, भारतीय रेलवे ने कुल 185 जल पुनर्चक्रण संयंत्र (डब्ल्यूआरपी) चालू किए हैं। 2015-16 से पहले मौजूद 21 संयंत्रों के आधार से, चालू करने की प्रक्रिया निरंतर जारी रही है, और पिछला वित्तीय वर्ष अब तक का सबसे मजबूत वर्ष रहा है जिसमें 26 नए संयंत्र चालू किए गए हैं। उत्तरी रेलवे 27 संयंत्रों के साथ सभी ज़ोन में सबसे आगे है, उसके बाद मध्य रेलवे (21) और दक्षिणी रेलवे (20) का स्थान है। ये संयंत्र कोच धोने और यार्ड संचालन से निकलने वाले अपशिष्ट जल का उपचार करके उसे गैर-पेय उपयोगों जैसे स्टेशन सफाई, बागवानी और औद्योगिक प्रक्रियाओं में पुनः उपयोग के लिए तैयार करते हैं, जिससे दुर्लभ जलभंडारों और नगरपालिका प्रणालियों से ताजे पानी की निकासी कम होती है।

2025-26 में अब तक 310 लेखापरीक्षाएँ दर्ज की जा चुकी हैं, जो किसी एक वर्ष में सबसे अधिक हैं। दक्षिण मध्य रेलवे 442 लेखापरीक्षाओं के साथ सबसे आगे है, उसके बाद उत्तरी रेलवे (323) और पश्चिमी रेलवे (216) का स्थान आता है। इन लेखापरीक्षाओं के माध्यम से जल खपत के प्रमुख क्षेत्रों, पाइप रिसावों और प्रणाली की कमियों की पहचान की जाती है, जिससे जागरूकता को लक्षित बचत में परिवर्तित किया जा सके। मापन का अनुशासन सार्थक संरक्षण की नींव है।

भारतीय रेलवे ने 2024-25 में 2016-17 की तुलना में 178 करोड़ लीटर डीजल की बचत की, जो 62% की बचत है, जिससे कच्चे तेल पर आयात निर्भरता कम हो गई है। पश्चिम एशिया संकट के बीच यह भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता को सीधे तौर पर कम करता है। डीजल से घरेलू स्तर पर उत्पादित बिजली की ओर धीरे-धीरे बढ़ते हुए, जो नवीकरणीय स्रोतों से अधिकाधिक प्राप्त की जा रही है, रेलवे ने वैश्विक तेल बाजार की अस्थिरता से अपने संचालन को प्रभावी ढंग से अलग कर लिया है। विद्युत कर्षण (इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन) को बायोडीजल जैसे विकल्पों की तुलना में कहीं अधिक लागत प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल पाया गया है, जिससे यह न केवल एक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प है, बल्कि आर्थिक रूप से भी जिम्मेदार विकल्प है।

बायो-टॉयलेट: रेल पर पर्यावरण-अनुकूल स्वच्छता

भारतीय रेलवे ने 2014 से यात्री डिब्बों में 3.66 लाख से अधिक बायो-टॉयलेट लगाकर पर्यावरण स्थिरता और यात्री स्वच्छता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस पहल ने रेलवे ट्रैक पर मानव मल के सीधे निर्वहन को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है, जिससे स्वच्छ स्टेशन, बेहतर स्वच्छता और लाखों यात्रियों के लिए अधिक स्वच्छ यात्रा अनुभव सुनिश्चित हुआ है। बायो-टॉयलेट प्रणाली सूक्ष्मजीव क्रिया पर आधारित स्वदेशी तकनीक का उपयोग करके मानव मल को पानी और गैसों में विघटित करती है, जिससे पर्यावरणीय प्रदूषण और दुर्गंध में काफी कमी आती है और पूरे नेटवर्क में स्वच्छता बनी रहती है।

यह पहल मिट्टी और ट्रैक के संदूषण को रोककर, रेलवे संपत्तियों के क्षरण को कम करके और पर्यावरण-अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रत्यक्ष उत्सर्जन को शून्य करके और टिकाऊ स्वच्छता प्रथाओं का समर्थन करके, भारतीय रेलवे यात्रियों के आराम को बेहतर बनाते हुए स्वच्छ पारिस्थितिकी तंत्र और हरित भविष्य में योगदान दे रहा है।

नवीकरणीय ऊर्जा: सूर्य और पवन से भविष्य को शक्ति प्रदान करना

भारतीय रेलवे ने नवीकरणीय ऊर्जा को अपनी दीर्घकालिक परिचालन रणनीति का आधार बनाया है। दिसंबर 2025 तक, पूरे नेटवर्क में लगभग 909 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र और 103 मेगावाट के पवन ऊर्जा संयंत्र चालू हो चुके हैं। पहले से चालू संयंत्रों के अलावा, रेलवे ने राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के डेवलपर्स के साथ सौर, पवन और हाइब्रिड चौबीसों घंटे (आरटीसी) व्यवस्थाओं सहित 3,300 मेगावाट की अतिरिक्त नवीकरणीय क्षमता के लिए समझौते किए हैं, जिससे दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वच्छ ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। यह दीर्घकालिक, स्थिर मूल्य वाली हरित खरीद की ओर एक सुनियोजित बदलाव को दर्शाता है।

एलईडी प्रकाश व्यवस्था: एक कुशल रूप से प्रकाशित नेटवर्क

भारतीय रेलवे ने अपने कार्यालयों, रेलवे स्टेशनों, सेवा भवनों और आवासीय कॉलोनियों में 100% एलईडी प्रकाश व्यवस्था स्थापित कर ली है। यह एक व्यापक परिवर्तन है जो दूरस्थ स्टेशनों से लेकर देश के सबसे बड़े जंक्शनों तक हजारों स्थानों तक फैला हुआ है।

यूपी में शादी के एक दिन पहले दूल्हा फरार, दूसरा हुआ बीमार; तीसरे से शादी के बाद भी नहीं हुई दुल्हन की विदाई

मीरजापुर। देहात कोतवाली के एक गांव की एक युवती की शादी कछवां बड़का गोदाम के एक युवक से तय हुई थी। 20 अप्रैल को दोनों की शादी होनी थी। दोनों पक्षों की ओर से धूमधाम से शादी करने के लिए तैयारियां की जा रही थी। रिश्तेदार भी दुल्हे व दुल्हन के घरों के आ चुके थे। इसी बीच दूल्हा शादी के एक दिन पहले ही 19 अप्रैल को घर से फरार हो गया। इसकी खबर लगते ही लड़का व लड़की पक्ष के लोगों पूरे दिन व रात दुल्हे को खोजते रहे, लेकिन वह नहीं मिला। शाम को दोनों पक्षों ने बातचीत की तो दुल्हे के पिता ने लड़की पक्ष को बताया कि उनका बेटा भाग गया है। नहीं मिल रहा है। इसलिए वह दूसरे लड़के से उसकी शादी कर रहे हैं। लड़की पक्ष के लोग मान भी गए। तभी दूसरा दूल्हा भी बीमार हो गया। यह देखकर सब परेशान हो गए। सोचा कि अब क्या होगा। आनन फानन में तीसरे दुल्हे की खोजबीन की गई और शादी की बात तय की गई। इसके बाद युवती के घर 20 अप्रैल को ही बरात आई। शादी भी हुई, लेकिन दुल्हन की विदाई नहीं कराई गई। जिसके चलते युवती आज भी शादी होने के बावजूद अपने मायके में है। इससे आहत युवती के स्वजन ने डीएम व एसपी से मामले की शिकायत कर ससुराल पक्ष पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। एसपी ने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

बृहस्पतिवार को आएगा यूपी बोर्ड का रिजल्ट, छात्रों का इंतजार खत्म

हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम आधिकारिक वेबसाइट पर होंगे जारी।

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित हाईस्कूल(10वीं) और इंटरमीडिएट (12वीं) परीक्षा के परिणाम कल घोषित किए जाएंगे। इस घोषणा के साथ ही प्रदेश भर के लाखों छात्र-छात्राओं का लंबे समय से चल रहा इंतजार आखिरकार खत्म होने जा रहा है। बोर्ड की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, परिणाम जारी होते ही छात्र आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट आसानी से देख सकेंगे। इसके लिए विद्यार्थियों को अपना रोल नंबर और अन्य आवश्यक विवरण दर्ज करना होगा। इस वर्ष यूपी बोर्ड की परीक्षाएं निर्धारित समय पर आयोजित की गई थीं, जिनमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों ने भाग लिया था। परीक्षा समाप्त होने के बाद से ही छात्र अपने परिणाम को लेकर उत्सुक नजर आ रहे थे। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार भी परिणाम का स्तर संतुलित रहने की उम्मीद है। वहीं, कई स्कूलों में रिजल्ट को लेकर तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं। रिजल्ट घोषित होने के बाद छात्र अपनी मार्कशीट डाउनलोड कर सकेंगे, जबकि मूल अंकपत्र बाद में संबंधित विद्यालयों से प्राप्त होंगे।

पृथ्वी दिवस पर 'शहीदों के सपनों की धरती को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी

प्रयागराज। पृथ्वी दिवस के अवसर पर अमर शहीद झूरी सिंह के पपौत्र समाजसेवी डॉ रामेश्वर सिंह ने भावनात्मक और प्रेरणादायक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिस मिट्टी के लिए हमारे पूर्वजों ने अपने प्राण न्योछावर किए, उसकी रक्षा करना आज हर नागरिक का कर्तव्य है। डॉ0 सिंह ने कहा कि पृथ्वी दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आत्ममंथन का दिन है। 'आज हम जिस तेजी से प्रकृति का दोहन कर रहे हैं, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को खतरे में डाल रहा है। यदि समय रहते हम नहीं चेते, तो इसके दुष्परिणाम बहुत गंभीर होंग। उन्होंने कहा कि अमर शहीद झूरी सिंह जैसे वीरों ने देश की आज़ादी के लिए बलिदान दिया, और अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस आज़ाद देश की धरती को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित रखें। 'देशभक्ति केवल सीमा पर ही नहीं, बल्कि अपने पर्यावरण की रक्षा में भी दिखाई देनी चाहिए,' डॉ0 सिंह ने लोगों से अपील की कि वे प्लास्टिक का उपयोग कम करें, जल स्रोतों की रक्षा करें और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों और युवाओं द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए शपथ भी दिलाई गई।

खुसरो बाग गेट पर बवालः दुकानदारों और ई-रिक्शा चालकों में जमकर मारपीट, युवक ने फोड़ा सिर

प्रयागराज। खुसरो बाग गेट के सामने बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दुकानदारों और ई-रिक्शा चालकों के बीच मामूली विवाद ने अचानक उग्र रूप ले लिया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और करीब 15 मिनट तक सड़क पर जमकर लात-घूंसे चले। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद की शुरुआत सवारी बैठाने और रास्ता घेरने को लेकर हुई थी। पहले कहासुनी हुई, लेकिन कुछ ही देर में मामला हाथापाई में बदल गया। दोनों पक्षों के कई लोग एकत्र हो गए और एक-दूसरे पर हमला करने लगे। मारपीट के दौरान एक युवक ने दुकानदार पर किसी ठोस वस्तु से हमला कर दिया, जिससे उसका सिर फट गया और वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। घायल दुकानदार को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत अस्पताल भेजा गया। बीच सड़क पर हुए इस हंगामे के कारण कुछ समय के लिए यातायात पूरी तरह बाधित हो गया और लंबा जाम लग गया। राहगीरों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों पक्षों के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

ईमानदारी से प्रशासनिक सेवा निभाएं, विकसित भारत का सपना साकार करें- केशव मौर्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार को आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह-2026' में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने यूपीपीएससी-2024 में सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित किया। संस्कृति आईएएस संस्थान द्वारा आयोजित इस समारोह में मेधावी छात्रों को मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे ईमानदारी, पारदर्शिता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य को साकार किया जा सके।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को ध्यान में रखते हुए संस्थान द्वारा मात्र ?1 में शुरू किए गए 'फंडामेंटल कोर्स' की उन्होंने विशेष सराहना की और इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल बताया।

समारोह में उपस्थित सांसद प्रवीण पटेल, विधायक दीपक पटेल और निर्मला पासवान सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भी सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्थान के निदेशक अखिल मूर्ति और वरिष्ठ शिक्षकों की उपस्थिति में कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस दौरान सफल अभ्यर्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत, अनुशासन और मार्गदर्शकों के उचित निर्देशन को दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और अभिभावक मौजूद रहे।

अक्षयवट में बागेश्वर धाम सरकार के दिव्य दर्शन, संगम नगरी में उमड़ा श्रद्धा का सागर

प्रयागराज। धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने पवित्र अक्षयवट में दिव्य दर्शन और पूजन-अर्चन किया इस दौरान धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने विधिवत पूजन-अर्चन कर देश और समाज के कल्याण की कामना की। उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सनातन धर्म के महत्व, आस्था की शक्ति और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए थे।

महाविद्यालय में व्याख्यान एवं पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, में बुधवार को प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश की अध्यक्षता में भाषा, संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ के अंतर्गत हिंदी विभाग एवं समाजशास्त्र विभाग द्वारा शिक्षा, समाज एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।जिसके मुख्य वक्ता निदेशक,गोविंद बल्लभ पंत संस्थान, झूंसी, प्रयागराज, प्रोफेसर योगेंद्र प्रताप सिंह रहे। वक्ता ने अपने वक्तव्य में शिक्षा और समाज पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग वर्तमान समय में आवश्यक है किंतु इसका बुद्धिमता पूर्ण उपयोग करें तभी यह हमारे लिए लाभदायक सिद्ध होगा। प्राचीन समाज के रोचक उदाहरणों सहित मुख्य वक्ता ने छात्र-छात्राओं को विस्तार से समझाया। लोकभारती प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने लाभ उठाया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की डॉ अर्चना राय व विषय प्रवर्तन तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ जयराम त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर सुरेश जैन, प्रोफेसर नीतू सिंह, प्रोफेसर भास्कर शुक्ला, डॉ अवधेश कुमार आर्य, डॉ अर्चना सिंह, डॉ नीति सिंह, डॉ अमित मिश्रा डॉ संदीप सामंत सिंह, डॉ ऋषि प्रताप सिंह,डॉ नूर फातिमा,डॉ निरुपमा यादव,डॉ राजेश यादव, श्री अजय मिश्रा समेत महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रयागराज के स्त्रह हॉस्पिटल से पुलिस को चकमा देकर रेप का आरोपी फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। शहर के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल (SRN) से एक सनसनीखेज मामला सामने आया, जहां रेप का आरोपी पुलिस सुरक्षा के बावजूद फरार हो गया। आरोपी के भागने की पूरी घटना अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, आरोपी को प्रतापगढ़ जिले के मानिकपुर इलाके से गिरफ्तार किया गया था। उस पर आरोप है कि उसने डेढ़ वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म जैसी जघन्य वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था।

पुलिस आरोपी को मेडिकल प्रक्रिया और डीएनए टेस्ट के लिए प्रयागराज के स्त्रह अस्पताल लाई थी। बताया जा रहा है कि मंगलवार शाम किसी मौके का फायदा उठाकर आरोपी पुलिसकर्मियों को चकमा देकर अस्पताल परिसर से फरार हो गया। फरारी के दौरान आरोपी की गतिविधियां अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई हैं। वीडियो फुटेज में आरोपी को तेजी से भागते हुए देखा गया है, जिससे पुलिस को उसकी पहचान और लोकेशन ट्रैक करने में मदद मिल रही है।

घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। प्रयागराज और प्रतापगढ़ की संयुक्त पुलिस टीमें आरोपी की तलाश में लगातार दबिश दे रही हैं। संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है और आसपास के इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही इस मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

550 ग्राम हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, कार जब्त

प्रयागराज। थाना नवाबगंज की एंटी नारकोटिक्स टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मंसूराबाद के पास हाईवे पर घेराबंदी कर दो हेरोइन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से करीब 550 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, दोनों तस्कर कार के जरिए हेरोइन की डिलीवरी देने जा रहे थे। मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर एंटी नारकोटिक्स टीम ने मंसूराबाद हाईवे पर जाल बिछाया और संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से भारी मात्रा में हेरोइन बरामद हुई, जिसके बाद दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार को भी जब्त कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों से तस्करी के नेटवर्क और अन्य साथियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है।

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर धरा का किया गया जलाभिषेक

● धरती सुरक्षित तो मानवता सुरक्षित बिन अर्थ (पृथ्वी),सब व्यर्थ -स्वामी चिदानन्द सरस्वती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी प्रयागराज। बुधवार को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर परमार्थ त्रिवेणी पुष्प,अरैल, प्रयागराज में प्रकृति, पर्यावरण एवं जल संरक्षण को समर्पित एक प्रेरणादायी जलाभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती का प्रेरणादायी उद्बोधन हुआ। कार्यक्रम में पद्मश्री एवं पद्मभूषण से सम्मानित प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, संजय स्वामी, राष्ट्रीय सह संयोजक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली, स्वामी वेद विद्यानन्द जी, योगी शुक्राई नाथ जी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों, पूज्य संतों, समाजसेवियों, शिक्षाविदों एवं पर्यावरणविदों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने अपने आशीर्वचन में कहा कि पृथ्वी केवल ग्रह नहीं, हमारी माता है। पृथ्वी केवल संसाधनों का भंडार नहीं, बल्कि समस्त जीवन का आधार है। यदि धरती सुरक्षित है, तो मानवता, संस्कृति, सभ्यता और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित है। जल, जंगल, जमीन और जीवन ये सब एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। यदि हम पृथ्वी को बचाना चाहते हैं तो हमें जल संरक्षण, वृक्षारोपण और सतत जीवनशैली को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। हमारे वेदों, उपनिषदों और सनातन परंपरा में पृथ्वी, नदियों, पर्वतों और वृक्षों को देवतुल्य सम्मान दिया है।स्वामी जी ने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि हर व्यक्ति अपने जीवन में जल बचाने, प्लास्टिक मुक्त जीवन अपनाने, वृक्ष लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु व्यक्तिगत संकल्प ले।

उन्होंने कहा कि बिन अर्थ (पृथ्वी), सब व्यर्थ। यह सम्पूर्ण जीवन का शाश्वत सत्य है। यदि पृथ्वी न हो, तो न जीवन होगा, न जल होगा, न वायु होगी, न अन्न होगा और न ही यह सुंदर संसार होगा। हमारी हर साँस, हर धड़कन, हर आशा और हर भविष्य पृथ्वी पर ही आधारित है। इसलिए पृथ्वी का संरक्षण केवल पर्यावरण की बात नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।पद्मश्री एवं पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी जी ने कहा कि पृथ्वी को बचाने का समय अभी है। यदि हमने आज प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें क्षमा नहीं करेंगी। उन्होंने युवाओं से विज्ञान, संस्कार

और संवेदनशीलता के साथ पर्यावरण संरक्षण में आगे आने का आह्वान किया।महापौर गणेश केशरवानी ने प्रयागराज को स्वच्छ, हरित बनाने के लिए नगर निगम द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

संजय स्वामी ने शिक्षा के माध्यम से पर्यावरण चेतना को जन-जन तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम के अंतर्गत पवित्र जल से पृथ्वी एवं प्रकृति के प्रतीक स्वरूप जलाभिषेक किया गया तथा सभी ने मिलकर 'धरती बचाओ, जल बचाओ, भविष्य बचाओ' का संकल्प लिया। इस दिव्य अवसर पर अशोक मेहता, अपर महाधिवक्ता, विधायक जवाहर लाल राजपूत,प्रो कपिलदेव मिश्रा पूर्व कुलपति रानीदुर्गावती, प्रो राजाराम यादव, पूर्व कुलपति, अनामिका चौधरी, सुबेदार इमृतलाल, गंगा टास्कफोर्स, न्यायमूर्ति सुधीरनारायण अग्रवाल, स्वामी मदनगोपाल दास जी और अनेक विभूतियों की उपस्थिति रही।

पृथ्वी दिवस के अवसर विभिन्न कार्यक्रम का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के आदेशानुसार जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सत्य प्रकाश त्रिपाठी के निर्देशानुसार द्वारका प्रसाद गर्ल्र्स इण्टर कालेज, प्रयागराज में पृथ्वी दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन प्रदीप्ति सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में द्वारका प्रसाद गर्ल्स इण्टर कालेज, प्रयागराज की प्रधानाचार्य, डा0 रंजना पाण्डेय द्वारा साक्षरता शिविर में उपस्थित समस्त छात्राओं को पृथ्वी दिवस के अवसर पर, पृथ्वी की उपयोगिता एवं उसकी विविधता के बारे में जानकारी प्रदान की गयी।

प्रदीप्ति सिंह, सचिव, ने भी छात्राओं को बताया गया कि पृथ्वी दिवस 1970 से मनाया जाता है, हर साल पृथ्वी दिवस की एक खास थीम होती है। 2026 की थीम पर्यावरण संरक्षण,क्लाइमेट, क्लाइमेट एक्शन, सस्टेनेबल लाइफस्टाइल को बढावा देना है। हमारी शक्ति,हमारा ग्रह '। श्री देवेश शुक्ला, मध्यस्थ द्वारा समस्त छात्राओं को विधिक जानकारी प्रदान की गयी। सुश्री अंजली यादव व आशीष कुमार पराविधिक स्वयं सेवको द्वारा उपस्थित छात्राओं को पृथ्वी दिवस के अवसर पर व्याख्यान देते हुए जागरूक किया गया। इस अवसर पर रेनू सिंह, मध्यस्थ व अन्य अध्यापिकायें भी उपस्थित थी।

पृथ्वी दिवस के अवसर पर राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (बालिका) में बालिकाओं के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें समस्त बालिकाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। समस्त बालिकाओं द्वारा पृथ्वी दिवस पर अच्छी पेण्टिंग बनायी गयी। प्रदीप्ति सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज द्वारा अधीक्षिका, राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (बालिका) व अध्यापिका के सहयोग से चित्रकला प्रतियोगिता में समस्त प्रविष्टियों में से प्रथम स्थान चयनित किया गया। प्रथम स्थान पर आने वाली बालिका व प्रतियोगिता में भाग लेने वाली समस्त बालिकाओं को प्रदीप्ति सिंह, सचिव,ने पुरस्कृत किया गय।

जिला कारागार, नैनी, प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम मे उपस्थित समस्त जेल पराविधिक स्वयं सेंवकों व अन्य निरूद्ध बन्दियों को विधिक जानकारी प्रदान करते हुए, पृथ्वी दिवस की उपयोगिता के बारे मे अवगत कराया गया। इस अवसर पर कारागार सुपरिटेन्डेन्ट, डिप्टी जेलर, जिला कारागार व अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

भारतीय शिक्षा बोर्ड में नई शिक्षा नीति, कौशल विकास में दक्षता संग बच्चे प्रयागराज में सीख रहे तीन भाषा

प्रयागराज। भारतीय शिक्षा बोर्ड ने पहल करते हुए वर्तमान सत्र से पूरी तरह से नई शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षण कराने का निर्णय लिया है। जनपद के 10 स्कूल इस बोर्ड से संबद्ध हैं। वहां भारतीय शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई हो रही है। नई शिक्षा नीति के तहत कक्षा 10 तक तीन भाषा प्रणाली लागू है, हालांकि कक्षा नौ और दस में तीसरी भाषा अनिवार्य नहीं है। विद्यार्थियों को विज्ञान, गणित, कंप्यूटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और विभिन्न कौशल केंद्रित विषयों को भी पढ़ाने की शुरुआत हो चुकी है। नई शिक्षा नीति के तहत शहर के विद्यालयों में हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू जैसी भाषाएं पढ़ाई जा रही हैं। विद्यार्थी अन्य भाषाएं भी चुन सकते हैं। कक्षा नौ से ही विद्यार्थियों को सीसीसी और ओ लेवल जैसे कंप्यूटर कोर्स भी कराए जा रहे हैं। बोर्ड का लक्ष्य है कि विद्यार्थी शुरू से किसी न किसी कौशल से युक्त हों। बोर्ड के उत्तर प्रदेश पूर्व समन्वयक बृजमोहन ने बताया कि बीएसबी का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास पर केंद्रित है। आत्मनिर्भरता, मानवीय मूल्यों और जीवनोपयोगी विषयों को शामिल किया गया है। शिक्षा को सैद्धांतिक न रखकर अनुभवजन्य बनाया गया है।

होमगार्ड एनरोलमेंट-2025 परीक्षा को लेकर चितापूर्ण व शांतिपूर्ण आयोजन के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश होमगार्ड एनरोलमेंट-2025 की आगामी परीक्षा को सकुशल, निर्विघ्न, शुचितापूर्ण एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के उद्देश्य से रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित त्रिवेणी सभागार में एक महत्वपूर्ण डीब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता पुलिस आयुक्त प्रयागराज एवं जिलाधिकारी प्रयागराज द्वारा संयुक्त रूप से की गई। बैठक के दौरान परीक्षा की संपूर्ण व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, परीक्षा केंद्रों की निगरानी तथा अभ्यर्थियों की सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं निष्पक्ष होनी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी की संभावना न रहे। पुलिस आयुक्त ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही, संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त निगरानी रखने के लिए विशेष टीमें गठित करने पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया

कि परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन सुचारू रूप से संचालित हो।

डीब्रीफिंग में उपस्थित अधिकारियों को परीक्षा के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने तथा आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने की हिदायत दी गई। इसके साथ ही, नकल रोकने के लिए सख्त कदम उठाने और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर पुलिस एवं प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे, जिन्होंने परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु अपने-अपने दायित्वों को गंभीरता से निभाने का संकल्प लिया।

जिलाधिकारी ने यूरिया प्लांट फूलपुर का लिया जायजा, दिए आवश्यक दिशा- निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा बुधवार को फूलपुर स्थित इफ्को यूरिया प्लांट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने यूरिया प्लांट, अमोनिया प्लांट एवं नैनो यूरिया प्लांट प्रोडक्शन यूनिट का भ्रमण कर निरीक्षण करते हुए प्लांट की उत्पादन क्षमता, पर्यावरण एवं सुरक्षा मानकों का अनुपालन, आपदा प्रबंधन, श्रमिक सुरक्षा मानक सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों से यूरिया व नैनो यूरिया के प्रोडक्शन व मांग की जानकारी लेते हुए नैनो यूरिया की मांग में विगत वर्षो में कितनी वृद्धि हुई है तथा मांग के सापेक्ष पर्याप्त भण्डारण के बारे में जानकारी ली। उन्होंने नैनो यूरिया के उपयोग से होने वाले लाभों का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार कराने के लिए कहा। उन्होंने फायर सेफ्टी, इमरजेंसी शटडाउन सिस्टम एवं लीक डिटेक्शन सिस्टम की जानकारी लेते हुए श्रमिकों की समय-समय पर सेफ्टी टेऊनिंग कराये जाने तथा उनके लिए गैस मास्क भी रखने के लिए कहा है।

उन्होंने ईटीपी प्लांट का निरीक्षण करते हुए पर्यावरण सुरक्षा के लिए उत्सर्जन को मानक सीमा में रखने एवं ग्रीन बेल्ट बढ़ाये जाने हेतु सघन वृक्षारोपण कराये जाने व जलशोधन के पश्चात ही लिक्विड डिस्चार्ज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि प्लांट से निकलने वाले किसी भी प्रकार के लिक्विड एवं सॉलिड वेस्ट से स्थानीय लोगो को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने प्लांट की रियल टाइम एमिशन मानीटरिंग की व्यवस्था करने के लिए कहा है।। श्रमिकों के लिए कैंटीन, प्राथमिक उपचार केन्द्र व पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी फूलपुर जूही प्रसाद, तहसीलदार फूलपु सुरेश चन्द्र सहित इफ्को प्लांट के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

फूलपुर पुलिस की कार्रवाईः चोरी के 6 स्टील टब बरामद, दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

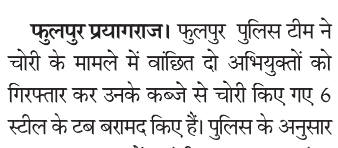

फुलपुर प्रयागराज। फुलपुर पुलिस टीम ने चोरी के मामले में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किए गए 6 स्टील के टब बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार थाना फूलपुर में पंजीकृत मु0अ0सं0-126/2026, धारा 305(ए) भा0न्या0सं0 से संबंधित मामले में वांछित अभियुक्त ज्ञानचन्द्र (32) पुत्र सन्तलाल निवासी ग्राम खोजापुर तथा नीरज कुमार (22) पुत्र अरविंद कुमार निवासी ग्राम कुतुबपट्टी अहियापुर को बुधवार को सरायलिली-खोजापुर मार्ग के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान उनके पास से चोरी के 6 स्टील टब बरामद हुए। पूछताछ में सामने आया कि दोनों अभियुक्तों ने 19 अप्रैल 2026 को थाना फूलपुर क्षेत्र में स्थित एक बर्तन गोदाम से चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। इस संबंध में वादी की तहरीर पर मामला दर्ज किया गया था। बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) भा0न्या0सं0 की बढ़ोतरी करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि फूलपुर थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों में कई चोरियों की घटनाएं हुई थी लेकिन आरोप है कि पुलिस ने मुकदमा ही नहीं दर्ज की थी जिससे चोरों का मनोबल बढ़ रहा था। और बड़ी चोरी कर लिए थे।पुलिस तब हरकत में आई।

पश्चिम बंगाल-तमिलनाडु में थमा चुनाव प्रचार, 23 अप्रैल को मतदान, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से 48 घंटे पहले मंगलवार शाम को चुनाव प्रचार थम गया। पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 152 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होनी है, जबकि तमिलनाडु में सभी 234 सीटों के लिए मतदान होने हैं। इसको लेकर चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। यहां तक कि सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

चुनाव प्रचार थमने से पहले दोनों राज्यों में शीर्ष नेताओं और उम्मीदवारों ने समर्थकों को आकर्षित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वहीं, चुनाव प्रचार थमने के बाद अब कोई भी राजनीतिक दल अपने उम्मीदवार के समर्थन में जनसभा या रैली नहीं कर सकेगा। पश्चिम बंगाल की तो यहां इस बार दो चरणों में चुनाव संपन्न कराया जाना है। पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान होना है। इस चरण में कुल 1,478 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वहीं, तीन करोड़ 60 लाख 77 हजार 171 मतदाता उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला

करेंगे। इन मतदाताओं में एक करोड़ 75 लाख 77 हजार 210 महिलाएं अपने मत का इस्तेमाल करेंगी। आरक्षण को लेकर बने माहौल के बीच इस बार पश्चिम बंगाल में महिलाओं की भूमिका काफी अहम मानी जा रही है।

बंगाल में पहले चरण में जहां मतदान होने हैं, उनमें उत्तर बंगाल के आठ, दक्षिण बंगाल के तीन और जंगलमहल अंचल के पांच जिले शामिल हैं।इनमें मुर्शिदाबाद की 22, कूचबिहार की 9, जलपाईगुड़ी की 7, अलीपुरद्वार की 5, कलिंपोंग की एक, दार्जिलिंग की 5, उत्तर दिनाजपुर की 9, दक्षिण दिनाजपुर की 6, मालदा की 12, बीरभूम की 11, पश्चिम ब?र्द्धमान की 9, पूर्व मेदिनीपुर की 16, पश्चिम मेदिनीपुर की 15, झारग्राम की 4, पुरुलिया की 9 और बांकुड़ा की 12 सीटें शामिल हैं।

तमिलनाडु राज्य में सभी सीटों पर एक चरण में ही चुनाव संपन्न कराया जाना है। 23 अप्रैल को ही सभी 234 सीटों पर मतदान होना है।

तमिलनाडु में इस बार 4,023 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव में कुल 5.73 करोड़ मतदाता अपने मत का इस्तेमाल कर उम्मीदवारों की किस्मत लिखेंगे। इस बार चुनाव में सबकी निगाहें अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके पर टिकी हैं, क्योंकि कई सीटों पर उनको लोगों का काफी समर्थन मिल रहा है, इसलिए चुनाव में उनकी भूमिका काफी अहम हो सकती है।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार का कहरः पेड़ से टकराई बाइक, 17 वर्षीय किशोर मुर्मू की दर्दनाक मौत

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- नारायणपुर थाना क्षेत्र के भगाबान्ध गांव के समीप मंगलवार देर रात करीब 11:30 बजे एक भीषण सड़क हादसे में 17 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान करमोई गांव निवासी किशोर मुर्मू (पिता - होपना मुर्मू) के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, किशोर अपने एक रिश्तेदार के घर से वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल नारायणपुर थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, नारायणपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

नारायणपुर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- टेन प्लस टू उच्च विद्यालय नारायणपुर में आयोजित जेम्स के परियोजना के तहत शिक्षकों के प्रशिक्षण का समापन हुआ। जेम्स के प्रखंड समन्वयक रामरूप सिंह ने कहा कि यहां बताए गए तथ्यों को अमल लाकर लाभ देना है। शिक्षा विभाग के तत्वाधान में संचालित जेम्स परियोजना के तहत वार्षिक शिक्षक प्रशिक्षण की शुरुआत हुई है। टेन प्लस टू उच्च विद्यालय एवं उत्क्रमित कन्या विद्यालय में नारायणपुर में दो बैच में प्रशिक्षण दी गई है। ज्ञात हो की संस्था द्वारा वर्ष 2021 से जामताड़ा के तीन प्रखंडों नारायणपुर, नाला और जामताड़ा के कुल 112 विद्यालयों में जेम्स परियोजना का संचालन किया जा रहा है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य विद्यालय के माहौल को जेंडर समान बनाना और किशोरियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना है। ताकि लड़कियां अपनी आकांक्षाओं को प्राप्त कर सकें और विवाह, रोजगार आदि मुद्दों पर निर्णय ले सकें। उद्देश्य प्राप्ति के लिए परियोजना के तहत प्रत्येक वर्ष चयनित विद्यालयों के शिक्षकों का क्षमतावर्धन करने के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण किया जाता है। मौके पर सफीक अंसारी, किरण कुमारी, मुस्ताक अंसारी, सागीर अंसारी, अंकिता वर्मा, सारिता करकेटता, देवीलाल सोरेन, कंचन कुमारी, रामदेव दस आदि उपस्थित थे।

हजारीबाग सिविल कोर्ट में मनाया गया पृथ्वी दिवस, पौधारोपण कर दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

प्रधान जिला जज रंजीत कुमार ने लगाए फलदार पौधे, लोगों से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने की अपील

हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग सिविल कोर्ट परिसर में बुधवार को पृथ्वी दिवस के मौके पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों को पर्यावरण और पृथ्वी की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री रंजीत कुमार ने सिविल कोर्ट परिसर के बगीचे में आम, अमरूद और आंवला जैसे कई पौधे लगाए। यह आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तहत किया गया।

इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव डॉ. रवि प्रकाश तिवारी, एसीजेएम नितिका कुमारी, सिविल कोर्ट निबंधक दिव्यम चौधरी समेत कई न्यायिक अधिकारी, वकील, मध्यस्थ और कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान जिला जज रंजीत कुमार ने कहा कि पर्यावरण को बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जल, वायु और पृथ्वी की सुरक्षा के लिए हर व्यक्ति को आगे आना होगा, सिर्फ सरकार के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि वे प्रदूषण रोकने और पर्यावरण बचाने का संकल्प लें तथा इस दिशा में जागरूक और सक्रिय रहें।

झारखंड शराब घोटालाः 'मैंने विनय चौबे को नहीं दिए? 5 करोड़', हाईकोर्ट में अरुणपति त्रिपाठी का दावा; अग्रिम जमानत पर निर्णय सुरक्षित

- **विनय चौबे को 5 करोड़ देने के आरोप से अरुणपति का इनकार।**

झारखंड हाई कोर्ट ने अग्रिम जमानत पर फैसला सुरक्षित रखा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण झारखंड नहीं आ सकते।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में शराब घोटाला मामले में आरोपित छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कारपोरेशन (एससीएमएसएल) के प्रबंध निदेशक अरुणपति त्रिपाठी की अग्रिम जमानत याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। इस दौरान उनकी ओर से तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय चौबे को पांच करोड़ रुपये देने के आरोप से इन्कार किया है। सभी पक्षों की ओर से बहस पूरी होने के बाद अदालत ने अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया है।

सुनवाई के दौरान अरुणपति त्रिपाठी की ओर से कहा गया कि उन पर यह आरोप लगाया गया है कि उन्होंने झारखंड स्टेट बिवरेजेज कॉरपोरेशन का सलाहकार बनने के लिए विनय चौबे को पांच करोड़ रुपये दिए थे। यह आरोप पूरी तरह निराधार है। उस समय एससीएमएसएल के एमडी थे और झारखंड व छत्तीसगढ़ सरकार के बीच हुई बातचीत के बाद उन्हें जेएसबीएससीएल का सलाहकार नियुक्त किया गया था। वह चार अप्रैल 2022 से 13 मार्च 2023 तक सलाहकार रहे।

इसलिए सलाहकार पद पाने के लिए किसी को राशि देने का सवाल ही नहीं उठता। उनकी ओर से अदालत को बताया गया कि छत्तीसगढ़ में शराब से मिलने वाले राजस्व में वृद्धि हुई थी। इसी माडल को देखते हुए झारखंड सरकार ने अपने राजस्व में बढ़ोतरी के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ की नीति अपनाने का निर्णय लिया था।

राज्य सरकार अपनी नीति बनाने के लिए स्वतंत्र है। यदि अपनाई गई नीति से किसी प्रकार का नुकसान हुआ हो तो इसके लिए सलाहकार को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अदालत को बताया गया कि झारखंड में एसीबी ने फर्जी बैंक गारंटी देकर मैनपावर सप्लाई करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है, लेकिन उक्त मामले से अरुणपति त्रिपाठी का कोई संबंध नहीं है। जिन लोगों पर फर्जी बैंक गारंटी देने का आरोप है, उन्हें अदालत से जमानत मिल चुकी है। एसीबी द्वारा दर्ज प्राथमिकी में उनका नाम भी नहीं है। अरुणपति की ओर से अदालत को बताया गया कि झारखंड एसीबी ने जांच के दौरान उन्हें समन भेजा है, लेकिन वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत छत्तीसगढ़ में जांच अधिकारी के समक्ष प्रतिदिन उपस्थित हो रहे हैं।

ऐसी स्थिति में वह एक दिन के लिए भी छत्तीसगढ़ से बाहर नहीं जा सकते। छत्तीसगढ़ में भी कथित शराब घोटाले से संबंधित प्राथमिकी दर्ज है, जिसमें उन्हें गिरफ्तार किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें सशर्त जमानत दी है। आदेश के अनुसार उन्हें प्रतिदिन सुबह 10 बजे जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर जांच में सहयोग करना है। इसी कारण झारखंड आकर पूछताछ में शामिल होना फिलहाल संभव नहीं है। यदि झारखंड एसीबी उनसे पूछताछ करना चाहती है तो पहले सुप्रीम कोर्ट से अनुमति लेनी होगी।

चंदवा CHC की मुस्तैदी ने जीता भरोसाः CCTV में दिखी समय पर तैयार एंबुलेंस सेवा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, झारखंडः- चंदवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) ने एक बार फिर अपनी तत्पर स्वास्थ्य सेवाओं का उदाहरण पेश किया है। रविवार रात की घटना को लेकर सामने आए CCTV फुटेज में साफ देखा गया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही एंबुलेंस गेट पर मौजूद थी और मरीज को तुरंत सहायता देने के लिए पूरी तरह तैयार थी। फुटेज से स्पष्ट होता है कि अस्पताल प्रशासन की ओर से किसी प्रकार की लापरवाही नहीं हुई, बल्कि आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी व्यवस्थाएं सक्रिय थीं। इसके बावजूद परिजनों ने अपने स्तर पर गर्भवती महिला को बाइक से ले जाने का निर्णय लिया। CHC प्रभारी ने बताया कि अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध हैं और एंबुलेंस हर समय तैयार रहती है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति में सीधे अस्पताल प्रबंधन से संपर्क करें, ताकि समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। स्थानीय लोगों के बीच भी इस घटना के बाद CHC की कार्यशैली को लेकर सकारात्मक संदेश गया है। अस्पताल प्रबंधन लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और मरीजों को त्वरित सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह घटना दर्शाती है कि चंदवा CHC न केवल सजग है, बल्कि हर परिस्थिति में मरीजों की सेवा के लिए पूरी तरह तैयार भी है।

पृथ्वी दिवस पर क्रिएटिव अकेडमी के बच्चों ने दिया हरियाली का संदेश, घर-घर पौधारोपण का लिया संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, झारखंडः- चंदवा स्थित क्रिएटिव अकेडमी में पृथ्वी दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने अपने-अपने घरों से एक-एक पौधा लाकर रोपण किया और पृथ्वी को हरा-भरा रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताया। उन्होंने दिखाया कि पर्यावरण के लगातार हो रहे नुकसान से मानव जीवन के साथ-साथ पशु-पक्षी भी किस तरह प्रभावित हो रहे हैं।

विद्यालय के निदेशक डॉ. मनु कुमार गुप्ता ने कहा कि बच्चों को प्रकृति से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि जिस तेजी से जंगलों की कटाई हो रही है और हरियाली खत्म हो रही है, उसका असर बढ़ती गर्मी के रूप में साफ दिख रहा है। ऐसे में लोगों को हरियाली का महत्व समझना होगा और जागरूकता फैलानी होगी।

उपप्राचार्य अमृत कौर ने भी बच्चों को प्रकृति से जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि आज के दौर में बच्चे मोबाइल तक सीमित हो गए हैं। ऐसे कार्यक्रम उन्हें प्रकृति और जीव-जंतुओं के करीब लाने का बेहतर माध्यम बनते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों और अभिभावकों ने संकल्प लिया कि पृथ्वी दिवस के अवसर पर हर घर में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाया जाएगा। इस मौके पर निखिल वर्मा, खुशी कुमारी, राखी दास, वर्षा कुमारी, ऋतु कुमारी, रवि रंजन कुमार, मुस्कान, प्रीति कुमारी, दीपक कुमार, सनिका सहित कई अभिभावक उपस्थित रहे।

जामताड़ा में जन्मे तीन नवजातों की बिगड़ी हालत, एसएनएमएमसीएच धनबाद में भर्ती

धनबाद। जामताड़ा की आरती देवी ने 13 अप्रैल को एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया। जन्म के बाद नवजातों को सदर अस्पताल में रेडिएंट वार्मर पर रखा गया था, लेकिन बुधवार को अचानक तीनों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। स्थिति बिगड़ने पर उन्हें तुरंत एसएनएमएमसीएच रेफर किया गया। 108 एंबुलेंस से माता-पिता बच्चों को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें एसएनसीयू में भर्ती कर इलाज शुरू किया। पिता राजेश मिर्धा ने बताया कि उनके पहले से दो बेटे हैं और इस बार बेटी की उम्मीद थी, लेकिन तीनों बच्चे लड़के हुए। मां आरती देवी ने कहा कि एक ओर बेटी की इच्छा पूरी नहीं हुई, वहीं दूसरी ओर बच्चों की खराब सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है। तीनों नवजातों का वजन करीब एक से सवा किलोग्राम के बीच है, जिससे उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है।

हजारीबाग यूथ विंग द्वारा स्कूली बालिकाओं के बीच किया गया सेनेटरी पैड वितरण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- सामाजिक जागरूकता की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए हजारीबाग यूथ विंग ने सखी सेतु की कृतिका शाह के विशेष सहयोग से स्कूली बालिकाओं के बीच सेनेटरी पैड वितरण एवं जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। सखी सेतु, कृतिका शाह द्वारा शुरू की गई एक पहल है, जिसका उद्देश्य विद्यालयों में डिजिटल अंतर को कम करना है। इसके साथ ही इस पहल का एक प्रमुख उद्देश्य किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा उनके स्वास्थ्य से जुड़ी झिझक और भ्रांतियों को दूर करना भी है।

कार्यक्रम के दौरान कई दर्जन स्कूली छात्राओं के बीच सेनेटरी पैड वितरित किए गए। साथ ही उन्हें मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, उचित उत्पादों के उपयोग तथा आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर संस्था की कार्यकारिणी सदस्य सेजल सिंह ने कहा कि बदलते समय के साथ जागरूकता का बढ़ना अत्यंत आवश्यक है, किन्तु आज भी समाज के कई हिस्सों में इस विषय पर खुलकर चर्चा नहीं हो पाती, जिसके कारण बालिकाएं सही जानकारी से वंचित रह जाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और इससे संबंधित सही जानकारी एवं स्वच्छता अपनाना प्रत्येक बालिका के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम में लायंस क्लब 322 ए की सुधा वर्मा सहित कई सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहीं। क्लब के सदस्यों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन एवं करण जायसवाल के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया। अंत में सभी छात्राओं से अपील की गई कि वे इस विषय पर खुलकर बात करें तथा अन्य लोगों को भी जागरूक करने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। हजारीबाग यूथ विंग ने भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम जारी रखने का संकल्प लिया।

बरही पुलिस की कार्रवाई, फरार वारंटियों के घर व सार्वजनिक स्थलों पर चिपकाया इश्तिहार

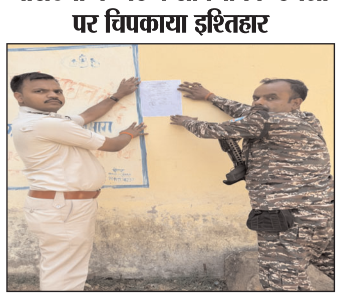

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही पुलिस ने फरार वारंटियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उनके घरों एवं सार्वजनिक स्थलों पर इश्तिहार चिपकाया। यह कार्रवाई न्यायालय के निर्देश पर की गई, ताकि आरोपी शीघ्र आत्मसमर्पण करें। पुलिस द्वारा लंगुरा बसरिया निवासी प्रमोद कुमार पिता स्व. हुलास साव के घर एवं गांव के पंचायत भवन में इश्तिहार चिपकाया गया। इसके अलावा दुलमाहा, थाना बरही निवासी राजकुमार यादव पिता सुखदेव यादव के घर और पंचायत भवन में भी इसी तरह की कार्रवाई की गई। पुलिस अवर निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि इन वारंटियों के खिलाफ पूर्व से मामले दर्ज हैं और वे लंबे समय से फरार चल रहे हैं। इश्तिहार चिपकाने का उद्देश्य उन्हें कानूनी प्रक्रिया के तहत आत्मसमर्पण के लिए बाध्य करना है। यह पूरी कार्रवाई पुलिस अवर निरीक्षक दीपक कुमार के नेतृत्व में संपन्न की गई। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि आरोपी समय रहते आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो आगे और कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

धनबाद स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का बुरा हाल, लिफ्ट खराब पानी बूथ सूखे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धनबाद। शहर का तापमान 42 डिग्री है। पर गर्मी से ज्यादा यात्रियों को धनबाद स्टेशन पर रेलवे की व्यवस्था झुलसा रही है। ऐसा तब है जब 22 दिन पहले वित्तीय वर्ष गुजरा है। 25 हजार करोड़ कमाई के साथ धनबाद मंडल का देशभर में डंका बजा है। नंबर वन डिविजन के मुख्यालय धनबाद स्टेशन पर सुविधाएं छोड़िए, वाटर बूथ तक सूखे पड़े हैं। प्लेटफार्म एक से सात तक के वाटर बूथ से खौलता पानी निकल रहा है। शीतल जल के लिए लगी मशीनें गर्म पानी उगल रही हैं। प्लेटफार्म आठ की स्थिति और बदतर है। फरवरी से अप्रैल के बीच भोपाल, कोयंबटूर अमृत भारत और मुंबई की नई ट्रेन मिली हैं। पहले से दो दर्जन से अधिक ट्रेनों के बाद अब नई ट्रेनों के मिलने से यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। वाटर बूथ नहीं बढ़े हैं। प्लेटफार्म पर तीन स्थानों पर लगे तीन वाटर बूथों में से दो के सभी नल बंद पड़े हैं। लिफ्ट महीनों से खराब, सीढ़ियों पर हाफ रहे बीमार और बुजुर्ग प्लेटफार्म आठ पर लगी लिफ्ट महीनों से खराब पड़ी है। प्लेटफार्म तक पहुंचने के लिए रैंप ब्रिज भी नहीं है। ऐसे में बीमार और बुजुर्ग यात्रियों को यहां तक पहुंचने के लिए हर दिन सीढ़ियां चढ़नी पड़ रही है।

दो एटीवीएम में एक खराब, टिकट को लग रही लंबी कतार

दक्षिणी छोर पर यात्रियों के लिए दो एटीवीए-आटोमेटिक टिकट वेंडिग मशीन लगाई गई हैं, जिनमें एक कबाड़ बन चुकी है। यात्रियों की संख्या बढ़ने से हर दिन टिकट काउंटर पर लंबी कतार लग रही है। रेलवे ने भीड़ से बचने के लिए रेलवन एप से जनरल टिकट बुक करने का नोटिस चिपका दिया है।

पीआरएस कार्यालय की एसी बिगड़ी, गिर रहे फाल्स सीलिंग

धनबाद स्टेशन के पीआरएस यानी आरक्षण कार्यालय के सभी एसी बिगड़ गई हैं। इससे कर्मचारियों को उमस भरी गर्मी में रह कर काम करना पड़ रहा है। कार्यालय के अंदर की छत से फाल्स सीलिंग टूट कर गिर रहे हैं। इससे हादसे का खतरा भी बढ़ गया है। धनबाद स्टेशन बेहतर यात्री सुविधाओं का हकदार है। गर्मी को देखते हुए हर प्लेटफार्म पर शीतल जल की व्यवस्था होनी चाहिए। लिफ्ट बंद रहने की शिकायत को रेल प्रशासन गंभीरता से ले।-पिंटू सिंह, जेडआरयूसीसी सदस्य।

बरही के छात्र आयुष्मान रंजन ने बढ़ाया क्षेत्र का मान, सेंट पीटर्स स्कूल, पंचगणी (महाराष्ट्र) में हुआ चयन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- झारखंड के हजारीबाग जिला अंतर्गत बरही क्षेत्र के लिए यह अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि यहाँ के मेधावी एवं होनहार छात्र आयुष्मान रंजन का चयन देश के प्रतिष्ठित आवासीय विद्यालय सेंट पीटर्स स्कूल, पंचगणी (महाराष्ट्र) में हुआ है। यह विद्यालय आईसीएसई बोर्ड से संबद्ध है और अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन एवं सर्वांगीण विकास के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है। आयुष्मान रंजन के पिता नलिनी रंजन एवं माता निरूपमा रंजन हैं। वह प्रारंभ से ही एक प्रतिभाशाली, अनुशासित एवं परिश्रमी छात्र रहे हैं। उनकी इस सफलता के पीछे उनके परिवार का निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग महत्वपूर्ण रहा है। उनके दादा सरयू शरण गौर प्रोप्राइटर नालंदा सॉ मिल एवं दादी हिमांशु कला किशोरी का स्नेह, आशीर्वाद एवं संस्कार भी इस उपलब्धि में विशेष योगदान देने वाले रहे हैं। गौरतलब है कि सेंट पीटर्स स्कूल, पंचगणी, जिसकी स्थापना वर्ष 1904 में हुई थी, देश के सबसे पुराने एवं प्रतिष्ठित बोर्डिंग स्कूलों में से एक है। इस संस्थान में वर्षों से देश के अनेक प्रतिष्ठित परिवारों, उद्योगपतियों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं फिल्म जगत से जुड़े प्रसिद्ध हस्तियों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते रहे हैं। इस कारण यहाँ प्रवेश प्राप्त करना अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है।

आयुष्मान का निवास हिमांशु निवास, पटना रोड, बरही में है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। स्थानीय शिक्षकों, अभिभावकों एवं समाज के प्रबुद्ध नागरिकों ने इसे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया है। इस अवसर पर गणमान्य लोगों ने कहा कि बरही जैसे छोटे शहरों से निकलकर राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों में स्थान प्राप्त करना

इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा किसी भी परिस्थिति की मोहताज नहीं होती। आयुष्मान रंजन की यह सफलता आने वाले समय में अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। परिवारजनों एवं शुभचिंतकों ने आयुष्मान को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आगे चलकर अपने परिवार, समाज एवं देश का नाम रोशन करेंगे।

बलिया में पृथ्वी दिवस पर 'हर घर एक पौधा' अभियान, छात्रों ने लिया हरियाली का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया के श्री मुरली मनोहर टाउन इंटर कॉलेज में बुधवार को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस मौके पर विद्यालय परिवार ने 'हर घर एक पौधा' अभियान की शुरुआत की, जिसके तहत छात्रों और शिक्षकों को अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य गुरु स्वरूप शुक्ला ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि पृथ्वी को सुरक्षित और संतुलित बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्रों से अपने-अपने घरों में पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। साथ ही आयोजित संगोष्ठी में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की गई। विद्यालय परिवार ने सरकार द्वारा आयोजित वेबिनार में भी भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों ने पर्यावरण बचाने और अधिक से अधिक पौधे लगाने का सामूहिक संकल्प लिया। विद्यालय प्रशासन ने संदेश दिया कि पेड़-पौधे ही पृथ्वी के संतुलन और मानव जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं।

नमो भारत रैपिड रेल में पास पर सस्पेंस खत्मः बोर्ड ने दी हरी झंडी, कर्मचारी और पेंशनर्स को बड़ी राहत

रांची। रेलवे बोर्ड ने नमो भारत रैपिड रेल में यात्रा को लेकर चल रहे भ्रम को दूर कर दिया है। अब रेलवे के कर्मचारी अपने पास और पीटीओ के जरिए इस ट्रेन में सफर कर सकेंगे। दरअसल, पहले जारी एक सर्कुलर के बाद यह स्थिति बन गई थी कि नमो भारत रैपिड रेल में पास या पीटीओ के बदले टिकट नहीं मिल रहा था। इससे रेलवे के वर्तमान और रिटायर कर्मचारी परेशान थे। इस मामले को ऑल इंडिया रेलवेमेंस फेडरेशन ने उठाया और बोर्ड को पत्र लिखकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की थी। इसके बाद रेल मंत्रालय के तहत रेलवे बोर्ड ने पूरे मामले की समीक्षा की। बोर्ड ने बताया कि 'फ्री कॉम्प्लिमेंटरी पास' का मतलब केवल विशेष लोगों—जैसे वीरता पुरस्कार पाने वाले या खिलाड़ियों—को दिए जाने वाले पास से है। इसका रेलवे कर्मचारियों के प्रिविलेज पास या पीटीओ से कोई संबंध नहीं है। अब साफ कर दिया गया है कि फर्स्ट क्लास 'ए' और फर्स्ट क्लास के पास/पीटीओ नमो भारत रैपिड रेल में यात्रा के लिए पूरी तरह मान्य हैं। यह आदेश वित्त विभाग की सहमति से जारी किया गया है, जिससे देशभर के रेलवे कर्मचारियों और पेंशनरों को राहत मिली है।

प्रखंड कार्यालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा, पारदर्शिता और बेहतर सेवा पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंडः- लातेहार जिले में प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत और जनहित सेवाओं को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त संदीप कुमार ने चंदवा प्रखंड कार्यालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्ठाष्ट) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय संचालन, अभिलेख संधारण, साफ-सफाई और आम नागरिकों को मिल रही सेवाओं की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कर्मियों की उपस्थिति की जांच की। कुछ कर्मचारियों के अनुपस्थित पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि संबंधित कर्मियों से स्पष्टीकरण पूछा जाए और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से किया जाए। साथ ही लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन और आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देने को कहा। इसके बाद उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चंदवा का निरीक्षण किया, जहां स्वास्थ्य सुविधाओं, दवा उपलब्धता और साफ-सफाई की स्थिति की समीक्षा की गई। आयुष्मान वाटिका का निरीक्षण करते हुए उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

ओपीडी का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की समीक्षा की और चिकित्सकों को बेहतर उपचार व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने दवा वितरण व्यवस्था को दुरुस्त रखने और सभी आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

उपायुक्त ने स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया कि मरीजों को संवेदनशील और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई बनाए रखने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदवा चंदन प्रसाद, अंचल अधिकारी सुमित कुमार झा, डॉ. नीलिमा कुमारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

रामलक्षन, देवरिया। कोतवाली क्षेत्र के भृगुसरी गांव के मुंशी टोला निवासी एक युवक की दिल्ली में मार्ग दुर्घटना के बाद इलाज के दौरान मंगलवार को मौत हो गई। जिससे उसके घर में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि गांव निवासी पृथ्वी निषाद कुछ दिन पहले ही रोजगार की तलाश में दिल्ली गया था।वहां वह एक कोरियर कंपनी में पार्सल भेजने का काम करता था। एक पखवाड़े पहले दिल्ली में मार्ग दुर्घटना में वह घायल हो गया। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां मंगलवार को उसकी मौत हो गई। परिजन उसके शव को घर लाकर करिहवा घाट पर दाह संस्कार किए।

मिशन शक्ति टीम ने त्वरित कार्यवाही कर परिवार को बिखरने से बचाया

कोंच(जालौन)- कोतवाली कोंच की मिशन शक्ति टीम की संवेदनशीलता, त्वरित कार्यवाही और सरकारी योजना के ठीक प्रकार से क्रियान्वयन से एक पीड़िता की शिकायत का यथोचित निराकरण कर पूरे परिवार को बिखरने से बचाया गया है। इस सराहनीय कार्य में मिशन शक्ति टीम प्रभारी/कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक विमलेश कुमार सहित महिला उप निरीक्षक भारती सिंह और महिला आरक्षी अर्चना केशरवानी की प्रमुख और अहम भूमिका रही। मामले के मुताबिक कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गुरावती निवासी महिला रंजना देवी ने पति जितेंद्र कुमार पर शराब के नशे में गाली गलौज कर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कोतवाली में शिकायती पत्र दिया था। सीओ परमेश्वर प्रसाद एवं कोतवाल बृजेश बहादुर सिंह के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम प्रभारी विमलेश कुमार ने तत्काल ही शिकायती पत्र को संज्ञान में लेकर महिला उप निरीक्षक एवं आरक्षी के साथ मिलकर पीड़िता से वार्ता की। तदोपरांत आरोपी पति जितेंद्र कुमार सहित दोनों पक्षों के कुछ लोगों को कोतवाली बुलाकर समझाया गया जिसके बाद पीड़ित महिला सहित उसके पति के बीच सुलह समझौता हो गया। सुलह के उपरांत दोनों पति-पत्नि हंसी खुशी अपने घर को चले गए और इस तरह से एक परिवार बिखरने से बचा लिया गया।

दिनदहाड़े महिला के पर्स से जेवर और नगदी उड़ाने वाले तीन टप्पेबाज भेजे गए जेल

कोंच(जालौन)- दिनदहाड़े महिला के पर्स से जेवर और नगदी पार करने वाले तीन शातिर चोरों को कोतवाली पुलिस ने जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए जेवर और नगदी भी बरामद कर ली है। नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम बुढेरा निवासी हरनाम की पत्नी ज्योति सिंह 20 अप्रैल को रामगंज बाजार में चप्पल खरीद रही थीं। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके हैंड पर्स से मंगलसूत्र, पायल और नगदी पार कर दी थी। घटना का पता चलते ही बाजार में हड़कंप मच गया था। दुकान पर चप्पल खरीदते वक्त तीन युवक भी बगल में जूता चप्पल खरीद रहे थे जिसमें से एक संदिग्ध युवक को लोगों ने पकड़ कर उसकी धुनाई कर पुलिस को सौंप दिया था। घटना के बाद सक्रिय हुई कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू की और संदिग्धों की तलाश में जुट गई। बुधवार को पुलिस ने रामअवतार, राममिलन और सोविंद उर्फ इंदल निवासी ग्राम भेंपता को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी किए गए जेवर और करीब 2500 रुपये नगद बरामद हुए। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

पुरानी पेंशन की मांग को लेकर वन विभाग कर्मचारी ने की शिकायत

हाईकोर्ट जाने की चेतावनी

ललितपुर। वन विभाग में कार्यरत कर्मचारी मुन्ना लाल दुबे ने अपनी सेवा संबंधी समस्याओं को लेकर डीएफओ को शिकायती पत्र भेजते हुये पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिलाए जाने की मांग उठाई है। दिए गए पत्र में मुन्ना लाल दुबे ने बताया कि उन्होंने 21 नवंबर 1986 को तत्कालीन डीएफओ ए.पी. सिंह के कहने पर अपनी रेलवे की नौकरी छोड़कर वन विभाग में रोपावनी सुरक्षा पहरी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया था। तब से वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ विभाग में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि 16 फरवरी 1988 को वन रक्षक सूरत सिंह द्वारा उन्हें रेंजर के निर्देश पर ग्राम राख पंचमपुर से हटाकर प्रधान कार्यालय में कार्य करने के लिए भेजा गया। इसके बावजूद वर्षों से उनकी सेवा का समुचित मूल्यांकन नहीं किया गया और न ही उन्हें अपेक्षित लाभ मिल सका। ज्ञापन में उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि शासन के समक्ष अपनी समस्या कई बार रखने के बावजूद अब तक समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि वर्ष 2003 में दैनिक श्रमिकों का विनियमितीकरण सीधे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पद पर कर दिया गया होता, तो आज वह पुरानी पेंशन योजना के पात्र होते।

ऊर्जा नगरी में बूंद-बूंद को तरसती जनता, गजराजनगर-बिल्ली में जल संकट ने लिया विकराल रूप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा/सोनभद्र- उत्तर प्रदेश को अपने ताप विद्युत गृहों से रोशन करने वाली और प्राकृतिक संसाधनों की गोद में बसी उत्तर प्रदेश की दूसरी सबसे बड़ी ओबरा नगरी आज खुद अंधेरे और अव्यवस्था के बीच जल संकट से जूझ रही है। नगर के प्रवेश द्वार कहे जाने वाले गजराजनगर और बिल्ली क्षेत्र की जनता जल वितरण विभाग की तानाशाही और कुप्रबंधन के कारण त्रस्त है। भीषण गर्मी के इस मौसम में पानी की किल्लत ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है।स्थानीय निवासियों का सबसे बड़ा आरोप विद्युत और जल वितरण विभाग के बीच समन्वय की कमी को लेकर है। लोगों का कहना है कि जब सुबह के समय बिजली बाधित रहती है, ठीक उसी वक्त जल सप्लाई खोल दी जाती है। बिना बिजली के मोटर नहीं चल पाते, जिसके कारण लोग पानी का संग्रहण नहीं कर पाते। यह मनमाना समय जनता के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है।क्षेत्र की पानी टंकियों में दबाव इतना कम है कि ऊँचाई वाले क्षेत्रों और अंतिम छोर के घरों तक पानी पहुँच ही नहीं पाता। गजराजनगर और बिल्ली के कई मोहल्लों में स्थिति यह है कि हफ़्तों इंतज़ार के बाद कभी सुबह महज़ एक घंटे के लिए पानी आता है। इस भयंकर तपिश में जब पानी की सबसे ज्यादा ज़रूरत है, तब प्रशासन की यह अनदेखी नागरिकों के धैर्य की परीक्षा ले रही है। एक तरफ केंद्र और राज्य सरकार हर घर जल योजना के तहत हर नागरिक को सुबह-शाम शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का दम भर रही है, वहीं दूसरी ओर ओबरा जैसी आदर्श नगर पंचायत और सबसे ज्यादा राजस्व देने वाली तहसील के लोग एक वक्त के पानी के लिए तरस रहे हैं। नगर पंचायत के जल प्रबंधन की कार्यशैली पर अब गंभीर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं।थक-हारकर अब नगर की जनता-जनार्दन ने नवागत जिलाधिकारी महोदय से न्याय की गुहार लगाई है। नागरिकों की स्पष्ट मांग है कि जल आपूर्ति का समय निर्धारित किया जाए और इसे विद्युत आपूर्ति के अनुकूल बनाया जाए। टंकी के लो-प्रेशर की समस्या का तत्काल तकनीकी समाधान हो। सुबह और शाम, दोनों वक्त पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। क्षेत्रीय लोगों ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि यदि समय रहते प्रशासन अपनी धृतराष्ट्र जैसी मानसिकता त्याग कर जागृत नहीं हुआ, तो मजबूरन जनता को सड़कों पर उतरना होगा। यदि समाधान नहीं मिला, तो जिम्मेदारों को जनता के भारी आक्रोश और कोप का भाजन बनना पड़ेगा।

कौशल विकास केन्द्र का हुआ उद्घाटन

युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का मिला संदेश

ललितपुर। स्किल इंडिया सोसाइटी के तत्वावधान में आजादपुरा स्थित कौशल विकास केन्द्र का उद्घाटन विधायक प्रतिनिधि श्रीकांत कुशवाहा द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित छात्रों के समक्ष कौशल विकास पाठ्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि कौशल विकास कोर्स के माध्यम से छात्र अपने हुनर को निखारकर न केबल रोजगार प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि स्वरोजगार के अवसर भी विकसित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की मंशा अधिक से अधिक युवाओं को स्किल्ड बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे देश की आर्थिक स्थिति को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण केन्द्र युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं, जहां उन्हें नियमित रूप से प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाएगा। इसी क्रम में उन्होंने कौशल विकास केन्द्र का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में सेंटर मैनेजर गौरव कुमार जैन, प्रशिक्षक सत्येंद्र कुशवाहा, सलोनी चौधरी, जय यादव सहित अन्य गणमान्य लोग एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में सभी ने कौशल विकास योजनाओं को सफल बनाने का संकल्प लिया।

जनपद में धारा-163(2) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू 22 से 21 जून 2026 तक रहेगा प्रभावी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -अपर जिला मजिस्ट्रेट, सोनभद्र वागीश कुमार शुक्ल ने अवगत कराया है कि जनपद में आगामी पर्व-त्योहारों, परीक्षाओं तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत धारा-163(2) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह आदेश दिनांक 22 अप्रैल 2026 से 21 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने निर्देशित किया है कि बिना प्रशासनिक अनुमति के किसी भी प्रकार के जुलूस, धरना-प्रदर्शन एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी व्यक्ति या समूह द्वारा अस्त्र-शस्त्र, विस्फोटक सामग्री, ज्वलनशील पदार्थ आदि लेकर सार्वजनिक स्थलों पर जाना निषिद्ध होगा, साथ ही धार्मिक, जातीय अथवा सामाजिक भावनाओं को भड़काने वाले नारे, पोस्टर, पंपलेट आदि के प्रचार-प्रसार पर भी रोक लगाई गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भ्रामक एवं अफवाह फैलाने वाली सूचनाओं के प्रसार पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। समूह संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने ग्रुप में ऐसी किसी भी सामग्री को तत्काल हटाएं और इसकी सूचना प्रशासन को दें। परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में बाहरी व्यक्तियों की उपस्थिति प्रतिबंधित रहेगी तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक सामग्री या अनुचित साधन परीक्षा केंद्र में ले जाने की अनुमति नहीं होगी, इसके अतिरिक्त रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 6:00 बजे तक लाउडस्पीकर/साउंड सिस्टम के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। ड्रोन कैमरा उड़ाने के लिए सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुंचाना, यातायात बाधित करना तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था फैलाना दंडनीय अपराध माना जाएगा। आदेश के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने जनसामान्य से अपील की है कि वे शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें तथा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

कड़ी धूप और लू के थपेड़ों से बचने हेतु घरों में कैद हुए लोग

● नीमा अध्यक्ष डॉ आलोक ने बच्चों से लेकर बूढ़ों को एहतियात बरतने की दी सलाह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- माह अप्रैल में ही मई/जून जैसी कड़ी धूप व लू के थपेड़ों से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। दिन प्रतिदिन तापमान के ऊंचाई पर पहुंचने से स्कूल जाने वाले छोटे छोटे बच्चों से लेकर दुकानदार व्यापारियों, मजदूरों, रेहड़ी पटरी वाले व घरेलू कामकाजी महिलाएं परेशान नजर आ रहीं हैं। सुबह से ही तेज धूप निकलने और 10 बजते-बजते लू के थपेड़ों से लोगों को दो-चार होना पड़ रहा है। लोग सुबह शाम के समय ही घर से बाहर निकलकर अपने कामकाज निबटाने में स्वास्थ्य के लिए ठीक मान रहे हैं लेकिन मजबूरी में जिनको भरी दोपहर में घर से बाहर निकलना पड़ रहा है, ऐसे लोग अपने चेहरे को अंगोछे से अच्छी तरह ढक कर ही बाहर निकल रहे हैं और गर्मी से सूखते गले को तर करने के लिए अपने साथ पानी की बोतल ले जाना नहीं भूल रहे हैं। तेज धूप व लू के थपेड़ों के बीच दोपहर में मुख्य मार्ग से लेकर बाजारों में भी सन्नाटा पसरा होने से दुकानदारों खासकर छोटे दुकानदार, ग्राहकों के आने की प्रतीक्षा में हाँथ पर हाँथ धरे हुए बैठे दिखाई दे रहे हैं। दोपहर के समय बस स्टैंड सहित बैंक शाखाओं से लेकर अन्य सरकारी दफ्तरों व चौक चौराहों पर भी लोगों की भीड़ गायब नजर आ रही है और इन स्थानों पर सीमित लोग ही नजर आ रहे हैं। वहीं गर्मी से निजात पाने के लिए शीतल पेय पदार्थों,जूस की गुमटियों पर ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखी जा सकती है।बदलते मौसम को लेकर चिकित्सकों ने भी लोगों से एहतियात बरतने की सलाह दी है। नीमा संघ के अध्यक्ष वरिष्ठ चिकित्सक डॉ आलोक निरंजन ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि दोपहर में घर से बाहर निकलने से बचें और आवश्यक होने पर सिर सहित अपने पूरे शरीर को अच्छे से ढककर अथवा छाता लेकर ही बाहर निकलें। थोड़े थोड़े अंतराल पर पानी पीकर गले को तर करते रहें जिससे हीथ स्ट्रोक से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि इस मौसम में गन्ना, बेलपत्र, आम, नींबू, मट्ठा, दही जैसे शुद्ध पेय पदार्थों एवं ग्लूकोज, इनर्जल आदि का सेवन अधिक करें और गरिष्ठ भोजन करने से बचें। डॉ आलोक ने सलाह देते हुए कहा कि बच्चों को अपने साथ धूप में बाहर बिल्कुल भी न ले जायें और किसी प्रकार की जरा सी भी मौसम जनित परेशानी उत्पन्न होने पर चिकित्सक को अवश्य दिखाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों की काया बहुत कोमल होती है जिससे तेज धूप व लू तेजी से अपना असर दिखाती है और इसकी चपेट में आने से बच्चों को बुखार, उल्टी, दस्त का सामना करना पड़ सकता है।

खेत में करंट लगने से किसान की मौत, परिवार में मचा कोहराम

तालबेहट। थाना क्षेत्र के खांदी क्षेत्र अंतर्गत मजरा टेकरी में मंगलवार की देर रात को एक दर्दनाक हादसे में किसान की करंट लगने से मौत हो गई। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है, वहीं परिवार में कोहराम मचा हुआ है।जानकारी के अनुसार रामलाल यादव (40) पुत्र गुलाब सिंह, निवासी टेकरी, अपने खेत पर बिजली का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक वह करंट की चपेट में आ गए। गंभीर रूप से झुलसने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए, वहीं सूचना पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

यूपीएस पनारी में धूमधाम से मनाया गया विश्व पृथ्वी दिवस

●बच्चों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। उच्च प्राथमिक विद्यालय पनारी में आज विश्व पृथ्वी दिवस 2026 के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की वैश्विक थीम हमारी शक्ति, हमारा ग्रह के अनुरूप विद्यालय के छात्रों एवं शिक्षकों ने पर्यावरण संरक्षण और धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत जागरूकता रैली से हुई, जिसमें छात्रों ने धरती माता करे पुकार, कम करो प्लास्टिक का भार और पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ जैसे नारों के साथ ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। इसके बाद विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक औषधीय एवं फलदार पौधे लगाए। मुख्य वक्ता एवं प्रभारी मोहम्मद जाकिर ने कहा कि आज पृथ्वी ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी दिवस केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि हर दिन पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प है। उन्होंने छात्रों को प्लास्टिक का उपयोग कम करने, जल संरक्षण करने और अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाध्यापिका सीमा जैन ने सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। इस अवसर पर छात्रों द्वारा चार्ट एवं पोस्टरों के माध्यम से पर्यावरण बचाने के संदेश प्रस्तुत किए गए। अनुदेशक नंदिनी के मार्गदर्शन में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रवीण ने प्रथम, अलीना ने द्वितीय तथा पूर्वी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में प्रतिभा यादव, तारा तिवारी, पूर्णिमा, खुर्शीद बानो सहित विद्यालय स्टाफ एवं अभिभावक उपस्थित रहे। अंत में छात्रों को पर्यावरण मित्र बनने के लिए प्रेरित किया गया।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

● पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जांच जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर - कल्याणपुर राजवाड़े रामपुर निवासी लालचंद यादव उर्फ कल्लू (36) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मंगलवार रात तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इस घटना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, लालचंद मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। बताया जा रहा है कि मंगलवार शाम उन्होंने शराब का सेवन किया था। इसके बाद रात में उनकी तबीयत धीरे-धीरे खराब होने लगी। हालत गंभीर होने पर परिजन उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी नाजुक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि, जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के सही कारणों का पता चल सके। मृतक अपने पीछे पत्नी, 16 वर्षीय पुत्र अनुराग और 14 वर्षीय पुत्री अंशिका को छोड़ गए हैं। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, क्योंकि अब बच्चों और पत्नी का सहारा छिन गया है। करीब तीन वर्ष पहले लालचंद के बड़े भाई हरिश्चंद्र की भी सड़क दुर्घटना में मौत हो चुकी थी, जिससे परिवार पहले ही सदमे में था। इस नई घटना ने पूरे परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

तेज रफ्तार ट्रक ने टैक्सी में मारी जोरदार टक्कर

एक ही परिवार समेत कई लोग गंभीर घायल

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र के बिरारी गांव के पास एक भीषण सड़क हादसे में तेज रफ्तार ट्रक ने टैक्सी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक ही परिवार के कई सदस्य समेत दर्जनभर लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। ग्राम टौरिया निवासी राम सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 अप्रैल की सुबह करीब 7 बजे उसका भाई अपने परिवार के साथ ललितपुर रेलवे स्टेशन से टैक्सी (नंबर यूपी 94 एटी 4480) से घर लौट रहा था। रास्ते में बिरारी स्थित पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक (नंबर एमपी 16 जेडएफ 7929) ने लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए टैक्सी में टक्कर मार दी। हादसे में टैक्सी सवार रामबरन, उनकी पत्नी रामदेवी, पुत्र राधे, पुत्री अंजली सहित कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में अन्य कई लोग भी शामिल हैं, जिन्हें गंभीर चोटें आई हैं।

नोएडा में श्रमिक आंदोलन के नाम पर प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे भीषण दमन के खिलाफ सपाइयों ने जोरदार विरोध दर्ज कराया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। समाजवादी मजदूर सभा बलरामपुर के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष विशाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में नोएडा में श्रमिक आंदोलन के नाम पर प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे भीषण दमन के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराते हुए,महामहिम राज्यपाल महोदया को संबोधित 6 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी, बलरामपुर को सौंपा गया।यह प्रदर्शन सिर्फ एक ज्ञापन नहीं, बल्कि प्रदेश सरकार की श्रमिक-विरोधी नीतियों के खिलाफ सीधी चेतावनी है। सभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट कहा कि यदि सरकार ने अपनी दमनकारी नीति नहीं रोकी तो सड़कों पर बड़ा जनांदोलन खड़ा किया जाएगा। प्रमुख मांगें (सरकार को सीधी चुनौती)नोएडा में जारी दमनात्मक कार्यवाही पर तत्काल रोक लगाई जाए।आंदोलन में गिरफ्तार सभी श्रमिकों को बिना शर्त रिहा किया जाए।राजनीतिक दलों एवं सामाजिक संगठनों को श्रमिकों से मिलने की पूरी अनुमति दी जाए।वरिष्ठ पत्रकार सत्यम वर्मा को तत्काल रिहा किया जाए।

मजदूर आंदोलन को बदनाम करने की साजिशों पर तुरंत रोक लगे।प्रदेश में 26,000 मासिक न्यूनतम मजदूरी लागू की जाए और मजदूरों को आधुनिक गुलामी में धकेलने वाले सभी प्रयास बंद किए जाएं।इस मौके पर जिलाध्यक्ष विशाल श्रीवास्तव ने सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि–नोएडा में श्रमिकों का आंदोलन कोई साजिश नहीं, बल्कि वर्षों से हो रहे शोषण, कम वेतन और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों का विस्फोट है। भाजपा सरकार की नीतियां केवल पूंजीपतियों के हित में काम कर रही हैं, जबकि मजदूरों को कुचला जा रहा है।उन्होंने आगे कहा कि महंगाई की मार से मजदूर त्रस्त है, लेकिन सरकार आंखें मूंदे बैठी है। कम वेतन में परिवार चलाना आज असंभव हो चुका है। यह सरकार मजदूरों को उनके हक से वंचित कर रही है।

इसी क्रम में जिलाध्यक्ष विशाल श्रीवास्तव ने साफ शब्दों में कहा कि यदि श्रमिकों की जायज मांगों–उचित वेतन, सुरक्षित कार्य स्थितियां और सम्मानजनक जीवन–पर तत्काल कार्रवाई नहीं हुई, तो समाजवादी पार्टी प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन छेड़ेगी। पूर्व विधान परिषद परिषद प्रत्याशी डॉ भानु त्रिपाठी ने नोएडा में चल रहे प्रदर्शन को श्रमिकों के साथ लंबे समय से चले आ रहे शोषण का नतीजा बताया है और सरकार पर निशाना साधा है, पूर्व विधायक राम सागर अकेला ने कहा कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चल रही फैक्ट्रियों में काम करने वाले लोगों के साथ पशुओं जैसा व्यवहार किया जाता है।इस अवसर पर श्रावस्ती सांसद राम शिरोमणि वर्मा, विधायक गैंसडी राकेश यादव, सांसद प्रतिनिधि डॉ सुनील चौधरी, कृष्ण कुमार गिहार, कैलाश यादव, इकबाल जावेद, मनीष सोनकर, सचिन मिश्र, अनिल दूबे, सुल्तान खान, बबलू मिश्र सहित तमाम समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घोरावल पुलिस की मिली बड़ी कामयाबी , हेरोइन के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय के पर्यवेक्षण में अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना घोरावल पुलिस द्वारा दिनांक 21.04.2026 को सघन चेकिंग के दौरान एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई। दिनांक 21.04.2026 को मुखबिर की सूचना पर थाना घोरावल पुलिस टीम द्वारा मुंगेहरी नहर पुलिया से लगभग 01 कि.मी. आगे तिलौली जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी कर बिना नंबर प्लेट की एक पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार 02 संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। अभियुक्त अंकित कुमार कोल पुत्र रमाशंकर कोल, निवासी खुडिया थाना करमा जनपद सोनभद्र,

अंकित पटेल पुत्र चन्द्रभान पटेल, निवासी पुरखास थाना करमा जनपद सोनभद्र। अभियुक्तअंकित कुमार कोल पुत्र रमाशंकर कोल के ऊपर विभिन्न धाराओं में थाना राजगढ़, मिर्जापुर में दर्ज है।

इस संबंध में थाना घोरावल पर मु0अ0सं0 84/2026 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट व धारा 207 एमवी एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तों को न्यायालय भेजा गया तथा बरामद मोटरसाइकिल को कागजात न होने के कारण सीज किया गया है।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में- प्र0नि0 बृजेश सिंह, थाना घोरावल जनपद सोनभद्र,उ0नि0 सुभाष चन्द्र यादव, उ0नि0 अवधेश खरवार सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल रहे। जनपद पुलिस ने स्पष्ट किया कि अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी है तथा ऐसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाती रहेगी।

मानसरोवर से जलकुंभी हटाने वाले प्रकृति रक्षक विक्रांत सिंह गौर सम्मानित

तालबेहट। नगर के मानसरोवर तालाब की स्वच्छता के लिए पिछले लगभग एक वर्ष से निःस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे प्रकृति रक्षकों के प्रयासों को अब प्रशासनिक स्तर पर भी सराहना मिली है। अविरल गंगे फाउंडेशन के तहत लगातार जलकुंभी हटाने का अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी प्रगति रिपोर्ट नमामि गंगे कार्यक्रम के माध्यम से जिलाधिकारी को नियमित रूप से प्रेषित की जाती रही है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित मासिक नमामि गंगे समीक्षा बैठक के पश्चात जिलाधिकारी सत्यप्रकाश ने अविरल गंगे फाउंडेशन के सचिव एवं प्रकृति रक्षक विक्रांत सिंह गौर को सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि समाज के लिए इस प्रकार का निःस्वार्थ कार्य अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।उन्होंने मानसरोवर तालाब की सफाई में लगे सभी प्रकृति रक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से जल स्रोतों का संरक्षण संभव हो रहा है। सम्मान मिलने से संस्था के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है और वे भविष्य में भी इसी प्रकार पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में जुटे रहने के लिए प्रेरित हुए हैं।.

जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह को कलेक्ट्रेट मीटिंग हाल में दी गयी भावभीनी विदाई, टीम भावना के साथ किये गये कार्य के प्रति किया गया आभार व्यक्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह को बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद सोनभद्र से विशेष सचिव उच्च शिक्षा विभाग के रूप में स्थानान्तरण होने पर भाव भीनी विदाई दी गयी। इस अवसर पर जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने उपस्थित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकारी सेवाओं में स्थानान्तरण एक सामान्य प्रक्रिया है, जो व्यक्ति सरकारी सेवाओं में आया है, वह समय-समय पर स्थानान्तरित होते हुए एक दिन सरकारी सेवा एक-दूसरे स्थान पर जाता रहता है। जो अधिकारी व कर्मचारी काफी मेहनती और ईमानदार होते हैं, उनके स्थानान्तरण के फलस्वरूप बिदाई देते वक्त मन भावुक हो जाता है। जनपद-सोनभद्र में मेरे अन्तिम कार्य दिवस को इतना यादगार बनाने के लिए सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बहुत-बहुत धन्यवाद और जनपद सोनभद्र में आने के दिन से आप सभी ने जो मेरा सहयोग किया है, यह कड़ी हमारे लिए यादगार रहेगी। प्रशासनिक सेवा के कार्यो को समयबद्धता के साथ किये जाने पर किसी अधिकारी कर्मचारी के ऊपर किसी प्रकार का कोई मानसिक दबाव नहीं होता और वह अपने कार्यो को बेहतर ढंग से कर लेता है। शासकीय कार्यो के निर्वहन में पात्र व्यक्तियों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित कराया जाना प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने भी जिलाधिकारी द्वारा जनपद में किये गये सराहनीय कार्यो के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने कहा कि ऐसे ही कर्मठ एवं लगनशील अधिकारी के रूप में जिलाधिकारी ने सोनभद्र जिले में लगभग 01 वर्ष 10 महीने की अविस्मर्णीय सेवा करते हुए स्थानान्तरित होकर विशेष सचिव उच्च शिक्षा विभाग के पद पर जा रहे हैं। सोनभद्र के अधिकारी व कर्मचारी जिलाधिकारी से कार्य करने की शैली व जटील समस्याओं का समाधान सहजता से निराकरण कैसे किया जाये, काफी कुछ चीजें सरकारी सेवाओं के बेहतर संचालन के लिए सीखा है और जिले के सभी अधिकारी व कर्मचारी जिलाधिकारी के उज्जवल भविष्य के साथ ही अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा जनपद में किये गये सराहनीय कार्यो से सम्बन्धित डाक्यूमेन्ट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रमेश कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे रोहित यादव, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 पंकज कुमार राय, उप जिलाधिकारी सदर उत्कर्ष द्विवेदी, उप जिलाधिकारी घोरावल आशीष त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी दुद्धी निखिल यादव, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर, जिला कृषि अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी रामलाल, सहायक निर्वाचन अधिकारी जगरूप सिंह पटेल, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने जिलाधिकारी को माल्यार्पण कर स्मृतिचिन्ह भेंट किया और विदाई समारोह में जिले के सभी अधिकारी व कर्मचारियों ने जिलाधिकारी के कार्यकाल की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन सुरेश पाठक जे0 बाबू द्वारा किया गया।

संक्षिप्त खबरें

आम के बगीचे में जुआ खेलते दो आरोपी गिरफ्तार, नकदी व ताश बरामद

कानपुर। कमिश्नरेट के दक्षिण जोन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना साढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम लालपुर स्थित गौशाला के पास आम के बगीचे में छापेमारी कर दो लोगों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान श्याम सोनी (43), निवासी नारायणपुरी खाड़ेपुर थाना हनुमंत विहार तथा रवि सिंह (35), निवासी लॉट नंबर 67 खाड़ेपुर नौबस्ता थाना हनुमंत विहार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों पर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे थे। मौके से पुलिस ने 52 ताश के पत्ते, 6000 रुपये मालफड़ तथा तलाशी के दौरान 2000 रुपये नकद बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है। थाना साढ़ प्रभारी कृष्ण कुमार मिश्रा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने यह कार्रवाई उच्च अधिकारियों के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में पुलिस के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ा है, वहीं असामाजिक तत्वों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

फुटपाथ पर कब्जा कर बेंच रहे मौरंग, गिट्टी व बालू

सिद्धार्थनगर। शहर की सड़कों से लेकर ग्रामीण सड़कों का फुटपाथ कमाई का अड्डा बन गया है। बिल्डिंग मैटेरियल बेंचने वालों ने भी अपना माल फुटपाथ पर जमा कर रखा है। इससे हजारों राहगीर रोजाना जाम की समस्या से जूझते हैं। पर कोई देखने सुनने वाला नहीं है। इसलिए अतिक्रमणकारियों की अराजकता का दौर जारी है। रहने के लिए घर व काम-धंधे के लिए मार्केट बनाने के प्रयोग में इस्तेमाल होने वाली गिट्टी, मौरंग व बालू यातायात व्यवस्था के लिए खलनायक बन गई है। दुल्हा चौराहे से लेकर ककरहवा तक सड़क पर जगह-जगह गिट्टी, मौरंग, सीमेंट, बालू व सरिया के ढेर लगे नजर आते हैं। रोड किनारे पैदल आने-जाने वालों के लिए बना फुटपाथ ने गोदाम का रूप ले रखा है। नागरिकों की मानें तो ज्यादातर असरदार लोग इस गोरखधंधे में लगे हैं। वे मनमानी करने से रोकने-टोकने पर गाली-गलौज व मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। कई सड़कें जगह-जगह अवैध कब्जों की गवाह बनी हैं। यातायात व्यवस्था चौपट है पर किसी को कोई परवाह नहीं है। राहगीरों के दुख-दर्द को दूर करने के एवं अतिक्रमण हटाने के लिए केवल कागजी घोड़े ही दौड़ाए जा रहे हैं। बंद कमरों में जारी उच्चाधिकारियों के आदेश कागज की फाइलों में कैद होकर दम तोड़ रहे हैं।

ऑनलाइन IPL सट्टा गिरोह का भंडाफोड़, 3.91 करोड़ नकद बरामद; 5 आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन IPL सट्टा संचालित करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। फजलगंज थाना पुलिस और सर्विलांस/स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि मौके से 3,91,50,000 नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह मोबाइल ऐप और वेबसाइट के जरिए सट्टेबाजी का नेटवर्क चला रहा था। शहर के अलग-अलग इलाकों से पैसा इकट्ठा कर इसे सुनियोजित तरीके से संचालित किया जा रहा था। पूछताछ में आरोपियों ने सट्टा चलाने की बात स्वीकार की है। छापेमारी के दौरान पुलिस को 6 मोबाइल फोन, 3 करेंसी गिनने की मशीनें, 1 नोट चेकिंग मशीन, 2 कैलकुलेटर और एक सैंट्रो कार (UP78 GP 4757) भी बरामद हुई है। पुलिस ने बताया कि गिरोह का मुख्य सरगना फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। मामले की सूचना आयकर विभाग को भी भेज दी गई है, जिससे वित्तीय जांच आगे बढ़ाई जा सके। इस कार्रवाई के लिए पुलिस आयुक्त ने टीम को 50,000 के इनाम से पुरस्कृत करने की घोषणा की है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

स्कूली वाहनों के विरुद्ध चलाया गया विशेष अभियान, संभागीय परिवहन अधिकारी के नेतृत्व में स्कूली वाहनों का डाटा तैयार

●आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने बताया, समस्त स्कूली वाहनों व स्कूलों को जोड़ा गया पोर्टल से

वक्कुहस्हज्ज नाम का पोर्टल करेगा सारे काम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। संभागीय परिवहन अधिकारी राकेंद्र कुमार सिंह ने कहा, परिवहन विभाग द्वारा स्कूली वाहनों के लिए UPSIUNT पोर्टल विकसित किया गया है। जिसमें सारे स्कूली वाहनों का डाटा होगा। इस पोर्टल से समस्त स्कूली वाहनों व स्कूलों को जोड़ा गया है। जिससे स्कूल व परिवहन विभाग बैठे बैठे लॉग इन कर के सारी जानकारी प्राप्त कर सकता है। साथ ही साथ ये भी पता चलता रहेगा, वाहनों के प्रपत्र पूरे हैं की नही, फिटनेस है कि नही। स्कूलों से शपथ पत्र भी लिया गया है कि वे केवल पूर्ण प्रपत्र व फिटनेस सर्टिफिकेट वाहन ही उपयोग में लायेंगे। आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने कहा, हम स्कूल वाहनों की दुर्घटना शून्य करना चाहते हैं। संभागीय परिवहन अधिकारी राकेंद्र कुमार के निर्देशन में कानपुर नगर में अब तक 5188 व औरैया में 2357 स्कूलों को ऑनबोर्ड किया जा चुका है। साथ ही कानपुर नगर में 1064 व औरैया में 400 स्कूली वाहनों को ऑनबोर्ड कर दिया गया है।

जिसमें कानपुर नगर में 924 व औरैया में 364 वाहनों का निरीक्षण किया गया है। आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव के निर्देशन में कानपुर देहात में 2830, फरुखाबाद में 2933 व कन्नौज में 2673 स्कूलों को ऑनबोर्ड किया जा चुका है। आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने तीन जनपद की कमान बखूबी संभाली है। आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव के निर्देशन में कानपुर देहात, फरुखाबाद व कन्नौज में सराहनीय कार्य हुआ है। आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव के नेतृत्व में कानपुर देहात में 508, फरुखाबाद में 363 व कन्नौज में 605 स्कूली वाहनों को ऑनबोर्ड किया गया है। जिसमें कानपुर देहात में 496, फरुखाबाद में 332 व कन्नौज में 531 स्कूली वाहनों का निरीक्षण किया गया। झांसी एआरटीओ के नेतृत्व में इटावा में 2953 स्कूलों को ऑनबोर्ड किया गया। 645 स्कूली वाहनों को भी ऑनबोर्ड किया जा चुका है। साथ ही 627 स्कूली वाहनों का निरीक्षण भी किया गया है। कुल 19135 स्कूलों को ऑनबोर्ड किया जा चुका है। 3585 स्कूली वाहनों को ऑनबोर्ड कर दिया गया है। तथा 3274 स्कूली वाहनों का निरीक्षण भी किया जा चुका है। संभागीय परिवहन अधिकारी ने कहा, जो स्कूल लापरवाही बरत रहे हैं। उनके खिलाफ कार्यवाही की जा रही है।

शिक्षक कर्मचारियों को ईंधन उपलब्ध कराने का निर्देश

सिद्धार्थनगर। जिला पूर्ति अधिकारी ने जिले के सभी पेट्रोल पम्प डीजल, के प्रोपराइटर/प्रबंधक को प्राथमिकता के आधार पर शिक्षक कर्मचारियों को वाहन में पेट्रोल, डीज़ल सीएनजी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला महामंत्री कलीमुल्लाह ने जिला पूर्ति अधिकारी से व्यक्तिगत रूप से मिलकर तथा दिए गए पत्र में बताया कि जिले के सभी पेट्रोल पम्प पर भारी भीड़ होने के कारण प्रायः सभी शिक्षक कर्मचारियों को समय से ईंधन नहीं मिल पा रहा है। जिससे उन्हें अपने कार्यस्थल यथा विद्यालय/कार्यालय/जनगणना 2027 के प्रशिक्षण में समय से पहुंचने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, इससे शासकीय कार्य प्रभावित होता है। जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जिले के सभी पेट्रोल पम्प के प्रबंधक को पत्र जारी कर शिक्षक कर्मचारियों को पहचान पत्र के आधार पर उनके वाहनों में प्राथमिकता के आधार पर ईंधन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

जाजमऊ अग्निकांड: डीसीपी व सीएफओ ने किया निरीक्षण, करोड़ों का नुकसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर नगर के जाजमऊ क्षेत्र के वाजिदपुर स्थित जूते की फैक्ट्री में लगी भीषण आग के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में है। आजाद कंपाउंड स्थित शान इंटरप्राइजेज में हुई इस घटना के बाद पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा के साथ मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। अधिकारियों ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बताया गया कि मंगलवार रात आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने संयुक्त रूप से कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि फैक्ट्री भवन का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर गिर गया। संभावित खतरे को देखते हुए पूरे क्षेत्र को संवेदनशील घोषित कर सुरक्षा घेरा बनाया गया है। मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। फैक्ट्री मालिक के अनुसार, हाल ही में करीब 3 करोड़ रुपये की लागत से नया सेटअप लगाया गया था, जो आग में पूरी तरह जलकर खाक हो गया। करोड़ों रुपये की मशीनरी और अन्य सामान भी नष्ट हो गया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। यदि किसी प्रकार की लापरवाही या नियमों में कमी पाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पृथ्वी दिवस पर बच्चों ने लिए सात संकल्प, डीएम ने किया वृक्षारोपण

●गौरैया संरक्षण को बढ़ावा, विद्यालय परिसर में लगाए गए 10 कृत्रिम घोंसले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। विश्व पृथ्वी दिवस पर बुधवार को ईदगाह कॉलोनी स्थित माँ कस्तूरबा गर्ल्स इंटर कॉलेज में पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बच्चों ने पृथ्वी को बचाने के लिए सात संकल्प लिए। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने लीफ कंपोस्ट बिन का उद्घाटन किया, नीम का पौधा रोपित किया और गौरैया संरक्षण के लिए विद्यालय परिसर में 10 कृत्रिम घोंसले लगाए जाने की पहल की सराहना की। जिलाधिकारी ने कहा कि सूखी पत्तियों से प्राकृतिक खाद तैयार करने जैसे प्रयोग पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बेहद उपयोगी हैं। इस तरह के प्रयास धरती को बिना नुकसान पहुंचाए उसे संवारने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि गौरैया और अन्य पक्षियों को बचाने के लिए कृत्रिम घोंसले कारगर साबित हो रहे हैं। हरियाली का संवर्धन भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि पशु-पक्षी, कीट-पतंगे और अन्य जीवों का भी इस धरती पर उतना ही अधिकार है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में किए गए ये प्रयोग और यहां की हरियाली अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणा हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों से पृथ्वी संरक्षण के लिए सात संकल्प भी दिलाए गए। जिलाधिकारी ने लीफ कंपोस्ट बिन का उद्घाटन कर उसके उपयोग को समझा और विद्यालय परिसर में नीम का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

स्वीट स्पैरो कम बैक होम अभियान के तहत विद्यालय परिसर में गौरैया संरक्षण के लिए 10 कृत्रिम घोंसले निःशुल्क स्थापित किए गए। अभियान के संस्थापक गौरव वाजपेयी ने कहा कि धरती को बचाने के लिए हर व्यक्ति को अपनी सीमा में रहते हुए प्रकृति, पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों और छोटे जीवों की मदद के बारे में सोचना होगा। यदि यह सोच समाज में विकसित हो जाए तो धरती को कंक्रीट का ग्रह बनने से बचाया जा सकता है।

दुकान पर हवाई फायरिंग कर दहशत पैदा करने का आरोपी गिरफ्तार

प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली के हर्रई पट्टी में दुकानदार के पास दो मोटर साइकिल पर सवार पांच लोग पहुंचे और उसके भाई अमित के बारे मे पूछताछ कर दुकान के सामान फेंकने शुरू कर दिया और 10 हजार रुपए की मांग करते हुए जान से मारने की धमकी दी और दहशत पैदा करने के लिए हवाई फायरिंग किया। वादी का कहना है कि उक्त घटना ध्रुव तिवारी निवासी सौराई थाना आसपुर देवसरा द्वारा अपने साथियों के साथ पूर्व विवाद के चलते करवाई गई। पुलिस ने सुसंगत धाराओं मे मामला दर्ज कर लिया। एसआई रोहित यादव व श्रीप्रकाश ने आरोपी गब्बर उर्फ दिव्यांशु दुबे पुत्र संजय दुबे निवासी लच्छी पट्टी थाना सिंगरामऊ जौनपुर को घटना मे प्रयुक्त एक पिस्टल 7.65 बोर मय मैगजीन एक जिन्दा कारतूस केएफ 7.65 बोर के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

यातायात पुलिस द्वारा ओवर स्पीड वाहनों पर प्रवर्तनात्मक कार्यवाही, 371 वाहनों के चालान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर नगर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत 8 स्थानों पर बैरियर स्थापित करते हुए ड्यूटी लगायी गयी है, इसके अतिरिक्त तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर प्रत्येक 20 किमी पर 3 इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गयी है जिनके माध्यम से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। आज दिनांक 22.04.2026 में यातायात पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 47 ट्रक, 5 बस, 120 चार पहिया / दो पहिया 172 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर 04 बस, 125 चार पहिया / दो पहिया 129 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। गंगा बैराज पर 70 वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर की आमजनमानस से अपील है कि ट्रैफिक नियमों का पालन करें, रॉन्ग साइड वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय हेलमेट/सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। सड़क पर गति सीमा को निर्धारित रखें। ओवरटेक हमेशा दाहिने से करें। यातायात के संकेतों का पालन अवश्य करें। शराब पीकर वाहन न चलायें। नियमों का पालन न केवल आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दूसरों की जान की हिफाजत भी करता है।

नगर निगम जोन-3 पर पार्षद का आरोप, विकास कार्यों में लापरवाही से बढ़ा आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर नगर निगम के जोन-3 क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। वार्ड-102 बेगमपुरवा की पार्षद निशा अकील शानू ने नगर निगम अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। पार्षद का कहना है कि क्षेत्र में सड़क, नाली, सफाई सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर कई बार शिकायतें और पत्राचार किया गया, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप है कि शिकायतों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र की जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विकास कार्य पूरी तरह प्रभावित हैं और हालात जस के तस बने हुए हैं। पार्षद के मुताबिक, यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो क्षेत्रीय जनता के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा। वहीं, स्थानीय लोगों ने भी पार्षद के आरोपों का समर्थन करते हुए नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ जांच व कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, इस मामले में नगर निगम के संबंधित अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

नन्हें हाथों ने उकेरा 'स्वच्छ और हरित भारत' का सपना

प्रतापगढ़। प्राथमिक विद्यालय जलालपुर के प्रांगण में बुधवार को बच्चों की मासूमियत और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प का अद्भुत संगम देखने को मिला। शक्ति एक पहल फाउंडेशन द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने रंगों के माध्यम से धरती का दर्द और उसे बचाने की पुकार को कागज पर उतारा। फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती दीपिका सिंह और को-फाउंडर प्रेम सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को 'पृथ्वी बचाओ' और 'प्लास्टिक मुक्त भारत' के प्रति जागरूक करना था। इस मुहिम को सफल बनाने में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती सुनीता ठाकुर और प्रधानाध्यापक वशिष्ठ कुमार उपाध्याय का विशेष योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन में बच्चों ने न केवल कला का प्रदर्शन किया, बल्कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने की शपथ भी ली। इस दौरान आंगनबाड़ी सहायिका ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में दीपिका सिंह ने मेधावी बच्चों को पुरस्कृत किया। प्रधानाध्यापिका सुनीता ठाकुर और वशिष्ठ कुमार उपाध्याय ने फाउंडेशन के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जागृत होती है।

डीएम की पहल से बदली जिला पुस्तकालय की तस्वीर, सीएसआर से 20 लाख में हुआ आधुनिकीकरण

●अब 120 छात्रों के बैठने की व्यवस्था, प्रतियोगी युवाओं को मिला बेहतर अध्ययन माहौल

67 हजार से अधिक पुस्तकों का समृद्ध संग्रह, छात्रों के लिए बना ज्ञान का बड़ा केंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की पहल से राजकीय जिला पुस्तकालय का स्वरूप बदल गया है। कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड से करीब 20 लाख रुपये खर्च कर पुस्तकालय का आधुनिकीकरण कराया गया है, जिससे अब यह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए आधुनिक अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। बुधवार को जिलाधिकारी ने पुस्तकालय पहुंचकर सीएसआर फंड से कराए गए कार्यों का निरीक्षण किया। प्रथम तल स्थित वाचनालय में उन्होंने छात्रों से सीधे संवाद कर उनकी तैयारी, पुस्तकों की उपलब्धता, पेयजल और इंटरनेट सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। छात्रों ने बेहतर व्यवस्था पर संतोष जताया। जिलाधिकारी ने कहा कि पुस्तकालय को और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा और छात्रों को हर संभव सहयोग दिया जाएगा। आधुनिकीकरण के तहत पुस्तकालय में कुर्सी-मेज, आरओ पेयजल, स्वच्छ शौचालय, बेहतर प्रकाश व्यवस्था और समृद्ध पुस्तक संग्रह जैसी सुविधाएं उन्नत की गई हैं। सबसे बड़ा बदलाव बैठने की क्षमता में देखने को मिला है। पहले जहां 60 से 70 छात्र ही एक साथ बैठ पाते थे, अब करीब 120 छात्रों के बैठने की व्यवस्था कर दी गई है, जिससे अधिक अभ्यर्थियों को एक साथ अध्ययन का अवसर मिल रहा है। पुस्तकालय प्रभारी प्रशांत कुमार द्विवेदी ने बताया कि वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 50 छात्र-छात्राएं यहां अध्ययन कर रहे हैं। पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों के साथ साहित्य, विज्ञान, गणित, इतिहास, संस्कृति, जीवनी और अन्य विषयों की 67 हजार से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। सभी प्रमुख समाचार पत्र और पत्रिकाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय में इंटरनेट, इनवर्टर और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक खुला रहता है और तीन वर्ष की सदस्यता के लिए मात्र 500 रुपये शुल्क निर्धारित है। शांत और व्यवस्थित वातावरण के कारण यह पुस्तकालय छात्रों के लिए एक प्रभावी अध्ययन केंद्र बनता जा रहा है।

डिजिटल साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन

● सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में 'मिशन शक्ति' फेज-5 के तहत 'डिजिटल साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा' विषय पर कार्यशाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत डिजिटल साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन बुधवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में शासन के निर्देशानुसार 'मिशन शक्ति' विशेष अभियान फेज-5 के अंतर्गत 'डिजिटल साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा' विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं विज्ञान संकाय की डीन प्रोफेसर प्रकृति राय ने छात्र-छात्राओं को वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा की अनिवार्यता पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को डिजिटल जगत में सतर्क और जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ0 आशीष श्रीवास्तव असिस्टेंट प्रोफेसर, जन्तु विज्ञान विभाग ने छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा के तकनीकी पहलुओं और इससे बचाव के व्यावहारिक तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का प्रारंभ डॉ0 दीपक जायसवाल के स्वागत उद्बोधन से हुआ, कार्यक्रम का कुशल प्रबंधन डॉ0 किरन गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ0 अमरजीत यादव ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ0 सुनीता त्रिपाठी, संयोजक डॉ0 रेनू त्रिपाठी व डॉ0 रश्मि सहित डॉ0 विनीता रावत, डॉ0 अंकिता श्रीवास्तव, डॉ0 दीप्ति गिरी, डॉ0 जय सिंह, डॉ0 हाफिज एवं अन्य शिक्षक व विद्यार्थी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

नगर पंचायत ढखवा में 2.64 करोड़ के भुगतान पर पूर्व मंत्री ने उठाये सवाल

प्रतापगढ़। नगर पंचायत ढखवा में वित्तीय अनियमितताओं का बड़ा मामला सामने आया है। पूर्व मंत्री राजेंद्र प्रताप 'मोती सिंह' द्वारा जिलाधिकारी को भेजे गए पत्र में करोड़ों रुपये के संदिग्ध भुगतान का आरोप लगाते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है। पत्र के अनुसार नगर पंचायत ढखवा के भारतीय स्टेट बैंक रामगंज शाखा के खाते से अलग-अलग तिथियों में भारी धनराशि निकाली गई। आरोप है कि इन भुगतानों के बदले न तो कोई सामग्री प्राप्त हुई और न ही कोई कार्य कराया गया। केवल 28 फरवरी 2026 को ही 20,77,601 रुपये की निकासी का उल्लेख है, जबकि 7 मार्च 2026 को कई बार में लाखों रुपये निकाले गए। इसी तरह 9 लाख से लेकर 14 लाख रुपये तक के कई भुगतान दर्ज हुए हैं। इसके अलावा 9 मार्च, 10 मार्च, 16 मार्च और अप्रैल माह में भी लगातार निकासी दिखाई गई है। कुल मिलाकर लगभग 2.64 करोड़ रुपये के भुगतान को लेकर सवाल खड़े किए गए हैं। पत्र में कहा गया है कि इतनी बड़ी धनराशि खर्च होने के बावजूद उसका कोई सत्यापन नहीं हुआ, जो गंभीर वित्तीय अनियमितता की ओर इशारा करता है। मामले को गंभीर बताते हुए भ्रष्टाचार निवारण संगठन से जांच कराने की मांग की गई है।

सीडीओ ने बैंक समन्वित जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत बैंक समन्वित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीडी रेशियो एवं प्राथमिक क्षेत्र के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा की गई, जिन बैंकों का ऋण-जमा अनुपात 40 प्रतिशत से कम पाया गया, उन्हें वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु ठोस कार्ययोजना प्रस्तुत करने तथा गुणवत्तापूर्ण ऋण वितरण के माध्यम से सीडी रेशियो को न्यूनतम 40 प्रतिशत तक लाने के निर्देश दिए गए। सीडीओ ने विशेष रूप से छोटे ऋणों के अधिक संख्या में वितरण पर बल दिया। साथ ही सीएम युवा उद्यमी, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सीसीएल, पीएम स्वनिधि, मत्स्य पालन, किसान क्रेडिट कार्ड आदि योजनाओं के अंतर्गत लंबित पत्रावलियों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अपेक्षित प्रगति न होने के कारण स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक एवं बैंक ऑफ इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान सीएम युवा उद्यमी योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त उद्योग द्वारा अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में निर्धारित लक्ष्य 1800 के सापेक्ष कुल 1829 ऋण पत्रावलियों में ऋण वितरण कर लक्ष्य प्राप्त किया गया है। इस उपलब्धि पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी बैंकर्स का उत्साहवर्धन किया गया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंक जिला समन्वयकों एवं शाखा प्रबंधकों को जिलाधिकारी एवं सीडीओ द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। बैठक में पीओ नेडा सन्तोष कुमार सिंह, पीओ डूडा सीमा भारती सहित डीडीएम नाबार्ड, निदेशक आरसेटी, एनआरएलएम, उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र सहित सभी बैंकों के अधिकारी एवं जिला समन्वयकों ने प्रतिभाग किया।

संक्षिप्त खबरें

नोएडा में 20 लाख की स्टांप चोरी करने वाले अब चुकाएंगे 80 लाख का जुर्माना, 155 मामलों में होगी सख्त कार्रवाई

» नोएडा में 155 स्टांप चोरी के बड़े मामले लंबित।

» प्रत्येक मामला 20 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का।

» दोषियों पर चार गुना से अधिक जुर्माना लगाने की तैयारी।

नोएडा। पुराने विवादों और स्टांप चोरी के बड़े मामलों का निपटारा होने वाला है। इनमें हर मामला 20 लाख रुपये से अधिक का है। डीएम, एडीएम और एआईजी कोर्ट में लंबित इन 155 मामलों पर शासन के सख्त निर्देश के बाद निबंधन विभाग की ओर से तैयारी शुरू कर दी गई है।

चार गुना से भी ज्यादा पेनाल्टी

जानकारी के मुताबिक, डीएम कोर्ट में 41, एडीएम कोर्ट में 65 और एआईजी कोर्ट में 49 ऐसे बड़े मामले अभी भी अटके पड़े हैं। ये सब 20 लाख से ज्यादा के स्टांप चोरी के हैं। शासन की ओर से जारी निर्देशों के क्रम में अब इनकी सुनवाई तेज कर दी गई है। डीएम, एडीएम और एआईजी स्तर पर विशेष अभियान चलाकर इन मामलों को निपटाया जाएगा। मजेदार बात यह है कि दोषी पाए जाने पर स्टांप चोरी की रकम पर चार गुना से भी ज्यादा पेनाल्टी लगाने का अधिकार अधिकारियों को है।

कम होगा कोर्ट का बोझ और बढ़ेगा राजस्व

अब ऐसे मामलों में निबंधन विभाग की ओर से स्टांप चोरी पर ब्याज और कुछ रुपये की पेनाल्टी लगाकर निपटारा किया जाएगा। एआईजी निबंधन प्रथम अरुण कुमार शर्मा ने बताया कि बीते तीन माह में ऐसे बड़े मामलों की जांच की गई है। इन पर जल्द सुनवाई शुरू हो जाएगी। कोशिश रहेगी कि स्टांप चोरी में शत प्रतिशत की वसूली हो सके। इन मामलों को सुनवाई कर ही निपटारा किया जाएगा। इससे न सिर्फ अदालतों पर बोझ कम होगा, बल्कि सरकारी खजाने में राजस्व भी आएगा।

ग्रेटर नोएडा में ई-बसों के संचालन से पहले 45 बस शेल्टरों का होगा कायाकल्प, लगेंगे सीसीटीवी

» 45 बस शेल्टरों की मरम्मत और नए सिरे से निर्माण होगा।

» इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से पहले शेल्टरों को संवारा जाएगा।

» सुरक्षा के लिए सभी बस शेल्टरों पर सीसीटीवी कैमरे लगेंगे।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से पहले 45 बस शेल्टरों को संवारने का काम किया जाएगा। मरम्मत कराने के साथ ही अधिक जर्जर हो चुके शेल्टरों का नए सिरे से निर्माण कराया जाएगा। हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। कंपनी के चयन के लिए, जल्द टेंडर जारी किया जाएगा। प्राधिकरण के मुताबिक पहले चरण में 45 बस शेल्टर को दुरुस्त किया जाएगा। यह कार्य बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) के आधार पर किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा ईस्ट और वेस्ट इलाके में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के तहत इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। इसके लिए रूट का निर्धारण करने समेत अन्य औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। रूट का निर्धारण इस तरह से किया गया है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक आसानी से पहुंचा जा सके।

एयरपोर्ट से उड़ान सेवा से पहले व्यवस्था दुरुस्त करने का प्रशासन

एयरपोर्ट से उड़ान सेवा शुरू होने से पहले व्यवस्था दुरुस्त करने की तैयारी है। दरअसल कई वर्ष पहले बने ग्रेटर नोएडा के अधिकतर बस शेल्टर रखरखाव के अभाव में जर्जर हो चुके हैं। कुछ की छत गायब होने के साथ ढांचा भी टूट गया है। प्राधिकरण के अर्बन सर्विसेज विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक सन्नी यादव ने बताया कि बस शेल्टर को दुरुस्त किए जाने का कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से बस स्टैंड पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। सेफ सिटी परियोजना के तहत शहर में 2700 से अधिक कैमरे लगाने की तैयारी चल रही है, जिसका कंट्रोल रूम प्राधिकरण के दफ्तर में होगा। बस शेल्टर पर लगाए जाने वाले कैमरों को भी कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा। अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा, नालेज पार्क- एक से तीन आदि सेक्टरों के अलावा सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर 75 बस शेल्टर प्राधिकरण द्वारा बनाए गए हैं।

भारत के लिए अपने PM पर टूट पड़ा नेपाल! बालेन शाह के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता ही जा रहा

● सीमावर्ती इलाकों के निवासियों का कहना है कि इस कदम का उनके रोज़मर्रा के जीवन पर सीधा असर पड़ता है, क्योंकि वे ज़रूरी चीज़ों के लिए सीमा पार से की जाने वाली खरीदारी पर काफ़ी हद तक निर्भर रहते हैं। प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि यह नीति आम नागरिकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालती है और इन क्षेत्रों की ज़मीनी हकीकतों को ध्यान में रखने में विफल रहती है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

काठमांडू के मेयर से राष्ट्रीय नेता बने बालेन शाह के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। सरकार ने दो-तिहाई बहुमत के साथ सत्ता संभालने के एक महीने से भी कम समय में ही यह स्थिति पैदा हो गई है। विरोध प्रदर्शन सड़कों से लेकर देश के प्रशासनिक केंद्र 'सिंह दरबार' तक फैल गए हैं; छात्र, राजनीतिक समूह और आम नागरिक सहित प्रदर्शनकारी काठमांडू और अन्य शहरों की सड़कों पर उतर आए हैं। इन विरोध प्रदर्शनों का एक मुख्य कारण सरकार का वह फैसला है, जिसके तहत भारत से लाए गए 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर अनिवार्य सीमा शुल्क (कस्टम ड्यूटी) लगा दिया गया है। सीमावर्ती इलाकों के निवासियों का कहना है कि इस कदम का उनके रोज़मर्रा के जीवन पर सीधा असर पड़ता है, क्योंकि वे ज़रूरी चीज़ों के लिए सीमा पार से की जाने वाली खरीदारी पर काफ़ी हद तक निर्भर रहते हैं। प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि यह नीति आम नागरिकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालती है और इन क्षेत्रों की ज़मीनी हकीकतों को ध्यान में रखने में विफल रहती है।

छात्र संघ विवाद से युवाओं में भारी रोष

गुस्से का एक और बड़ा कारण सरकार का वह कथित कदम है, जिसके तहत वह राजनीतिक समूहों से जुड़े छात्र संघों को खारिज कर रही है या उन्हें दरकिनार कर रही है। छात्र नेताओं ने सरकार पर आरोप लगाया है कि बातचीत करने के बजाय उसने 'दमनकारी रवैया' अपनाया है, जिससे युवाओं में असंतोष बढ़ रहा है। देशभर में हज़ारों छात्र विरोध प्रदर्शनों में शामिल हुए हैं, जिनमें से कई प्रदर्शनों का नेतृत्व स्कूलों और कॉलेज समूहों ने किया है। एक चौंकाने वाले दृश्य में, बड़ी संख्या में छात्रों को स्कूल की वर्दी में विरोध प्रदर्शन करते देखा गया; वे हाथों में तख्तियां लिए हुए थे और सरकार के फ़ैसलों के ख़िलाफ़ नारे लगा रहे थे। यह इस बात का संकेत है कि यह आंदोलन अब केवल राजनीतिक गलियारों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका विस्तार व्यापक समाज तक हो गया है।

गृह मंत्री के इस्तीफ़े की मांग तेज़

विरोध प्रदर्शनों का मुख्य केंद्र गृह मंत्री सुदान गुरुंग के ख़िलाफ़ लगे आरोप भी रहे हैं। उन पर आय से अधिक संपत्ति रखने और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन में शामिल होने के आरोप हैं। प्रदर्शनकारियों और विपक्षी समूहों का दावा है कि गुरुंग संदिग्ध व्यावसायिक लेन-देन में शामिल थे, जिसमें वित्तीय अपराधों के आरोपियों से कथित संबंध भी शामिल हैं। नेपाल की मीडिया रिपोर्टों में ऐसे दस्तावेज़ों का हवाला दिया गया है, जिनसे पता चलता है कि उनका निवेश और शेयरहोल्डिंग कुछ विवादित संस्थाओं से जुड़ी हुई है; इससे नैतिक आधार पर उनके इस्तीफ़े की मांग और तेज़ हो गई है। राजनीतिक दल और नागरिक समाज समूह इस मुद्दे पर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे यह मौजूदा अशांति का एक प्रमुख केंद्र बिंदु बन गया है।

बालेन शाह सरकार पर दबाव

विरोध प्रदर्शनों के बढ़ते दायरे और तीव्रता के साथ, बालेन शाह सरकार पर कई मोर्चों पर जवाब देने का दबाव बढ़ता जा रहा है: आर्थिक नीति से जुड़ी चिंताएं, छात्रों में अशांति, और सरकार के भीतर ही अनुचित आचरण के आरोप। जो बात नीतिगत फ़ैसलों को लेकर असंतोष के रूप में शुरू हुई थी, वह अब एक व्यापक राजनीतिक चुनौती का रूप ले चुकी है; नेपाल की सड़कों पर और वहाँ के राजनीतिक परिदृश्य में, दोनों ही जगहों पर विपक्षी आवाज़ें अब और भी बुलंद होती जा रही हैं।

वैभव सूर्यवंशी सस्ते में हुए आउट, फिर भी रचा इतिहास; आईपीएल में पहले कभी नहीं हुआ ऐसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के 32वें मैच में वैभव सूर्यवंशी अपने चिर-परिचित अंदाज में नहीं खेल पाए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की ओर से मैदान पर उतरे वैभव ने अपनी पहली गेंद पर ही चौका लगाया। इसके साथ ही वैभव ने इतिहास भी रच दिया।

सबसे तेज 500 रन

वैभव आईपीएल में सबसे तेज 500 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 227 गेंदों पर इस आंकड़े को छुआ। इसके साथ ही उन्होंने ग्लेन मैक्सवेल और वीरेंद्र सहवाग जैसे दिग्गजों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। मैक्सवेल ने 260 गेंदों पर सहवाग ने 280 गेंद खेलने के बाद आईपीएल में 500 रन बनाए थे।

आईपीएल में सबसे तेज 500 रन

वैभव सूर्यवंशी: 227 गेंद, ग्लेन मैक्सवेल: 260 गेंद, प्रियांश आर्य: 278 गेंद, वीरेंद्र सहवाग: 280 गेंद, नमन धीर: 283 गेंद

वैभव ने खेला मेडन ओवर

हालांकि, वैभव बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। उन्होंने पहली 2 गेंदों पर 2 चौके लगाए। उसके बाद अगली 9 गेंदों पर वह कोई रन नहीं बना सके। मोहसिन खान ने पारी का चौथा ओवर किया। इस ओवर की सभी गेंदों का सामना वैभव ने किया और वह 1 रन तक नहीं बना पाए। ओवर की आखिरी गेंद पर मोहसिन ने वैभव का विकेट भी चटकाया। दिग्वेश सिंह राठी ने पीछे की ओर भागते हुए वैभव का शानदार कैच लिया।

वैभव ने बनाए 8 रन

मोहसिन खान ने ऑफ स्टंप पर लेंथ डिलीवरी थी, वैभव लेग साइड के ऊपर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में अपना संतुलन खो बैठे और गेंद बल्ले के किनारे से लगकर कवर की तरफ चली गई। मोहसिन खान ने अपना पहला ओवर विकेट-मेडन के साथ समाप्त किया। वैभव ने 11 गेंदों पर 8 रन की पारी खेली।

धाकड़ अधिवक्ता रवि भूषण चौबे की बेटी रीतिका भी कठिन परिश्रम के साथ बनी सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता

● यह कहानी सिर्फ एक बेटी की नहीं, बल्कि संघर्ष संकल्प और सपनों की जीत की कहानी है—रीतिका से एडवोकेट रीतिका बनने तक की प्रेरणादायक यात्रा

संघर्ष से सफलता तकः एडवोकेट रीतिका की गौरवगाथा

बिहार के बक्सर जिले की प्रतिभाशाली बेटी रीतिका ने अपने अथक परिश्रम, अटूट विश्वास और परिवार के मजबूत सहयोग से आज एक नई पहचान स्थापित की है—एडवोकेट रीतिका के रूप में।उनके पिता रवि भूषण चौबे जो कि सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता होने के साथ-साथ Ravi Babita Support Foundation के संस्थापक हैं एवं निदेशक हैं, और माता श्रीमती बबीता कुमारी चौबे जो एक समाजसेवी एवं उसी संस्था की निदेशक है दोनों ने सदैव अपनी बेटी को न्याय के क्षेत्र में ऊँचाइयों तक पहुँचते देखने का सपना संजोया इस सफर में उनके भाई शिवांग जो B.A. LL.B के छात्र एवं सामाजिक कार्यकर्ता हैं और छोटे भाई शौर्य कात्यायन का भरपूर सहयोग रहा परिवार के इस अटूट विश्वास और समर्थन ने रीतिका के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दिनांक 20 अप्रैल 2026 को, Bar Council of Delhi में नामांकन के पश्चात सुप्रीम कोर्ट के प्रतिष्ठित चैंबर नंबर 108 D-ब्लॉक में एक गौरवपूर्ण क्षण साकार हुआ, जब वरिष्ठ अधिवक्ता बी.पी. यादव ने रीतिका को एडवोकेट बैंड पहनाकर न्याय के पथ पर अग्रसर होने का आशीर्वाद प्रदान किया। वहीं दूसरी तरफ इस शुभ अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के प्रतिष्ठित अधिवक्ता मनोज कुमार चौबे, दीपक कुमार चौबे तथा अन्य कई सम्मानित अधिवक्ताओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए रीतिका को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं इस दौरान, चैंबर से लेकर सुप्रीम कोर्ट के Advocates' Sitting Room और Lounge तक बार-बार शुभकामनाओं का आदान-प्रदान हुआ जो इस उपलब्धि की गरिमा और उत्साह को और भी बढ़ा रहा था।

आज रीतिका न केवल अपने गृह जनपद बक्सर बिहार का, बल्कि बलजीत नगर नई दिल्ली और सबौली, सोनीपत हरियाणा का नाम भी गर्व से रोशन कर रही हैं। यह उपलब्धि हर उस बेटी के लिए प्रेरणा है, जो अपने सपनों को सच करने का साहस रखती है अंत में एडवोकेट रीतिका एवं उनके पिता रवि भूषण चौबे ने वरिष्ठ अधिवक्ता बी. पी. यादव अधिवक्ता मनोज कुमार चौधरी तथा सभी सम्मानित अधिवक्ता साथियों और शुभचिंतकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। रवि भूषण चौबे एडवोकेट का सम्पूर्ण समाज के माता-पिता व बेटियों को संदेश जब परिवार का साथ और खुद पर विश्वास हो तो हर बेटियों का हौसला अफजाई हो सकता है।

नोएडा में मदनगीर गिरोह का खौफ, आधे घंटे में गाड़ी का शीशा तोड़कर लैपटॉप समेत बैग उड़ाया

नोएडा। नोएडा सेक्टर-142 थाना क्षेत्र में कॉरनर वॉक की सर्विस रोड पर मदनगीर गिरोह के सदस्यों ने गाड़ी का शीशा तोड़कर दस्तावेज, लैपटॉप और नकदी के साथ बैग चोरी कर लिया। घटना 15 अप्रैल की रात करीब दस बजे की है। पीड़ित ने पुलिस को लिखित शिकायत देकर मुकदमा कराया है। पुलिस घटनास्थल के पास सीसीटीवी फुटेज से चोरों की पहचान कर रही है। सेक्टर-142 के आकृति शांति निकेतन अपार्टमेंट में रहने वाले निक्की अपने पति आदित्य शर्मा के साथ खरीदारी करने गई थीं। इस बीच दंपती ने अपनी गाड़ी नो पार्किंग जोन में खड़ी कर दी।

आधे घंटे बाद लौटे दंपती तो उड़े होश

करीब आधे घंटे बाद दंपती लौटकर गाड़ी के पास पहुंचे तो शीशा टूटा देखकर उनके होश उड़ गए। पीड़िता कहना है कि गिरोह के सदस्यों ने पीछे सीट पर रखा बैग चोरी कर लिया। उसमें कंपनी का लैपटॉप, चार्जर और दस्तावेज और नकदी रखी थी। लैपटॉप चोरी होने से उन्हें महत्वपूर्ण रिकार्ड का गलत इस्तेमाल करने का भी डर है। इसके साथ ही परिवार ने निजी फोटो व वीडियो भी लैपटॉप में अपडेट थे। पुलिस का कहना है कि आरोपितों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ली है। उससे साक्ष्य एकत्रित कर विभिन्न संभावित स्थानों पर धरपकड़ की जाएगी।

खतरे की घंटी: भारत में 'साइलेंट किलर' का जाल, हर दूसरा भारतीय लाइफस्टाइल बीमारियों की चपेट में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
संवाददाता सचिन बाजपेई

भारत में स्वास्थ्य संकट की एक डरावनी तस्वीर सामने आई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) के ताजा सर्वेक्षण ने देश की सेहत पर गहरा सवालिया निशान लगा दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत की लगभग आधी आबादी अब हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, डायबिटीज और थायरॉयड जैसी गैर-संचारी बीमारियों (NCDs) से जूझ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि एक दशक पहले (10 साल पहले) इन बीमारियों का प्रसार मात्र 31 प्रतिशत था, जो अब तेजी से बढ़कर लगभग 50 प्रतिशत के करीब पहुँच गया है।

आंकड़ों की नजर से: बदलती सेहत का गणित

NSO की रिपोर्ट यह स्पष्ट करती है कि भारत अब संक्रामक बीमारियों (Infectious Diseases) से ज्यादा 'लाइफस्टाइल बीमारियों' के बोझ तले दब रहा है। कुल गैर-संचारी रोग (NCDs) 31% 49.5%, मुख्य प्रभावित वर्ग बुजुर्ग (60+) युवा और कामकाजी वर्ग (25-45) सबसे तेजी से बढ़ती समस्या डायबिटीज और हाइपरटेंशन थायरॉयड और कार्डियोवैस्कुलर

क्यों बढ़ रहा है बीमारियों का ग्राफ?

विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्वास्थ्य गिरावट के पीछे कोई वायरस नहीं, बल्कि हमारी बदलती जीवनशैली (Changing Lifestyle) सबसे बड़ी विलेन है। सर्वे में मुख्य रूप से निम्नलिखित कारणों को रेखांकित किया गया है:

1. गतिहीन जीवन (Sedentary Lifestyle): शारीरिक गतिविधियों में भारी कमी आई है। दफ्तरों में घंटों बैठकर काम करना और बच्चों का खेल के मैदान के बजाय स्क्रीन पर समय बिताना एक बड़ा कारण है।

2. खान-पान में बदलाव: अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड, अत्यधिक चीनी, नमक और जंक फूड का सेवन भारतीय थाली का हिस्सा बन गया है।

3. तनाव और नींद की कमी: गलाकाट प्रतिस्पर्धा और डिजिटल युग के दबाव ने मानसिक तनाव और अनिद्रा को जन्म दिया है, जो सीधे तौर पर थायरॉयड और ब्लड प्रेशर को प्रभावित कर रहा है।

4. प्रदूषण और शहरीकरण: तेजी से होते शहरीकरण ने स्वच्छ हवा और खुली जगहों को कम कर दिया है।

युवाओं पर बढ़ता खतरा

रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि अब ये बीमारियां केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं हैं। 25 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं में 'सडन कार्डियक अरेस्ट' और 'टाइप-2 डायबिटीज' के मामले दोगुनी गति से बढ़े हैं। विशेषज्ञों ने इसे 'डेमोग्राफिक डिजास्टर' की संज्ञा दी है, क्योंकि देश की सबसे उत्पादक आबादी बीमार हो रही है।

> 'हम एक ऐसे मुहाने पर खड़े हैं जहाँ हमारी आर्थिक प्रगति तो हो रही है, लेकिन शारीरिक पूंजी (Health Capital) का तेजी से ह्रास हो रहा है। यदि खान-पान और शारीरिक सक्रियता पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया, तो भारत दुनिया की 'बीमारियों की राजधानी' बन सकता है।'— स्वास्थ्य विशेषज्ञ

समाधान की राह: क्या करना होगा?

NSO की यह रिपोर्ट सरकार और आम जनता दोनों के लिए एक 'वेक-अप कॉल' है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कुछ निवारक उपायों पर जोर दिया है:

नियमित जांच: 30 की उम्र के बाद साल में कम से कम एक बार फुल बॉडी चेकअप।

30 मिनट का नियम: प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट की पैदल चाल या योग।

आहार में सुधार: रिफाइंड शुगर और मैदा को छोड़कर मोटे अनाज (Millets) और फाइबर युक्त भोजन को अपनाना।

निष्कर्ष- हृस्ड का सर्वे यह चेतावनी देता है कि अगर हमने अपनी जीवनशैली की दिशा नहीं बदली, तो आने वाले दशक में स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ असहनीय हो जाएगा। अब समय 'इलाज' से ज्यादा 'बचाव' (Prevention is better than cure) पर ध्यान देने का है।

ईशान किशन बने रहेंगे SRH के परमानेंट बॉस, वापसी के बाद भी पैट कमिंस को नहीं मिलेगी कप्तानी?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल 2026 के शुरुआत में लगातार हार का सामना करना पड़ा था। उनकी गेंदबाजी में धार नहीं दिख रही थी और गेंदबाज 200 के स्कोर का बचाव नहीं कर पा रहे थे। हालांकि, अब ये टीम जीत की लय हासिल कर चुकी है और ईशान किशन की अगुवाई में लगातार तीन मुकाबले अपने नाम किए हैं। किशन कप्तानी में शानदार रहे हैं। हैदराबाद के लिए सबसे बड़ी समस्या ये होगी कि वे पैट कमिंस की वापसी पर उन्हें कप्तानी दें या फिर ईशान के साथ ही जारी रखें। भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि एसआरएच को किशन के साथ ही जाना चाहिए। हरभजन के अलावा संजय बांगर भी इसी बात का समर्थन कर रहे हैं कि विकेटकीपर बल्लेबाज को ही टीम का कैप्टन होना चाहिए।

ईशान किशन को ही होना चाहिए कप्तान: हरभजन सिंह

जियोस्टार पर बात करते हुए हरभजन ने कहा, 'अगर पैट कमिंस वापस आ जाते हैं, तो भी सनराइजर्स हैदराबाद को ईशान किशन को ही कप्तान बनाए रखना चाहिए। ये थोड़ा विवादित फैसला हो सकता है लेकिन फ्रेंचाइजी ने एक युवा खिलाड़ी पर भरोसा दिखाया है, तो उसके साथ ही बने रहना चाहिए। ईशान ने गेंदबाजों और अन्य सभी खिलाड़ियों के साथ तालमेल बिठाया है। उन्हें कप्तान बनाए रखने से हैदराबाद को फायदा होने वाला है।'

संजय बांगर ने भी किशन पर दिखाया भरोसा

भारत के पूर्व कोच संजय बांगर ने इस बात का समर्थन किया है कि किशन को ही टीम का कप्तान होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'कप्तान के तौर पर ईशान गेंदबाजों का सही तरीके से इस्तेमाल करने में कुशल हैं। उन्हें पता है कि किस बल्लेबाज के खिलाफ किस गेंदबाज का उपयोग करना है। इससे साफ पता चलता है कि वे खेल को बहुत अच्छी तरह से समझते हैं। वे घबराते नहीं हैं और जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं करते हैं। स्पिन गेंदबाजों का भी वे सही से उपयोग करते हैं।'

सनराइजर्स हैदराबाद का IPL 2026 में प्रदर्शन

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल 2026 की शुरुआत किसी बुरे सपने से कम नहीं रही थी। आरसीबी ने उनके खिलाफ 202 रनों के स्कोर को 15.4 ओवरों में हासिल कर लिया। इसके बाद उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जीत मिली लेकिन फिर लगातार दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, पिछले तीन मैचों में टीम ने जीत हासिल की है और 4 मैच जीतकर अंकतालिका में पहले स्थान पर बनी हुई है।

भूत बंगला बॉक्स ऑफिस: छठवें दिन 'भूत बंगला' ने 'धुरंधर 2' को किया ओवरटेक, जमकर बरसे करारे नोट

● 'भूत बंगला' का बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन

17 मार्च को रिलीज हुई थी फिल्म

अक्षय कुमार ने की बढ़िया वापसी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। इस हॉरर-कॉमेडी के जरिए अक्षय कुमार अभिनेता ने 16 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। यह जोड़ी इससे पहले 'हेरा फेरी', 'गरम मसाला' और 'भूल भुलैया' जैसी सुपरहिट कॉमेडी फिल्मों के लिए जानी जाती है।

अक्षय कुमार का धांसू कमबैक

17 मार्च को रिलीज हुई फिल्म को आज बॉक्स ऑफिस पर 6 दिन पूरे हो गए हैं और इसने अपनी ये स्पीड लगातार जारी रखते हुए अच्छा कलेक्शन किया। भूत बंगला ने अक्षय कुमार के करियर में चला आ रहा सूखा खत्म किया। 'भूत बंगला' ने पहले वीकेंड में ही 50 करोड़ से अधिक की कमाई की और 4 दिनों के भीतर दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये का जादुई आंकड़ा पार कर लिया।

वहीं रणवीर सिंह की धुरंधर 2 की कमाई थोड़ी धीमी पड़ी है ऐसे में देखा जा रहा है कि भूत बंगला को इसका भरपूर फायदा मिलेगा और फिल्म के पास दर्शक जोड़ने का शानदार मौका है। अगर वीकेंड पर भी फिल्म ये स्टेबिलिटी बनाए रखती है तो भूत बंगला के परफॉर्म करने के लिए दूसरा हफ्ता भी रहेगा।

बॉक्स ऑफिस पर की थी शानदार ओपनिंग

वहीं फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो भूत बंगला ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 12.25 करोड़ रुपये की कमाई की। दूसरे दिन ये आंकड़ा 19 करोड़, तीसरे दिन 23 करोड़, चौथे दिन 6.75 करोड़ और पांचवें दिन 8 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा छठवें दिन के आंकड़े भी सामने आने लगे हैं। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक भूत बंगला ने खबर लिखे जाने तक 3.74 करोड़ रुपये का आंकड़ा क्रास कर लिया है। वीकडे के हिसाब से फिल्म के लिए ये अच्छा कलेक्शन है। अभी इसके और बढ़ने की उम्मीद है। इस हिसाब से फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 76.49 करोड़ रुपये हो गया है।

वर्ल्डवाइड भी फिल्म का कमाल

वहीं वर्ल्डवाइड भी फिल्म का कलेक्शन जारी है। मंगलवार को अक्षय कुमार की फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन उछाल मारते हुए 118.12 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। दिलचस्प बात यह है कि 'भूत बंगला' ने अपने पांचवें दिन 'जॉली एलएलबी 3' से बेहतर प्रदर्शन करते हुए कोर्टरूम ड्रामा को पीछे छोड़ दिया है। जॉली एलएलबी 3 ने पांचवें दिन 6.50 करोड़ की कमाई की। हालांकि, यह अभी भी 'हाउसफुल 5' से काफी पीछे है।

कौन थीं दिव्यांका सिरोही? 30 साल की उम्र में हार्ट अटैक से हुआ निधन; वायरल हो रहा दो दिन पहले बनाया वीडियो

नई दिल्ली। हरियाणवी एक्ट्रेस दिव्यांका सिरोही का 30 वर्ष की आयु में निधन हो गया। खबरों के अनुसार, 21 अप्रैल की देर रात उत्तर प्रदेश स्थित उनके घर पर उन्हें दिल का दौरा पड़ा। परिवार उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके अचानक निधन से मनोरंजन जगत सदमे में है। कई कलाकारों ने उनके असामयिक निधन पर शोक जताया है। हालांकि, उनके परिवार ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। मनी कंट्रोल की खबर के अनुसार उनका अंतिम संस्कार 23 अप्रैल को गाजियाबाद में किया जाएगा। **कौन थीं दिव्यांका सिरोही?** मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर की रहने वाली दिव्यांका फिलहाल गाजियाबाद में अपने माता-पिता और नानी के साथ रह रही थीं। उन्होंने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से बीसीए की डिग्री हासिल करने के बाद सिक्किम में एमबीए किया था। उनके परिवार में उनके भाई हिमांशु और बहनें दीपांशु और जसमीत हैं। दिव्यांका ने गायक मासूम शर्मा के साथ कई गानों में काम करके रीजनल मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बनाई थी। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी खासी लोकप्रियता थी। इंस्टाग्राम पर उनके 13 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं।

बचपन से था एक्टिंग का शौक

एक इंटरव्यू में अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा था, 'मुझे बचपन से ही एक्टिंग और डांस का शौक था। दिवाली के आस-पास मैंने पंजाबी गायिका सुनंदा शर्मा के गाने 'मेरी मम्मी नू पसंद नी तूं' पर नीले रंग का सूट पहनकर एक वीडियो टिकटॉक पर बनाया था, जो मेरे एक्सप्रेशन की वजह से वायरल हो गया।

प्राधिकरणों की लापरवाही से नोएडा-ग्रेटर नोएडा के श्रमिक आज भी बेघर

नोएडा। नोएडा, ग्रेटर नोएडा की परिकल्पना औद्योगिक शहर के रूप में जरूर की गई, लेकिन इनमें काम करने वाले श्रमिक और कर्मचारियों को आवासीय सुविधा देने की प्राधिकरण ने कोई ठोस योजना नहीं बनाई। जिले में कार्यरत नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण स्वयंसेवी संस्था है। श्रमिकों के आवास की व्यवस्था प्राधिकरणों को ही करनी थी। इसमें सरकार की भूमिका नहीं थी।

अब तक मात्र दो योजनाएं आई नोएडा में 1980 में सिर्फ दो सेक्टरों में श्रमिक कुंज के नाम से आवासीय योजना निकाली गई। इनमें दो हजार श्रमिकों को 30 और 40 वर्ग मीटर में मकान बनाकर आवंटित किए। ग्रेटर नोएडा में मात्र एक सेक्टर में श्रमिक विहार योजना निकालकर 275 श्रमिकों को आवास मुहैया कराए गए। 2007 में मायावती सरकार कांशीराम आवासीय योजना लाई। दोनों शहरों में 30 वर्ग मीटर में करीब 12 मकान बनाकर यहां काम करने वाले लोगों को आवंटित किए। इसके बाद कोई योजना नहीं आई।